राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

दिव्य दिनकर

एक निडर सच का दर्पण

पटना और रांची से एक साथ प्रकाशित

वर्ष 9 अंक : 186 पटना (बिहार) गुरुवार,08 मई 2025 पेज - 12 मूल्य: 1 R.N.I. No:- BIHHIN/ 2016/72168

एक नजर

पाकिस्तान पर हमले के बाद कई शहरों में उड़ानें रद्द, स्कूल-कॉलेज बंद

नई दिल्ली,। ऑपरेशन सिंदूर के मद्देनजर इंडियन एयरलाइंस ने श्रीनगर समेत उत्तर भारत के कई शहरों से उड़ानें रद्द कर दी हैं। वहीं, हवाई क्षेत्र में बदलती स्थितियों के कारण दिल्ली एयरपोर्ट ने बुधवार को यात्रियों के लिए ट्रेवल एडवाइजरी जारी की है। बता दें भारतीय सशस्त्र बलों ने बुधवार तड़के पाकिस्तान और उसके कब्जे वाले कश्मीर में नौ आतंकी ठिकानों पर मिसाइल दागे, जिनमें जैश-ए-मोहम्मद का गढ़ बहावलपुर और लश्कर-ए-तैयबा का ठिकाना मुरीदके भी शामिल है।

इसके अलावा संबंधित अधिकारियों द्वारा जारी आधिकारिक बयानों के मुताबिक कश्मीर के तीन जिलों, जम्मू के पांच जिलों और पंजाब के तीन सीमावर्ती जिलों में सभी स्कूल और कॉलेज बुधवार को बंद हैं। साथ ही 7 मई को होने वाली कश्मीर विश्वविद्यालय की सभी परीक्षाएं भी स्थगित कर दी गई हैं। सरकार के बयान के मुताबिक 7 मई की सुबह भारतीय सशस्त्र बलों द्वारा ऑपरेशन सिंदूर किया गया। भारतीय सेना, नौसेना और वायु सेना को तैनात किया गया था और पीएम मोदी लगातार स्थिति पर नजर रख रहे थे। इस बीच पाकिस्तानी सेना की मीडिया शाखा इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस ने कहा कि भारत ने पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में भावलपुर के साथ-साथ पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में कोटली और मुजफ्फराबाद में तीन जगहों पर हवाई हमले किए। वहीं, भारत सरकार के बयान के मुताबिक ऑपरेशन सिंदूर पर बुधवार सुबह 10:30 बजे एक प्रेस कांफ्रेंस भी की गई। वहीं, उत्तर प्रदेश पुलिस की एक्स पर की गई पोस्ट के मुताबिक सभी फील्ड यूनिट्स को रक्षा इकाइयों के साथ समन्वय करने और महत्वपूर्ण इकाइयों के आसपास सुरक्षा बढ़ाने का निर्देश दिया गया है। इसमें कहा गया कि यूपी पुलिस हर नागरिक की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सतर्क सुसज्जित और पूरी तरह तैयार है। कई मीडिया रिपोर्ट्स में सूत्रों के हवाले से बताया कि ऑपरेशन सिंदूर के बाद पाकिस्तान की ओर से संभावित जवाबी कार्रवाई की चिंताओं के बीच भारतीय हवाई क्षेत्र पर कड़ी नजर रखी जा रही है।

बीजेपी विधायक कंवरलाल मीणा की विधायकी जाना तय

जयपुर,। बीजेपी विधायक कंवरलाल मीणा की विधायकी जाना तय हो चुकी हैं। बुधवार को सुप्रीम कोर्ट ने कंवरलाल मीणा की एसएलपी को खारिज कर उन्हें दो सप्ताह में ट्रायल कोर्ट के समक्ष सरेंडर करने निर्देश दिए हैं। सुप्रीम कोर्ट में जस्टिस विक्रमनाथ, जस्टिस संदीप मेहता और जस्टिस संजय करोल की बैंच में सुनवाई हुई। सुनवाई के दौरान विधायक के वकील ने कहा कि इस मामले में रिवॉल्वर की कोई बरामदगी नहीं हुई हैं। इसतरह क्रिमिनल फोर्स का कोई मामला नहीं बनता है। वहीं जिस वीडियो कैसेट को तोड़ने और जलाने की बात हुई है। उस वीडियो कैसेट को पुलिस ने बरामद नहीं किया हैं। इसके बाद सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाने का मामला भी यहां नहीं बन सकता हैं। लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने उनकी दलीलों को खारिज कर एसएलपी को खारिज कर दिया। वहीं विधायक को दो सप्ताह में ट्रायल कोर्ट के समक्ष सरेंडर करने के निर्देश दिए। दरअसल, करीब 20 साल पुराने मामले में एक मई को हाईकोर्ट ने विधायक की अपील को खारिज कर अपीलेंट कोर्ट (एडीजे, अकलेरा) के फैसले को बरकरार रखा था।

देश के लिए गर्व का क्षण: ऑपरेशन सिंदूर पर पीएम मोदी की पहली प्रतिक्रिया

कैबिनेट बैठक में सेना की तारीफ, कहा- सटीक और साहसी कार्रवाई

नई दिल्ली,। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ह्यऑपरेशन सिंदूरह्न को लेकर अपनी पहली आधिकारिक प्रतिक्रिया देते हुए इसे देश के लिए गर्व की बात बताया है। बुधवार को आयोजित केंद्रीय कैबिनेट की बैठक में प्रधानमंत्री ने पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में की गई एयर स्ट्राइक के बारे में विस्तार से जानकारी दी और भारतीय सेना की सटीक और साहसी कार्रवाई की जमकर सराहना की। पीएम मोदी ने कहा कि भारतीय सेना ने पूरी योजना के अनुसार बिना किसी चूक के आतंकवादियों के नौ ठिकानों को सफलतापूर्वक ध्वस्त किया है। उन्होंने कहा कि हमारे

सशस्त्र बलों की बहादुरी और संकल्प ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि भारत आतंकवाद को बर्दाश्त नहीं करेगा। कैबिनेट के सभी मंत्रियों ने प्रधानमंत्री के नेतृत्व और राष्ट्रीय सुरक्षा के प्रति उनकी प्रतिबद्धता की सराहना की। मंत्रियों ने एक स्वर में कहा कि पूरा देश प्रधानमंत्री के साथ खड़ा है और इस निर्णायक कार्रवाई पर उन्हें गर्व है। सरकार द्वारा दिए गए बयान के अनुसार, भारतीय सशस्त्र बलों ने ह्यऑपरेशन सिंदूरह्न के तहत पाकिस्तान और पीओके में मौजूद आतंकी ठिकानों पर लक्षित हमले किए। इन हमलों में केवल आतंकी ठिकानों को ही निशाना बनाया गया, किसी भी पाकिस्तानी सैन्य प्रतिष्ठान को नुकसान नहीं पहुंचाया गया। यहां बताते चलें कि ऑपरेशन सिंदूर दरअसल 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए भीषण आतंकी हमले के जवाब में की गई कार्रवाई है।

बीजापुर में नक्सलियों पर कड़ा वार: करेर्गुट्टा की पहाड़ियों में 22 से अधिक नक्सली ढेर, 18 शव बरामद

सुरक्षाबलों की ऐतिहासिक कार्रवाई

बीजापुर। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले की दुर्गम पहाड़ियों में आज सुबह का सूरज नक्सलियों के लिए कहर बनकर उगा। करेर्गुट्टा की पहाड़ी, जो अब तक नक्सलियों की मजबूत मांद मानी जाती थी, वहां सुरक्षाबलों ने ऐसा कहर बरपाया कि जंगल कांप उठा। तड़के शुरू हुए भीषण मुठभेड़ में अब तक 20 से 22 नक्सलियों को मार गिराने की पुष्टि हुई है, जिनमें से 18 के शव बरामद किए जा चुके हैं। डीआरजी, कोबरा, सीआरपीएफ और एसटीएफ के जांबाजों ने दुर्गम और जोखिम भरे इलाके में घुसकर नक्सलियों को उसी की भाषा में जवाब दिया। बस्तर के इस सबसे बड़े ऑपरेशन की निगरानी खुद एडीजी नक्सल ऑप्स विवेकानंद सिन्हा, सीआरपीएफ आईजी राकेश अग्रवाल और बस्तर आईजी पी. सुंदरराज कर रहे हैं। सूत्रों के मुताबिक, ऑपरेशन अभी भी जारी है और अनुमान जताया जा रहा है कि शाम तक यह कार्रवाई

ऐतिहासिक मोड़ ले सकती है। नक्सलियों के कई ठिकानों को ध्वस्त किया जा चुका है, और जंगलों में लगातार सर्च ऑपरेशन जारी है। करेर्गुट्टा की पहाड़ी, जो कभी आतंक का अड्डा मानी जाती थी, अब भारत की सुरक्षाबलों की ताकत और हिम्मत की मिसाल बन चुकी है। यह ऑपरेशन दिखाता है कि छत्तीसगढ़ अब नक्सलवाद से लड़ने के लिए सिर्फ तैयार ही नहीं, बल्कि निर्णायक कार्रवाई कर रहा है।

पाकिस्तान में आतंकी के 9 ठिकाने तबाह, रिहायशी इलाकों को नुकसान नहीं

कर्नल सोफिया और विंग कमांडर व्योमिका ने ऑपरेशन सिंदूर की दी जानकारी

नई दिल्ली,। पाकिस्तान में आतंकी ठिकानों पर एयर स्ट्राइक पर बुधवार सुबह 10:30 बजे सरकार, सेना और एयरफोर्स के अफसरों ने ब्रीफिंग की। पहले एयर स्ट्राइक का 2 मिनट का वीडियो प्ले किया गया, जिसमें आतंकी ठिकानों पर भारतीय सेना की कार्रवाई दिखाई गई। देश के इतिहास में पहली बार प्रेस कॉन्फ्रेंस में आर्मी की कर्नल सोफिया कुरैशी और एयरफोर्स की विंग कमांडर विंग कमांडर व्योमिका सिंह ने ऑपरेशन के बारे में जानकारी दी। विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने कहा कि पहलगाम कायरतापूर्ण हमला था, इसमें कई लोगों की हत्या कर दी गई थी। लोगों को सिर में गोली मारी गई। बचे हुए लोगों से कहा गया कि वे इस हमले का संदेश पहुंचाएं। ये हमला जम्मू-कश्मीर की अच्छी स्थिति को प्रभावित करने के लिए किया गया था। पिछले साल सवा दो करोड़ से ज्यादा पर्यटक कश्मीर आए थे। हमले का मकसद था कि कश्मीर के विकास और प्रगति को नुकसान पहुंचाकर पिछड़ा बनाए रखा जाए। हमले का तरीका जम्मू-कश्मीर और देश में सांप्रदायिक दंगे फैलाने से प्रेरित था। एक समूह ने खुद को टीआरएफ कहते हुए हमले की जिम्मेदारी ली है। इसे यूएन ने प्रतिबंधित किया है और यह लश्कर से जुड़ा हुआ है। पाकिस्तान स्थित समूहों के लिए कवर के तौर पर टीआरएफ का इस्तेमाल किया गया। लश्कर जैसे संगठन टीआरएफ जैसे संगठन को इस्तेमाल कर रहे हैं। पहलगाम हमले की जांच से पाकिस्तान के साथ आतंकवादियों के संपर्क उजागर हुए हैं। टीवायआरएफ के दावे और लश्कर से सोशल मीडिया पोस्ट इसे साबित करती है। हमलावरों की पहचान भी हुई है। इस हमले की रूपरेखा भारत में सीमापार आतंकवाद फैलाने के पाकिस्तान का प्लान उजागर हुआ है। पाकिस्तान स्थित आतंकी ठिकानों के बारे में हमें सूचना मिली थी कि वे और हमले कर सकते हैं। इन्हें रोकना जरूरी था। हमने इन्हें रोकने के अधिकार का इस्तेमाल किया है। यह कार्रवाई नपी-तुली और जिम्मेदारीपूर्ण है। आतंकवाद के इन्फ्रास्ट्रक्चर को खत्म करने और आतंकियों को अक्षम बनाने पर केंद्रित है। आतंकवाद के इस निंदनीय कार्य के आपराधियों को जवाबदेह ठहराने की आवश्यकता यूएन ने भी जताई थी। पिछले 10 साल में 600 जवान शहीद हुए, 350 नागरिक घायल पिछले एक दशक में 350 से ज्यादा भारतीय नागरिक सीमा पार से प्रेरित

आतंकवाद का शिकार हो चुके हैं। 800 से ज्यादा लोग इन नृशंस हिंसक कृत्यों में घायल हुए हैं। इस दौरान 600 से जयादा जवानों ने देश की रक्षा करते हुए अपनी जान गंवाई है, जबकि 1400 से ज्यादा सुरक्षा कर्मी घायल हुए हैं। कर्नल सोफिया कुरैशी ने कहा कि रात एक बजकर पांच मिनट से एक बजकर 30 मिनट के बीच ऑपरेशन हुआ। पहलगाम में निर्दयता से जिन निर्दोष पर्यटकों को मारा गया, उसके लिए यह ऑपरेशन किया गया था। पाकिस्तान में 3 दशकों से आतंकवादियों का निर्माण हो रहा है। हमले के बाद भी यह सामने आया है। हमने पाकिस्तान और पीओके में 9 टारगेट को चुना था और इन्हें हमने तबाह कर दिया। यहां पर लॉन्चपैड, ट्रेनिंग सेंटर्स टारगेट किए गए। हमने विश्वसनीय सूचनाओं और इंटेलिजेंस के आधार पर इन लक्ष्यों को चुना। ऑपरेशन के दौरान हमने यह तय किया कि बेगुनाह लोगों और सिविलियंस इन्फ्रास्ट्रक्चर को नुकसान न पहुंचे। पीओके में सबसे पहले सवाई नाला मुजफ्फराबाद में था, यह लश्कर का ट्रेनिंग सेंटर था। सोनमर्ग, गुलमर्ग और पहलगाम हमले के आतंकियों ने यहीं ट्रेनिंग ली थी। मुजफ्फराबाद के ही सैयदना बिलाल कैंप में आतंकियों को हथियार, विस्फोटक और जंगल सर्वाइवल की ट्रेनिंग दी जाती थी। गुरपुर के कोटली में लश्कर का कैंप था, यहां पुंछ में 2023 में श्रद्धालुओं पर हुए हमले के आतंकी ट्रेंड हुए थे। पाकिस्तान में हमारा पहला टारगेट सियालकोट का सरजल कैंप था। मार्च 2025 में पुलिस जवानों की हत्या करने वाले आतंकवादियों को यहीं ट्रेन दी गई थी। सियालकोट के महमूना जाया कैंप में हिजबुल का बहुत बड़ा कैंप था। यह कठुआ में आतंकवाद का नियंत्रण केंद्र था। पठानकोट हमला यहीं से प्लान किया गया। मरकद तैयबा मुरीदके में टेररिस्ट कैंप है। अजमल कसाब और डेविड कोलमैन हेडली यहीं ट्रेन हुए थे। मरकज सुभानअल्लाह भावलपुर जैश का हेडक्वार्टर था। यहां आतंकवादियों का रिक्रूटमेंट होता था, उन्हें ट्रेनिंग दी जाती थी। जैश के बड़े अफसर यहां आते थे। किसी तरह की नागरिक क्षति की रिपोर्ट नहीं है, हमने रिहायशी इलाकों को निशाना नहीं पहुंचाया है। मीडिया रिपोर्टस के मुताबिक मुजफ्फराबाद, बहावलपुर, मुरीदके समेत कुल 7 शहरों के 9 ठिकानों पर एयर स्ट्राइक की गई। इनमें जैश-ए-मोहम्मद के 4, लश्कर-ए-तैयबा के 3 और हिजबुल मुजाहिदीन के 2 ठिकाने शामिल हैं।

देश के अधिकांश बड़े एयरपोर्ट बंद, 10 मई तक नहीं उड़ेंगे यात्री विमान

नई दिल्ली। ऑपरेशन सिंदूर के तहत आतंकियों के खिलाफ हुई सैन्य कार्रवाई के बाद केंद्र सरकार ने सुरक्षा के मद्देनजर कई जरुरी कदम उठाए है। देश के अधिकांश बड़े एयरपोर्ट 10 मई तक के लिए बंद कर दिए गए हैं, अब इन एयरपोर्ट से केवल सेना के विमान ही उड़ेंगे। खबर लिखे जाने तक 11 एयरपोर्ट बंद किए गए थे इसके बाद अन्य को भी बंद किए जाने की संभावना है। सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए भुज, श्रीनगर, जामनगर, लेह, अमृतसर, चंडीगढ़ और धर्मशाला सहित 11 एयरपोर्ट बंद किए गए है। भारत पाक सीमा से करीब 250 किमी दूर चंडीगढ़ एयरपोर्ट में किसी भी यात्री को एयरपोर्ट जाने की इजाजत नहीं है। केवल एयरपोर्ट स्टाफ ही आईडी कार्ड दिखाकर एंट्री कर सकता है। पंजाब पुलिस ने पूरी तरह से एयरपोर्ट से 1 किलोमीटर दूर नाकेबंदी कर दी है। वहीं, एयरपोर्ट पर यात्रियों की फ्लाइट कैंसिल की गई है। चंडीगढ़ से मुंबई यात्रा करने वाले एक यात्री ने बातचीत की और बताया कि फ्लाइट कैंसिल हो गई है, लेकिन एयरलाइंस ने दिल्ली से हमारी फ्लाइट मुंबई की करवा दी है। उन्होंने कहा कि चंडीगढ़ एयरपोर्ट पर टैक्सी चालक भारी भरकम किराया वसूल कर रहे हैं। यात्रियों ने कहा कि इस पर प्रशासन को ध्यान देना चाहिए और लगाम लगनी चाहिए। यात्रियों ने कहा कि हम पूरी तरह से देश हैं और सरकार के साथ खड़े हैं। भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव के चलते उत्तर भारत में अब तक हिमाचाल प्रदेश के धर्मशाला का गग्गर एयरपोर्ट, चंडीगढ़, अमृतसर, श्रीनगर और लेह एयरपोर्ट को बंद कर दिया गया है। ऐसे में हवाई सेवाएं प्रदान करने वाली कंपनियों ने अपनी यात्रियों को एडवायजरी जारी की है।

ऑपरेशन सिंदूर: सेना और सरकार ने किए कई खुलासे

नई दिल्ली। पहलगाम में हुए आतंकी हमले का बदला भारत ने ले लिया है। सौ से अधिक आतंकियों को ऑपरेशन सिंदूर के तहत ढेर कर दिया गया है। विदेश सचिव विक्रम मिसरी और दो सैन्य महिला अधिकारियों ने इस अटैक की पूरी डिटेल देते हुए कहा कि भारत ने पहलगाम आतंकी हमले का बदला ले लिया है। विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने कहा कि पहलगाम आतंकी हमला 2008 में मुंबई अटैक के बाद सबसे बड़ा था, जिसमें इतनी बड़ी संख्या में आम नागरिक मारे गए। उन्होंने कहा कि यह हमला लश्कर-ए-तैयबा ने कराया था, जो पाकिस्तान से संचालित है। उन्होंने कहा कि इस हमले की जिम्मेदारी द रेजिस्टेंस फोर्स ने ली थी, जो लश्कर-ए-तैयबा का ही एक संगठन है। विदेश सचिव ने कहा कि यह संगठन मुखौटा ग्रुप है, जो लश्कर और जैश-ए-मोहम्मद जैसे समूहों की आतंकी हरकतों को ही अंजाम देता है। ऐसी स्थिति में भारत ने सीमा पार आतंकी हमलों को रोकने, उन्हें

जवाब देने के लिए ऐक्शन लिया है। हमने नपी-तुली कार्रवाई की है। आतंकी ठिकानों को ही हमने टारगेट किया है। उन्होंने कहा कि हमने पहले भी पाकिस्तान को बताया था कि उसकी जमीन से लश्कर और जैश के आतंकी ठिकाने चल रहे हैं। इसके बाद भी पाकिस्तान ने उन पर कोई ऐक्शन नहीं लिया। ऐसी स्थिति में यह हमारा अधिकार था कि अपने खिलाफ होने वाली आतंकी साजिशों को खत्म किया जाए।भारत सरकार ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के बयान से इस संगठन का जिक्र हटवाने के लिए पाकिस्तान ने पूरा जोर लगा दिया। इससे साबित होता है कि पाकिस्तान का लिंक इस संगठन से था और उसकी ही शह पर यह हमला हुआ। विक्रम मिसरी ने कहा कि पाकिस्तान दुनिया भर में आतंकवाद की शरण स्थली के तौर पर पहचान बना चुका है। विक्रम मिसरी ने कहा कि भारत सरकार ने 23 अप्रैल को ही सिंधु जल समझौते को रोकने जैसे कई सख्त कदम उठाए थे। इसके बाद भी पाकिस्तान ने आतंकियों के खिलाफ कोई ऐक्शन नहीं लिया और वह उलटे भारत पर ही आरोप लगाता रहा।

भारत ने किया पाकिस्तान का पानी बंद, खरीफ फसलों को होगा नुकसान

चिनाब नदी का जल स्तर 22 फीट से घटकर 15 फीट पर आया

नई दिल्ली,। पहलगाम हमले के बाद पाकिस्तान की मुसीबत कम नहीं हो रही है भारत आए दिन उस पर पानी से लेकर डाक भेजने तक बैन लगा रहा है जिससे पाकिस्तान बौखलाया हुआ है और उसके नेता गिदड़भभकी दे रहे हैं। भारत ने सिंधु जल संधि तोड़ने का फैसला पाकिस्तान को बड़ा नुकसान पहुंचा सकता है। आशंका जताई जा रही हैं कि इसका बड़ा असर पाकिस्तानी में बोई जाने वाली खरीफ सीजन में पड़ेगा पानी नहीं मिलने से फसलें सूख जाएंगी, जिससे लोगों को पानी के साथ खाने के लिए परेशान होना पड़ सकता है। पाकिस्तान में पानी की 20 फीसदी से ज्यादा की कमी हो सकती है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक इंडस रिवर सिस्टम अथॉरिटी की एडवाइजरी कमेटी ने शुरूआती खरीफ सीजन में पाकिस्तान में पानी की 21 फीसदी कमी होने की आशंका जताई है। इसकी वजह चिनाब नदी के पानी में अचानक कमी आना है। इसके अलावा भारत ने चिनाब नदी पर सलाल और बगलीहार डैम के गेट बंद कर दिए हैं, जिसके चलते जलस्तर काफी कम हो गया और पाकिस्तान जाने वाला पानी के बहाव पर असर पड़ा है। अब खबरें ये भी सामने आ रही है कि केंद्र सरकार पाकिस्तान के खिलाफ किशनगंगा बांध पर भी इसी तरह का कदम उठा सकता है। आईआरएसए की सलाहकार समिति की बैठक हुई

थी। उस दौरान मई से लेकर सितंबर 2025 तक खरीफ सीजन की तैयारी को लेकर चर्चाएं की गई। रिपोर्ट्स के मुताबिग आईआरएसए ने कहा कि सिंधु नदी सलाहकार समिति ने खरीफ के शुरूआती सीजन के महीने मई-10 जून और खरीफ के अंत 11 जून-सितंबर में जल की स्थिति की समीक्षा की है, जिसमें कहा गया है, इस बात पर चिंता जताई जा रही है कि मराला में भारत की तरफ से सप्लाई रोके जाने के बादचिनाब नदी में बहाव में अचानक कमी आने के चलते शुरूआती खरीफ सीजन में पानी की ज्यादा कमी हो सकती है। समिति ने चिनाब नदी में जल आपूर्ति सामान्य रहने की स्थिति में शुरूआती खरीफ सीजन के दौरान कुल 21 फीसदी कमी की घोषणा की है। स्थिति की समीक्षा की जा रही है। अगर चिनाब नदी में पानी ऐसे ही घटता रहा तो कमी में और इजाफा होगा। बगलीहार और सलाल बांध में गेट बंद किए जाने से अखनूर में जलस्तर में काफी कमी आ गई है, जिससे लोगों में पानी के लिए हाहाकार मच सकता है। भारत द्वारा जम्मू-कश्मीर में चिनाब नदी पर बने सियाल और बगलिहार बांधों के गेट बंद करने से पाकिस्तान में जल संकट पैदा हो गया है। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में स्थित 24 प्रमुख शहरों में पानी की भारी किल्लत का खतरा मंडरा रहा है, जिससे करीब 3 करोड़ लोग प्रभावित हो सकते हैं। मीडिया रिपोर्ट में पाकिस्तानी अधिकारियों ने बताया कि चिनाब नदी का जल स्तर 22 फीट से घटकर 15 फीट रह गया है और यदि यही स्थिति रही तो 4 दिनों में पीने के पानी का संकट गहरा सकता है। फैसलाबाद और हाफिजाबाद जैसे शहरों में करीब 80 फीसदी आबादी चिनाब के पानी पर ही निर्भर है। सिंधु जल प्राधिकरण ने चेतावनी दी है कि भारत के इस कदम से पाकिस्तान में खरीफ की फसलों को मिलने वाले पानी में 21 फीसदी की कटौती हो सकती है। इस मुद्दे पर पाकिस्तान की संसद में तीखी प्रतिक्रियाएं देखने को मिली हैं। कई सांसदों ने इसे जल-आधारित युद्ध छेड़ने की कार्रवाई बताया है। सोमवार को रियासी जिले में स्थित सलाल डैम के गेट भी बंद कर दिए गए।

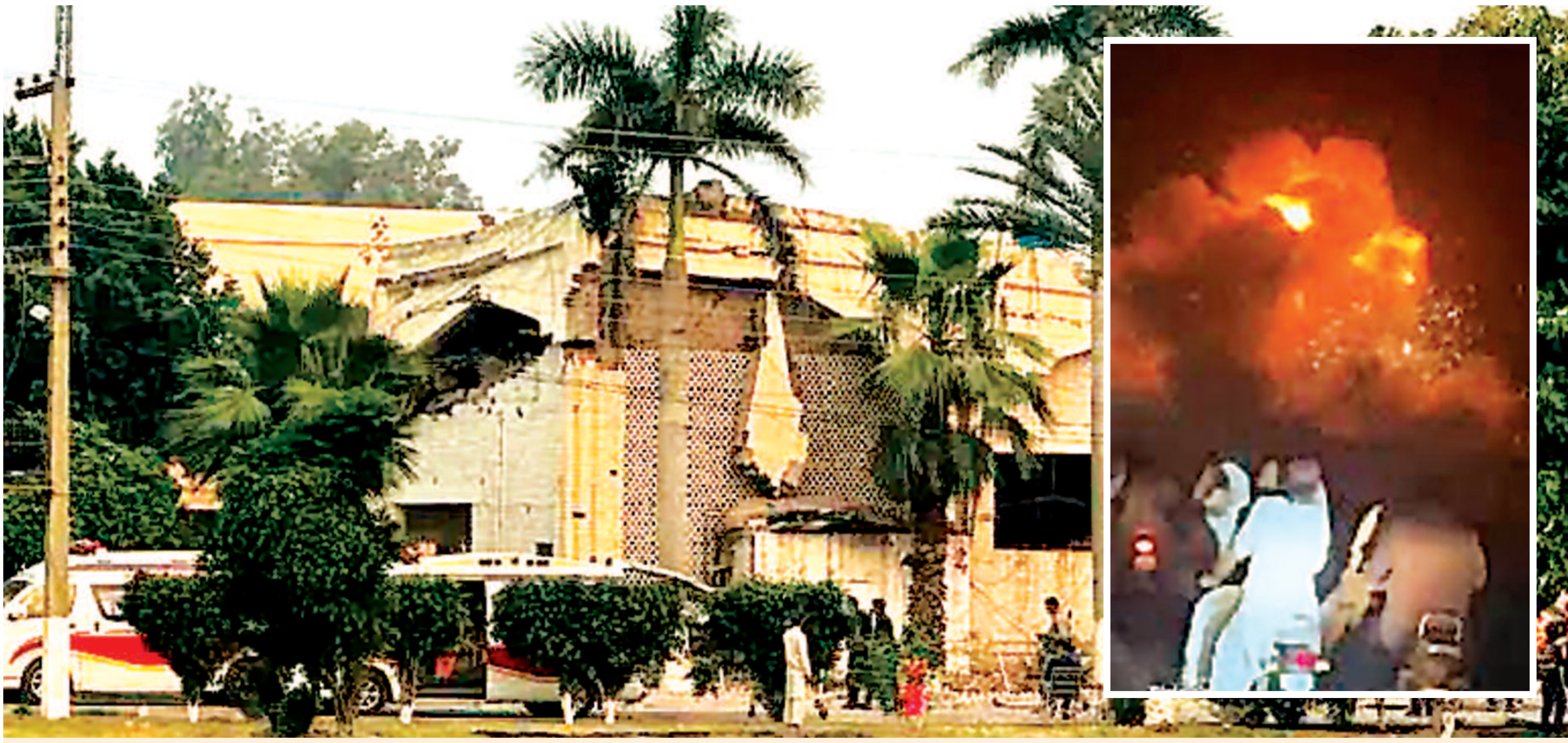

ऑपरेशन सिंदूरः आतंकी नेटवर्क के 9 ठिकानों को कैसे किया गया तबाह

ब्यूरो

ऑपरेशन सिंदूर को लेकर भारत सरकार की ओर से कर्नल सोफिया कुरैशी ने मीडिया ब्रीफिंग में बुधवार को कई खास बातें कहीं। लेकिन पूरा ऑपरेशन कैसे हुआ, उसकी उन्होंने कुछ जानकारियां मीडिया को दीं। लेकिन खुफिया सूत्र इस ऑपरेशन के बारे में और भी विस्तार से बता रहे हैं। बात शुरू करते हैं कर्नल सोफिया कुरैशी से। कर्नल सोफिया कुरैशी ने बताया कि कैसे भारतीय सशस्त्र बलों ने गुलपुर आतंकी शिविर, कोटली को निशाना बनाया, जो एलओसी से 30 किलोमीटर दूर स्थित था और लश्कर-ए-तैबा का अड्डा था। यह शिविर राजौरी-पुंछ क्षेत्र में सक्रिय था। पुंछ में 20 अप्रैल, 2023 को हुए हमले और 9 जून, 2024 को तीर्थयात्रियों की बस पर हुए हमले में शामिल आतंकवादियों को इसी शिविर में प्रशिक्षित किया गया था। कर्नल सोफिया कुरैशी ने बताया, "पहलगाम आतंकी हमले के पीड़ितों को न्याय दिलाने के लिए ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया गया था। नौ आतंकी शिविरों को निशाना बनाया गया और उन्हें नष्ट कर दिया गया। उन्होंने बताया कि भारत ने किसी भी पाकिस्तानी सैन्य ठिकानों पर हमला नहीं किया, सिर्फ आतंकियों के ठिकानों पर हमला किया गया। 'ऑपरेशन सिन्दूर' के तहत पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में ज्यादातर ठिकाने थे। भारत ने स्पष्ट किया है कि इन हमलों में कार्रवाई पूरी तरह आतंकवादी ढांचे पर केंद्रित थी। इन नौ ठिकानों का इस्तेमाल विभिन्न आतंकवादी गतिविधियों के लिए किया जाता था, जिनका विवरण इस प्रकार है-

मरकज़ सुब्हान अल्लाह, बहावलपुर (पंजाब, पाकिस्तान) : यह जैश-ए-मोहम्मद का मुख्यालय है, जिसे आतंकी सरगना मसूद अजहर संचालित करता है। इस ठिकाने का इस्तेमाल आतंकियों की भर्ती, प्रशिक्षण और हमलों की योजना बनाने के लिए किया जाता था। 2019 के पुलवामा हमले सहित कई बड़े आतंकी हमलों की साजिश यहीं रची गई थी। यहाँ जिहादी मदरसों के माध्यम से युवाओं को कट्टरपंथी विचारधारा सिखाई जाती थी।

मरकज़ तैय्यबा, मुरीदके (पंजाब, पाकिस्तान) : लश्कर-ए-तैबा का यह मुख्यालय हाफिज सईद द्वारा संचालित है। इस परिसर का उपयोग आतंकियों को सैन्य प्रशिक्षण देने, हथियारों का भंडारण करने और भारत में हमलों की योजना बनाने के लिए किया जाता था। 2008 के मुंबई हमले (26/11) की साजिश भी यहीं तैयार की गई थी। यह ठिकाना जिहादी प्रचार और भर्ती का प्रमुख केंद्र रहा है।

कोटली : कोटली में स्थित आतंकी शिविर का इस्तेमाल लश्कर-ए-तैबा और हिज्बुल मुजाहिदीन द्वारा भारत में घुसपैठ के लिए आतंकियों को प्रशिक्षित करने के लिए किया जाता था। यहाँ से आतंकी जम्मू-कश्मीर में हमलों के लिए हथियार और विस्फोटक तस्करी की योजना बनाते थे।

मुजफ्फराबाद : यहां दो ठिकानों को निशाना बनाया गया, जो लश्कर-ए-तैबा और जैश-ए-मोहम्मद के प्रशिक्षण शिविरों के रूप में उपयोग किए जाते थे। इन शिविरों में आतंकियों को हथियार चलाने, विस्फोटक बनाने और गुरिल्ला युद्ध की ट्रेनिंग दी जाती थी। यहाँ से पहलगाम जैसे हमलों की साजिश रची गई थी।

चक अमरू (पंजाब, पाकिस्तान) : यह ठिकाना जैश-ए-मोहम्मद के लिए एक लॉजिस्टिक्स हब के रूप में काम करता था, जहाँ हथियारों और विस्फोटकों का भंडारण किया जाता था। यहाँ से आतंकी समूह भारत में हमलों के लिए सामग्री की आपूर्ति करते थे।

भिम्बर : भिम्बर में स्थित शिविर का उपयोग हिजबुल मुजाहिदीन और अन्य आतंकी समूहों द्वारा भारत में घुसपैठ और हमलों की योजना बनाने के लिए किया जाता था। यह ठिकाना सीमा पार आतंकवाद के लिए एक प्रमुख लॉन्च पैड था।

गुलपुर : गुलपुर में आतंकी शिविर का इस्तेमाल आतंकियों को गुरिल्ला युद्ध और विस्फोटक हमलों की ट्रेनिंग देने के लिए किया जाता था। यहाँ से जम्मू-कश्मीर में आतंकी गतिविधियों को अंजाम देने के लिए निर्देश दिए जाते थे।

सियालकोट (पंजाब, पाकिस्तान) : सियालकोट में एक आतंकी ठिकाने को निशाना बनाया गया, जो लश्कर-ए-तैयबा के लिए हथियारों और धन की तस्करी का केंद्र था। यहाँ से भारत में आतंकी गतिविधियों के लिए फंडिंग और लॉजिस्टिक्स सपोर्ट प्रदान किया जाता था।

मुजफ्फराबाद (दूसरा ठिकाना): मुजफ्फराबाद का दूसरा ठिकाना जैश-ए-मोहम्मद और अन्य आतंकी समूहों के लिए एक कमांड सेंटर के रूप में काम करता था। यहाँ से आतंकी हमलों की रणनीति तैयार की जाती थी और भारत में सक्रिय आतंकियों को निर्देश दिए जाते थे।

आतंकी गतिविधियों का स्वरूप : ये नौ ठिकाने आतंकी संगठनों जैसे जैश-ए-मोहम्मद, लश्कर-ए-तैबा और हिजबुल मुजाहिदीन के लिए बहुआयामी गतिविधियों के केंद्र थे। इनका इस्तेमाल इन गतिविधियों के लिए किया जाता था।

आतंकियों की भर्ती और प्रशिक्षण : युवाओं को कट्टरपंथी विचारधारा के साथ सैन्य प्रशिक्षण दिया जाता था।

हमलों की योजना: पहलगाम, पुलवामा और मुंबई जैसे बड़े हमलों की साजिश इन ठिकानों से रची गई।

हथियार और विस्फोटक आपूर्ति : भारत में आतंकी गतिविधियों के लिए हथियार, विस्फोटक और लॉजिस्टिक्स सपोर्ट प्रदान किया जाता था।

घुसपैठ और सीमा पार आतंकवाद : जम्मू-कश्मीर में आतंकियों की घुसपैठ और हमलों के लिए लॉन्च पैड के रूप में उपयोग।

फंडिंग और प्रचार : आतंकी गतिविधियों के लिए धन जुटाने और जिहादी प्रचार के लिए मदरसों और अन्य सुविधाओं का उपयोग।

पाकिस्तानी सैन्य ठिकानों से दूरी : भारत ने अपनी कार्रवाई में अत्यधिक संयम बरता और स्पष्ट किया कि किसी भी पाकिस्तानी सैन्य ठिकाने को निशाना नहीं बनाया गया। रक्षा मंत्रालय के बयान में कहा गया, हमारी कार्रवाई केंद्रित, संयमित और गैर-उत्तेजक थी। कोई भी पाकिस्तानी सैन्य सुविधा निशाना नहीं बनी। भारत ने लक्ष्यों के चयन और कार्रवाई के तरीके में काफी संयम दिखाया है। यह कदम भारत की नीति को दर्शाता है कि वह आतंकवाद के खिलाफ सख्त कार्रवाई करेगा, लेकिन अनावश्यक सैन्य टकराव से बचना चाहता है।

ऑपरेशन की तकनीक और रणनीति : भारतीय सेना, नौसेना और वायुसेना ने संयुक्त रूप से इस ऑपरेशन को अंजाम दिया, जिसमें स्कैल्प क्रूज मिसाइल, हैमर स्मार्ट बम और लॉइटरिंग म्यूनिशन्स जैसे अत्याधुनिक हथियारों का उपयोग किया गया। हमलों के लिए सटीक निर्देशांक भारतीय खुफिया एजेंसी रॉ द्वारा प्रदान किए गए थे। भारतीय बलों ने केवल भारतीय क्षेत्र से ही हमले किए, जिससे यह सुनिश्चित हुआ कि कार्रवाई अंतरराष्ट्रीय नियमों के अनुरूप हो। ऑपरेशन सिन्दूर के तहत निशाना बनाए गए नौ ठिकाने आतंकवाद के लिए एक सुनियोजित नेटवर्क का हिस्सा थे, जो भारत के खिलाफ हमलों की साजिश रचते थे। भारत की इस कार्रवाई ने आतंकवाद के खिलाफ उसकी जीरो टॉलरेंस नीति को फिर से रेखांकित किया है। साथ ही, पाकिस्तानी सैन्य ठिकानों को निशाना न बनाकर भारत ने वैश्विक समुदाय को यह संदेश दिया कि उसका उद्देश्य केवल आतंकवाद को खत्म करना है, न कि युद्ध को बढ़ावा देना।

क्या है 'आत्मघाती ड्रोन्स', जिसने बाज की तरह झपटकर भारत के दुश्मनों का किया सफाया

भारत ने बुधवार पहलगाम आतंकी हमले का बदला लेते हुए ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान के नौ आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया। ऑपरेशन सिंदूर के तहत भारत ने लोइटरिंग म्यूनिशन या आत्मघाती ड्रोन्स का इस्तेमाल किया। भारतीय सेना, वायुसेना और नौसेना ने समन्वय तरीके से काम करते हुए पूरी सटीकता से आतंकी ठिकानों पर हमला किया। हमले के लिए भारतीय खुफिया एजेंसियों ने आतंकी ठिकानों की सूचना दी। इस पूरी कार्रवाई को भारतीय सीमा से ही अंजाम दिया गया।

क्या हैं आत्मघाती ड्रोन्स? : लोइटरिंग म्यूनिशन को आत्मघाती या कामीकेज ड्रोन्स भी कहा जाता है। ये अनमैन्ड एरियल हथियार हैं। इनकी खासियत ये है कि ये अपने टारगेट के ऊपर आसमान में मंडराते रहते हैं और कमांड मिलते ही दुश्मन के ठिकाने को तबाह कर देते हैं। ये अपनी सटीकता के लिए जाने जाते हैं। आत्मघाती ड्रोन्स का साइज, पेलोड और वारहेड अलग-अलग हो सकते हैं। लोइटरिंग म्यूनिशन एक ही बार के लिए इस्तेमाल होते हैं क्योंकि ये अपने टारगेट के साथ ही फटकर तबाह हो जाते हैं। आत्मघाती ड्रोन्स का इस्तेमाल पहली बार साल 1980 में हुआ था, लेकिन 1990 और 2000 के दशक में इनका इस्तेमाल बढ़ा। यमन, इराक, सीरिया और यूक्रेन की लड़ाई में इन ड्रोन्स का इस्तेमाल खूब हुआ है। साल 2021 में व्यापारिक जहाजों को भी आत्मघाती ड्रोन्स से निशाना बनाया जा रहा है। ऑपरेशन सिंदूर के तहत भारत ने पाकिस्तान में नौ आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया है, जिनमें बहावलपुर में जैश ए मोहम्मद के ठिकाने, मुरीदके में लश्कर ए तैयबा के ठिकाने और चक अमरू, सियालकोट, भीमबेर, गुलपुर, कोटली, बाघ और मुजफ्फराबाद के इलाके शामिल हैं। इस दौरान पाकिस्तानी सैन्य ठिकानों पर कोई हमला नहीं किया गया है। रक्षा मंत्रालय ने बुधवार तड़के 1.44 बजे ऑपरेशन सिंदूर की जानकारी दी।

क्यों जरूरी थी यह कार्रवाई? : 22 अप्रैल 2025 को कश्मीर के पहलगाम में पर्यटकों पर आतंकी हमला हुआ। उसमें 25 पर्यटकों और एक नेपाली नागरिक की जान गई थी। इसके बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्पष्ट कर दिया था कि भारत इसका जवाब देगा। इसके बाद 29 अप्रैल को सेना के तीनों प्रमुखों, सीडीएस और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार समेत वरिष्ठ मंत्रियों के साथ हुई बैठक में भी प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत का जवाब किस तरह होगा और कब होगा, यह तय करने के लिए सेना को खुली छूट दी गई है। इसके बाद यह तय हो गया था कि भारत जल्द कार्रवाई करेगा।

जैश प्रमुख मसूद अज़हर के परिवार के 10 लोग और 4 सहयोगी मारे गए

ब्यूरो

बीबीसी और ब्लूमबर्ग के मुताबिक मौलाना मसूद अज़हर के परिवार के 10 लोग और 4 सहयोगी मारे गए हैं। यह दावा उसने खुद किया है। लेकिन इस दावे की पुष्टि होना बाकी है। मोस्ट वॉन्टेड आतंकी मसूद अज़हर जैश ए मोहम्मद का प्रमुख है। भारत ने पीओके और अन्य जगहों पर जिस 'ऑपरेशन सिंदूर' को अंजाम दिया है, उसमें जैश-ए-मोहम्मद (खीट) के सरगना मसूद अज़हर के परिवार के 10 सदस्यों और 4 करीबी सहयोगियों के मारे जाने की खबर है, हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि अभी बाकी है। बीबीसी और ब्लूमबर्ग ने यह खबर दी है। जिसमें ऐसा दावा खुद मसूद अज़हर ने किया है। मसूद अज़हर वही मोस्ट वॉन्टेड आतंकी है, जिसे अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार के समय एक फ्लाइट का अपहरण कर आतंकियों ने भारत की कैद से छुड़ाया था। भारत ने इस आतंकी को कंधार (अफगानिस्तान) में आतंकियों के हवाले किया था। बीबीसी के मुताबिक बहावलपुर में मसूद अजहर से जुड़े एक मदरसे पर सटीक मिसाइल हमला किया गया, जो जैश-ए-मोहम्मद का प्रमुख केंद्र माना जाता है। इस हमले में मसूद अज़हर की बड़ी बहन और अन्य परिवार के सदस्यों सहित उनके करीबी सहयोगियों के मारे जाने की खबर है। हालांकि, मसूद अजहर की स्थिति के बारे में अभी तक कोई स्पष्ट जानकारी नहीं मिली है। बीबीसी उर्दू की रिपोर्ट के मुताबिक भारत ने मंगलवार-बुधवार रात 1.05 बजे पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में जैश, लश्कर-ए-तैबा और हिजबुल मुजाहिदीन से जुड़े नौ आतंकी शिविरों पर हमला किया। इसी हमले में मसूद अज़हर का मदरसा भी निशाना बना। बीबीसी उर्दू ने जैश-ए-मोहम्मद प्रमुख के बयान का हवाला देते हुए बताया कि मारे गए लोगों में अजहर की बड़ी बहन और उसका पति, उसका भतीजा और उसकी पत्नी, एक और भतीजी और उसके परिवार के पांच बच्चे शामिल हैं। बयान में कहा गया है कि अज़हर का एक करीबी सहयोगी और उसकी मां तथा दो अन्य करीबी सहयोगी भी भारतीय हमलों में मारे गए। बहावलपुर पाकिस्तान का 12वां सबसे बड़ा शहर है और लाहौर से 400 किलोमीटर दूर स्थित है। वहां के वीडियो से पता चलता है कि मस्जिद वाला सुभान अल्लाह कैंप मलबे में तब्दील हो गया है। सुभान अल्लाह कैंप के अंदर मस्जिद के अवशेष बड़े-बड़े गड्ढे और हर जगह मलबा है। 18 एकड़ में फैले इस कैंप को उस्मान-ओ-अली कैंपस के नाम से भी जाना जाता है, जो जैश-ए-मोहम्मद की भर्ती, धन उगाहने और कट्टरपंथियों को भड़काने का केंद्र है। हमलों में मुरीदके में एक और मस्जिद - मस्जिद वा मरकज तैबा भी शामिल है - जो जैश-ए-मोहम्मद का एक और गढ़ है। भारतीय हमलों में बहावलपुर और मुरीदके में लगभग 30 आतंकवादी मारे गए। जबकि अधिकारी अभी भी अन्य स्थानों पर मारे गए आतंकवादियों की संख्या की पुष्टि कर रहे हैं, बताया जाता है कि 70 से 80 के बीच आतंकवादी मारे गए। विदेश सचिव विक्रम मिस्त्री ने एक प्रेस ब्रीफिंग में कहा कि पाकिस्तान आतंकवादियों के लिए सुरक्षित पनाहगाह बना हुआ है। उन्होंने कहा, "भारत ने आतंकवाद के खिलाफ अपनी प्रतिबद्धता को दोहराते हुए यह कार्रवाई की है, जो पहलगाम हमले के पीड़ितों को न्याय दिलाने के लिए थी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सेना के तीनों अंगों के प्रमुखों से बात की और ऑपरेशन की सफलता पर संतोष जताया। मसूद अजहर, जैश-ए-मोहम्मद का संस्थापक और संयुक्त राष्ट्र द्वारा नामित वैश्विक आतंकवादी, भारत में कई बड़े आतंकी हमलों का मास्टरमाइंड रहा है। इनमें 2001 का संसद हमला, 2016 का पठानकोट हमला और 2019 का पुलवामा हमला शामिल है, जिसमें 40 सीआरपीएफ जवान शहीद हुए थे। बहावलपुर में जामिया मस्जिद सुभान अल्लाह परिसर, जिसे उस्मान-ओ-अली कैंपस के नाम से भी जाना जाता है, जैश का प्रमुख भर्ती और प्रशिक्षण केंद्र है। माना जाता है कि मसूद अजहर बहावलपुर में ही रहता है और पाकिस्तानी सेना की सुरक्षा में है। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने इस हमले को "युद्ध की कार्रवाई" करार देते हुए इसे "निंदनीय" बताया।

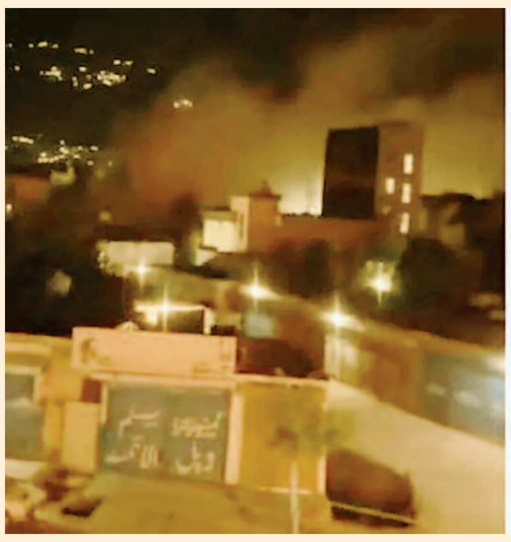

> इस हमले में मसूद अज़हर की बड़ी बहन और अन्य परिवार के सदस्यों सहित उनके करीबी सहयोगियों के मारे जाने की खबर है। हालांकि, मसूद अजहर की स्थिति के बारे में अभी तक कोई स्पष्ट जानकारी नहीं मिली है। बीबीसी उर्दू की रिपोर्ट के मुताबिक भारत ने मंगलवार-बुधवार रात 1.05 बजे पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में जैश, लश्कर-ए-तैबा और हिजबुल मुजाहिदीन से जुड़े नौ आतंकी शिविरों पर हमला किया। इसी हमले में मसूद अज़हर का मदरसा भी निशाना बना। बीबीसी उर्दू ने जैश-ए-मोहम्मद प्रमुख के बयान का हवाला देते हुए बताया कि मारे गए लोगों में अजहर की बड़ी बहन और उसका पति, उसका भतीजा और उसकी पत्नी, एक और भतीजी और उसके परिवार के पांच बच्चे शामिल हैं।

संक्षिप्त समाचार

गृहे गृहे गायत्री यज्ञ अभियान को लेकर मिजाचीकी में की गई बैठक

मंडरो: साहेबगंज शक्तिपीठ के सदस्यों व प्रखंड समन्वयक समन्वयक सुप्रिया वर्णवाल के नेतृत्व में हाट परिसर समीप मिजाचौकी दुर्गा स्थान में गृहे गृहे गायत्री यज्ञ के लिए एक विशेष बैठक की गई। बैठक में गायत्री शक्तिपीठ साहिबगंज के मुख ट्रस्टी संजीत चौधरी और हरिहर मंडल के द्वारा बताया गया की हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी अखिल विश्व गायत्री परिवार द्वारा विश्व स्तर पर एक साथ एक समय में गृहे गृहे गायत्री यज्ञ का आयोजन आगामी बुद्ध पूर्णिमा को होना निर्धारित है।12 मई 2025 को गायत्री यज्ञ का आयोजन होगा। बैठक में गृहे गृहे गायत्री यज्ञ अभियान को सफल बनाने को लेकर विचार विमर्श किया गया। मौके परइना देवी ,ललिता देवी ,सुनीता वर्नवाल। प्रियंका देवी,बिंदू कुमारी, पूजा कुमारी ,आनंदी देवी, श्यामा देवी, सरिता देवी,सुषमा देवी ,राधिका देवी विभा देवी,सियाराम मंडल समेत अन्य मौजूद थे।

अज्ञात वृद्ध व्यक्ति का शव मिर्जाचौकी रेलवे साइडिंग समीप हुआ बरामद

मंडरो: अज्ञात वृद्ध व्यक्ति का शव मिर्जाचौकी रेलवे साइडिंग के समीप अवैध देशी महुआ शराब अड्डा से रेलवे पुलिस ने बरामद किया है। वही प्रत्यक्ष दर्शियों के अनुसार वृद्ध की मौत अत्यधिक महुआ शराब पीने से हुई है। वही अभी तक शव की पहचान नहीं हो सकी है। मिली जानकारी के अनुसार रेलवे साइडिंग समीप महुआ शराब पीने के लिए लोगों की भीड़ जमा होती है। यहां रोजाना सैकड़ों लोग जमा होते हैं। कई गांवों के लोगों का आना जाना लगा रहता है। रेलवे पुलिस व क्षेत्रिय पुलिस द्वारा यहां छापेमारी अभियान चलाकर लोगों को भगाया जाता है। वही कुछ दिन के बाद फिर से यहां भीड़ जमा हो जाती है। उक्त जगह का एक और नाम ज्यादा प्रचलित है जिसका नाम है दारू गद्दी।

जागरूकता रथ को गुलाम सरवर फ्लेग ऑफ करके रवाना किया

दिव्य दिनकर संवाददाता

मांडर - रूआर कार्यक्रम के तहत विद्यालय में नामांकन के लिए एवं ठहराव के लिए जागरूकता हेतु आज प्रखंड संसाधन केंद्र मांडर से एक जागरूकता रथ निकला गया । यह रथ मांडर प्रखंड अंतर्गत सभी 19 पंचायत के सभी स्कूल के पोषक एरिया में जाकर जागरूकता फैलाने का काम करेगा, रथ के माध्यम से सभी जगह हैंड बिल एवं पोस्टर आदि लगाई जा जाएगी एवं विभिन्न प्रकार के सॉन्ग से विद्यालय से बाहर रह रहे बच्चों को जागृत किया जाएगा साथ ही सरकारी विद्यालय में दिए जाने वाले सुविधाओं के बारे में संचार के माध्यम से संबोधित किया जाएगा ।रथ को रवाना करने डीडीओ कांति तिर्की , रंजीत कुमार , सीआरपी जयंत कुमार लकड़ा बिनोद कुमार बीआरपी स्मिता सिंह मो0 मुजम्मिल एवं दर्जनो शिक्षक के अलावा मध्य विद्यालय सोसाई आश्रम मांडर स्कूल के छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

ऑपरेशन सिंदूर एयर स्ट्राइक पहलगाम में उजड़े महिलाओं के सिंदूर का बदला है- सम्पा साहा

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

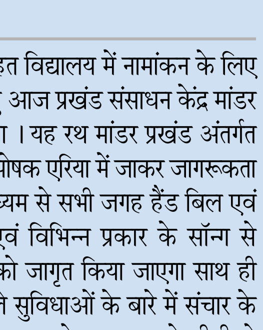

पाकुड़:बीते 22 अप्रैल को जम्मू कश्मीर के पहलगाम में पाकिस्तान के आतंकवादियों ने कश्मीर घूमने गए पर्यटकों को उनका नाम पूछ पूछ कर गोली मार दिया गया था।दर्जनों महिलाओं ने अपने ही आंख के सामने अपने माथे के सिंदूर को उजड़ते देखा है। ठीक उसी के बाद से देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने ऐलान कर दिया था कि पाकिस्तान जिस भाषा में समझता है उसे उसी भाषा में जवाब दिया जाएगा। भाजपा महिला मोर्चा प्रदेश उपाध्यक्ष सम्पा साहा ने बताया कि पहलगाम हमले के बाद ही प्रधानमंत्री ने ऐलान कर दिया इन आतंकवादियों को मिट्टी में मिला देंगे मंगलवार अर्धरात्रि भारतीय सेना द्वारा ऑपरेशन सिंदूर चलाया गया जिसमें पाकिस्तान के लगभग 100 किलोमीटर अंदर घुसकर पाकिस्तानी आतंकवादी संगठनों के कई ठिकानों पर एयर स्ट्राइक किया गया। पूरा देश ही नहीं बल्कि पूरा विश्व आज भारतीय सेना के पराक्रम की तारीफ कर रहा है। यह नया भारत है यह घर के अंदर घुसकर मारना जानता है। जिस प्रकार धर्म पूछ कर महिलाओं के माथे का सिंदूर उजाड़ा गया था आज भारतीय सेवा ने उनके घर के अंदर घुसकर ऑपरेशन सिंदूर चलाया है। आज पूरा देश खुद को गर्वान्वित महसूस कर रहा है इसके लिए मैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भारतीय सेना का आभार व्यक्त करती हूं कि देश के अंदर लोगों की भावनाओं का अपने सम्मान रखा है। यह कार्रवाई आतंकवादी गतिविधि का विरुद्ध निर्णायक संदेश है ऐसे जवाबी कार्रवाइयों से देश विरोधी गतिविधियों का मनोबल टूटेगा।

पालोजोरी थाना अंतर्गत सार्वजनिक स्थानों पर चलाय गया छापेमारी अभियान.

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

राष्ट्रीय तम्बाकू नियंत्रण कार्यक्रम देवघर जिलान्तर्गत कोटपा अधिनियम 2003 की धारा को लागु करने हेतु, सिविल सर्जन देवघर डॉ०युगल किशोर चौधरी एवं डॉ० मनोज कुमार गुप्ता, जिला कुष्ठ निवारण पदाधिकारी-सह- नोडल पदाधिकारी एन०सी०डी० कोषांग देवघर के निदेर्शानुसार, राष्ट्रीय तम्बाकू नियंत्रण कार्यक्रम में कोटपा-2003 के अधिनियम, तम्बाकू एवं उनके उत्पाद की सार्वजनिक स्थानो पर धड़ल्ले से बिक्री को नियंत्रित करने के लिए स्वास्थ विभाग के एन०टी०सी०पी०(राष्ट्रीय तम्बाकू नियंत्रण कार्यक्रम) देवघर से अभिमन्यु दांगी जिला सलाहकार एवं पालोजोरी थाना के पुलिस अवर निरीक्षक देवेंद्र कुमार सिंह के द्वारा सयुक्त रूप से चलाया अभियान । तम्बाकू उत्पादकों को लेकर बने कोटपा-2003 अधिनियम के विभिन्न धाराओं को प्रभावी रूप से अनुपालन करने के लिए पालोजोरी बाजार, चौक चोराहा एवं अन्य विभिन्न सार्वजनिक स्थानों पर कोटपा-2003 कानून का उल्लंघन करने वाले दुकानदारों के विरुद्ध छापामारी की गई । इस दौरान 6 दुकानदारों से 800 रूपया जुमार्ना वसूला गया । जिसकी जानकारी देते हुए पालोजोरी थाना के पुलिस अवर निरीक्षक देवेंद्र कुमार सिंह एवं जिला परामर्शी अभिमन्यु कुमार दांगी ने बताया कि तम्बाकू उत्पाद बेचने वाले दुकानदार अपने दुकानों पर सिगरेट के विज्ञापन वाले पोस्टर लगा कर प्रचार- प्रसार करना धारा 5 उल्लंघन करना है, बिना चेतावनी फोटो वाले तम्बाकू उत्पाद की बिक्री करना धारा 7 उल्लंघन करना है, साथ ही ये भी देखा गया की स्कूल परिसर से एक सौ गज की दुरी पर किसी भी प्रकार के नशीली पदार्थ की बिक्री करना मना है जो की अधिनियम कोटपाझ2003 की धाराओ का सीधे उल्लंघन करना है आज छापेमारी के दौरान कई दुकानों से विज्ञापन वाले पोस्टर को हटाते हुए सुझाव दिया गया कि भविष्य में ऐसी गलती ना करें ।

डिवाइन पब्लिक स्कूल देवघर में निःशुल्क नेत्र जांच शिविर का आयोजन

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

डिवाइन पब्लिक स्कूल देवघर में निःशुल्क नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया गया। यह आयोजन विशेष तौर पर विद्यालय की सचिव सह प्रधानाध्यापिका ममता किरण के जन्मदिवस के शुभ अवसर पर कराया गया जिससे बच्चों को इसका निःशुल्क लाभ प्राप्त हो सके। शिविर के माध्यम से बच्चों के आंखों की जांच देवघर के सत्संग चौक स्थित आई केयर ऑप्टिकल्स के द्वारा किया गया। जिसमें नेत्र विशेषक (ओप्टोमेट्रस्ट) मिशा के साथ सहयोगी मनमित व उनके टीम का सहयोग रहा। इस जांच शिविर के दौरान कक्षा 6 से 10 तक के कुल 166 बच्चों के नेत्रों की जाँच की गई। जांच में पता चला की कुल 43 बच्चों में आंखों से जुड़ी कई तरह की समस्याएं थी। जिन बच्चों में समस्याएं पाई गई उनके माता-पिता को तुरंत सूचित किया गया और उनसे आग्रह किया गया कि वह अपने बच्चों के आंखों के स्वास्थ्य को प्राथमिकता दें और उचित चिकित्सा सहायता लें। प्रधानाध्यापिका ममता किरण ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा की आंख हमारे लिए कितना महत्वपूर्ण है इसकी देखभाल में हमेशा सचेत एवं सजग रहना चाहिए शरीर के बाहर एवं आंतरिक विकार दिखाई देते हैं या महसूस किए जा सकते हैं पर आंखों की समस्याएं अक्सर धीरे-धीरे आती है व उन्हें महसूस करना मुश्कल होता है जो कि समय के साथ बढ़ जाने के बाद ही पता चलता है अतः समय-समय पर अपने आंखों की जांच करा लेनी चाहिए। ममता किरण ने कार्यक्रम को सफलतापूर्वक सम्पन्न कराने के लिए सभी को धन्यवाद दिया।

वाद विवाद प्रतियोगिता मे अनन्या कुमारी बनी टॉपर

दिव्य दिनकर संवाददाता

रांची - आज डी.ए.वी.शिक्षा दीप कमड़े विद्यालय मे रविंद्रनाथ टैगोर जी की जयंती पर विद्यालय के शिक्षक शुभम कुमार एवं मिस साक्षी देव के निर्देशन मे बाद विवाद एवं निबंध प्रतियोगिता कक्षा 10 वीं के विद्यार्थियों के बीच संपन्न हुई जिसमे जज की भूमिका प्राचार्य अनिल कुमार रॉय ने निभाई।प्रतियोगिता की समय 1 घंटे निर्धारित कि गई।प्रतियोगिता मे प्रथम अनन्या कुमारी,द्वितीय निहारिका मिश्रा,तृतीय मानसी कच्छप एवं चतुर्थ स्नेहा कुमारी घोषित की गई। टॉपर विद्यार्थियों ने टैगोर जी के जीवन इतिहास को बतलाते हुए कहा एक महान बंगाली कवि,लेखक,चित्रकार,नाटककार एवं संगीतकार थे।उनका जन्म कलकत्ता मे 07 मई 1861, उनके पिता का नाम स्व.देवेन्द्रनाथ टैगोर,माता का नाम स्व.शारदा देवी एवं पत्नी का नाम मृणालिनी देवी था।वे प्रथम नोवेल पुरस्कार विजेता थे लोग उन्हें गुरुदेव एवं कवि गुरु के नाम से भी जानते थे।उनका निधन 07 अगस्त 1941 को हुआ था। मौके पर विशिष्ठ अतिथि के रूप मे उपस्थित विद्यालय के संस्थापिका नीलम देवी,निदेशक शिवनंदन पाठक,प्रशासनिक पदाधिकारी लालमोहन पाठक, छात्र क्लब ग्रुप के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिव किशोर शर्मा,संरक्षक धनंजय कुमार दुबे ने बच्चों को बधाई देते हुए हौसला बढ़ाया।नीलम देवी ने कहा ऐसे कार्यक्रम के आयोजन से बच्चों मे आत्मविश्वास बढ़ता है और इतिहास की जानकारी प्राप्त होती है।शिवनंदन पाठक ने कहा इतिहास के बिना हम अधूरे हैं। इतिहास की जानकारी सभी लोगों को होनी चाहिए। प्राचार्य ने धन्यवाद ज्ञापित कर करते हुए कहा अभी सभी कक्षाओं मे निःशुल्क नामांकन जारी है।

कार्यपालक पदाधिकारी जिला परिषद ने जिला परिषद की योजनाओं का किया स्थलीय निरीक्षण

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़:पाकुड़ बुधवार को कार्यपालक पदाधिकारी, जिला परिषद प्रीतिलता मुर्मू ने पाकुड़ प्रखंड अंतर्गत नरोत्तमपुर पंचायत में जिला परिषद अंतर्गत पीसीसी रोड एवं निकासी नाला का स्थलीय निरीक्षण किया और आवश्यक दिशा-निर्देश दिया।

वाद विवाद प्रतियोगिता मे अनन्या कुमारी बनी टॉपर

दिव्य दिनकर संवाददाता

रांची - आज डी.ए.वी.शिक्षा दीप कमड़े विद्यालय मे रविंद्रनाथ टैगोर जी की जयंती पर विद्यालय के शिक्षक शुभम कुमार एवं मिस साक्षी देव के निर्देशन मे बाद विवाद एवं निबंध प्रतियोगिता कक्षा 10 वीं के विद्यार्थियों के बीच संपन्न हुई जिसमे जज की भूमिका प्राचार्य अनिल कुमार रॉय ने निभाई।प्रतियोगिता की समय 1 घंटे निर्धारित कि गई।प्रतियोगिता मे प्रथम अनन्या कुमारी,द्वितीय निहारिका मिश्रा,तृतीय मानसी कच्छप एवं चतुर्थ स्नेहा कुमारी घोषित की गई। टॉपर विद्यार्थियों ने टैगोर जी के जीवन इतिहास को बतलाते हुए कहा एक महान बंगाली कवि,लेखक,चित्रकार,नाटककार एवं संगीतकार थे।उनका जन्म कलकत्ता मे 07 मई 1861, उनके पिता का नाम स्व.देवेन्द्रनाथ टैगोर,माता का नाम स्व.शारदा देवी एवं पत्नी का नाम मृणालिनी देवी था।वे प्रथम नोवेल पुरस्कार विजेता थे लोग उन्हें गुरुदेव एवं कवि गुरु के नाम से भी जानते थे।उनका निधन 07 अगस्त 1941 को हुआ था। मौके पर विशिष्ठ अतिथि के रूप मे उपस्थित विद्यालय के संस्थापिका नीलम देवी,निदेशक शिवनंदन पाठक,प्रशासनिक पदाधिकारी लालमोहन पाठक, छात्र क्लब ग्रुप के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिव किशोर शर्मा,संरक्षक धनंजय कुमार दुबे ने बच्चों को बधाई देते हुए हौसला बढ़ाया।नीलम देवी ने कहा ऐसे कार्यक्रम के आयोजन से बच्चों मे आत्मविश्वास बढ़ता है और इतिहास की जानकारी प्राप्त होती है।शिवनंदन पाठक ने कहा इतिहास के बिना हम अधूरे हैं। इतिहास की जानकारी सभी लोगों को होनी चाहिए। प्राचार्य ने धन्यवाद ज्ञापित कर करते हुए कहा अभी सभी कक्ष-ाओं मे निःशुल्क नामांकन जारी है।

डीसी की अध्यक्षता में हुई राजस्व विभाग की समीक्षात्मक बैठक

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़:पाकुड़ उपायुक्त मनीष कुमार की अध्यक्षता में राजस्व विभाग की मासिक समीक्षात्मक बैठक आहूत की गई। बैठक में जमीन का म्यूटेशन, भूमि सीमांकन, परिसोधन, ऑनलाइन लगान, भू-अधिग्रहण में प्रगति की समीक्षा की गई। समीक्षा के क्रम में लंबित म्यूटेशन के आवेदनों को लेकर उपायुक्त ने निर्देश दिया कि निर्धारित समयसीमा में ही आवेदनों का निष्पादन सुनिश्चित करें। वैसे आवेदन जो 90 दिनों से ज्यादा लंबित हैं उन्हें यथाशीघ्र निष्पादित करें। साथ ही उपायुक्त ने सभी अंचलाधिकारियों को निर्देश दिया कि सीएचसी निर्माण हेतु सम्बन्धित सीएचसी के पोषक क्षेत्राधीन स्वास्थ्य विभाग के मानक अनुरूप भूमि को चिन्हित किया जाय। बैठक में अपर समाहर्ता जेम्स सुरीन, भूमि सुधार उप समाहर्ता मनीष कुमार, अंचलाधिकारी, सीआई, हल्का कर्मचारी बैठक में उपस्थित थे।

सेना ने दिखाया, भारत सुरक्षित हाथों में है अजहर

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़ः पहलगाम में हुए आतंकी हमले के जवाब में भारतीय सेना ने मंगलवार रात बड़ी कार्रवाई करते हुए ऑपरेशन सिंदूरर के तहत पाकिस्तान में 4 और पाक अधिकृत कश्मीर (PoK) में 5 आतंकी ठिकानों पर हमला किया। इस ऑपरेशन में बड़ी संख्या में आतंकियों को ढेर कर दिया गया है। सेना की इस जवाबी कार्रवाई से देशभर में उत्साह की लहर दौड़ गई है। आमजन से लेकर युवा तक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भारतीय सेना की सराहना करते नजर आ रहे हैं। पाकुड़ में आजसू नेता अजहर इस्लाम ने इस ऑपरेशन को ऐतिहासिक बताते हुए कहा, भारत की महिलाओं का मांग का सिंदूर, भारत के सिर का ताज है। मोदी जी पहले ही कह चुके हैं कि हम किसी को छेड़ते नहीं, लेकिन अगर कोई हमें छेड़ता है तो हम उसे छोड़ते नहीं। ऑपरेशन सिंदूर आतंकवाद के खिलाफ एक निर्णायक कार्रवाई है जो विश्व शांति की दिशा में ऐतिहासिक कदम है। पूरा देश भारतीय सेना के साथ तन-मन-धन से खड़ा है। आजसू के जिलाध्यक्ष आलमगीर आलम ने कहा कि पाकिस्तान को जवाब देना जरूहीं तो उसके हौसले और बढ़ जाते।

मॉक ड्रिल से पहले बढ़ा आत्मविश्वास

गौरतलब है कि बुधवार को अलग-अलग जिलों में नागरिक सुरक्षा को लेकर मॉक ड्रिल आयोजित की गई। उससे ठीक पहले भारतीय सेना की इस सर्जिकल स्ट्राइक जैसी कार्रवाई ने नागरिकों में आत्मविश्वास और सुरक्षा का भाव पैदा किया है। अजहर ने कहा कि लोगों को महसूस हो रहा हैं कि देश पूरी तरह से सुरक्षित हाथों में है।

प्रखंड विकास पदाधिकारी ने बोरियो स्वास्थ्य केंद्र का किया निरीक्षण

साहिबगंज: प्रखंड विकास पदाधिकारी नागेश्वर साव ने बोरियो सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने अस्पताल परिसर में चल रहे मरम्मती कार्यों का जायजा लिया और भवन अभियंता को गुणवत्ता के साथ कार्य शीघ्र पूर्ण करने का निर्देश दिया।उन्होंने ओपीडी, लैब, प्रसव वार्ड एवं दवा वितरण केंद्र का भी गहन निरीक्षण किया। बीडीओ ने सभी संबंधित कर्मियों को निर्देशित किया कि मरीजों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं तथा किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।निरीक्षण के दौरान बीडीओ ने अस्पताल की स्वच्छता व्यवस्था पर विशेष ध्यान देते हुए सफाई कर्मचारियों को परिसर के अंदर एवं बाहर नियमित सफाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य केंद्र की स्वच्छता एवं व्यवस्था सीधे आम जनता की सेवा से जुड़ी है, इसलिए इसमें किसी तरह की कोताही नहीं होनी चाहिए।निरीक्षण के समय चिकित्सा पदाधिकारी समेत अन्य स्वास्थ्यकर्मी भी मौजूद थे। बीडीओ ने बेहतर कार्य करने वाले कर्मियों की सराहना भी की।

साहेबगंज में आपदा प्रबंधन हेतु 12 कोषांगों का गठन

सुरक्षा एवं राहत व्यवस्था को लेकर उपायुक्त ने की बैठक

साहिबगंज: भारत सरकार, गृह मंत्रालय से प्राप्त निर्देशों के आलोक में आज उपायुक्त- सह- जिला दंडाधिकारी हेमंत सती की अध्यक्षता में एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में जिले की सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने तथा आपदा की स्थिति में त्वरित राहत एवं बचाव कार्य सुनिश्चित करने को लेकर विस्तार से चर्चा की गई।बैठक में यह निर्णय लिया गया कि किसी भी आपात स्थिति से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए जिला स्तर पर कुल 12 विशेष कोषांगों का गठन किया गया है । ये कोषांग विभिन्न सेवाओं को समर्पित होंगे, जिनमें मुख्य रूप से मुख्यालय सेवा (Headquarter Service), वार्डन सेवा (Warden Service), संचार सेवा (Communication Service), हताहत सेवा (Casualty Service), अग्निशमन सेवा (Fire Fighting Service), बचाव सेवा (Rescue Service), कल्याण सेवा (Welfare Service), मलबा हटाने की सेवा (Salvage Service), शव निस्तारण सेवा ((Corpse Disposal Service), डिपो एवं परिवहन सेवा (Depot & Transport Service), प्रशिक्षण सेवा (Training Service) तथा आपूर्ति सेवा (Supply Service) शामिल हैं।उपायुक्त ने पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि प्रत्येक कोषांग में कर्मियों की तैनाती सुनिश्चित की जाए तथा सभी संबंधित विभाग समन्वय स्थापित करते हुए समय-समय पर अभ्यास एवं समीक्षा करें। इस पहल का उद्देश्य किसी भी आपदा की स्थिति में त्वरित, समन्वित एवं प्रभावी कार्रवाई को सुनिश्चित करना है।

.मरने वाले जन्नत चले गए- ऑपरेशन सिंदूर के तहत कार्रवाई पर बोला- मसूद अजहर

लखनऊ: भारत की सेना ने ऑपरेशन सिंदूर के तहत की गई कार्रवाई में आतंकी संगठन जैश ए मोहम्मद के प्रमुख मसूद अजहर के परिवार के 10 लोगों की मौत हुई है। इस बात की पुष्टि मसूद अजहर ने बयान जारी कर बताया है। आतंकी ने कहा मरने वाले जन्नत चले गए है। मेरे परिवार के लोगों को खुशी मिल गई है, लेकिन भारत की इस कार्रवाई के बाद मसूद अजहर ने एक बार फिर भारत को धमकी दी है। भारत ने पाकिस्तान में एयर स्ट्राइक कर 9 आतंकी ठिकानों को तबाह कर दिया है। ये हमले 'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत बहावलपुर, मुरीदके, बाघ, कोटली और मुजफ्फराबाद में किए गए। पाकिस्तान ने इस हमले में 26 लोगों के मारे जाने की पुष्टि की है।

संक्षिप्त समाचार

एनटीपीसी नबीनगर में हुई क्रिकेट लीग की शुरूआत

नबीनगर प्रीमियर लीग खेल भावना और टीम वर्क का अद्भुत संगम

रिपोर्ट - प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- जिले के नबीनगर स्थित एनटीपीसी नबीनगर में सोमवार को नबीनगर प्रीमियर लीग (NPL) 2025 की उत्साहपूर्ण शुरूआत हुई। इस टूनार्मेंट का उद्घाटन एनटीपीसी नबीनगर के परियोजना प्रमुख एवं कार्यकारी निदेशक श्री एल. के. बेहरा ने किया। उन्होंने खिलाड़ियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा, ऐसे आयोजन कर्मचारियों में ऊर्जा, सकारात्मकता और आपसी सहयोग को बढ़ावा देने में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।₹ इस प्रतिष्ठित टूनार्मेंट का पहला मुकाबला HOP कऔर GM (O&M) कके बीच खेला गया, जिसमें परियोजना के वरिष्ठ अधिकारियों ने खेल मैदान में अपना क्रिकेट कौशल प्रदर्शित किया। इस मैच में GM (O&M) ककी टीम विजयी रही। NPL का आयोजन हर साल नबीनगर स्पोर्ट्स काउंसिल द्वारा किया जाता है। इस वर्ष टूनार्मेंट में कुल छह टीमें हिस्सा ले रही हैं, जो विभिन्न विभागों के कर्मचारियों से मिलकर बनी हैं। लीग के मुकाबले अगले तीन सप्ताह तक चलेंगे और 24 मई 2025 को एक भव्य समापन समारोह के साथ टूनार्मेंट का फाइनल मैच खेला जाएगा। इस टूनार्मेंट का उद्देश्य कर्मचारियों के बीच स्वास्थ्य, फिटनेस, टीम वर्क और आपसी विश्वास को बढ़ावा देना है। ऐसे आयोजन कर्मचारियों को तनावमुक्त रहने में मदद करते हैं और कार्यस्थल पर सकारात्मक ऊर्जा का संचार करते हैं। यह आयोजन खेलों के माध्यम से युवा कर्मचारियों में नेतृत्व, अनुशासन और टीम भावना जैसे गुणों के विकास का भी सशक्त माध्यम बन रहा है।

हज पर जाने वाले को गांव वालों ने दी विदाई

रिपोर्ट- अमरेन्द्र कुमार सिंह

गोह(औरंगाबाद)हसपुरा प्रखंड के गहना गांव से सोमवार को हज अदा करने के लिए चार लोग रवाना हुए। इस दौरान लोगों ने माला पहना कर उनको रवाना किया। गहना गांव के इश्तियाक खां व उनकी पत्नी रुबी खातून और सुहैल अनवर व उनकी पत्नी समीमा अख्तर एक साथ हज के लिए रवाना हुए। सभी हज यात्री 8 मई को दिल्ली एयरपोर्ट से मदीना शरीफ के लिए रवाना होंगे। वहां 8 दिन रुककर मक्का शरीफ जाएंगे जहां हज का कार्य पूरा करेंगे। गहना गांव के तउवाब खां, शिक्षक इजहार अहमद उर्फ गुड्डू, हाफिज इरफान, हाजी जियाउर्रहमान, नइम इमाम, हाजी मुश्ताक खां समेत बड़ी संख्या में गांव वासियों ने मस्जिद में पहुंचकर जायरीनों को विदाई दी। लोगों ने फूल मालाएं पहनाकर उनका सम्मान करते हुए सफर की कामयाबी के लिए दुआएं दी। साथ ही मक्का-मदीना शरीफ पहुंचकर अमन-चैन की दुआ करने की दरख्वास्त की। मौके पर हाजी जियाउर्रहमान ने कहा कि मुस्लिम मोमिनों को हज करने का मौका अल्लाह की रहमत से मिलता है और मक्का-मदीना शरीफ की यात्रा नसीब वालों को ही नसीब होती है। उन्होंने कहा कि हज वर्ष में केवल एक बार होता है। जो बकरीद पर्व के पहले हज पर जाते हैं। वैसे उमरा के लिए साल में कभी भी जाया जा सकता है। हज का पूरा अरकान करने में लगभग 45 दिन लग जाते है।

मुंगेर में गौरव भाटिया बोले, आतंकवाद को नेस्तनाबूद किया जाएगा

रणजीत विद्यार्थी

मुंगेर : बीजेपी के राष्ट्रीय प्रवक्ता गौरव भाटिया बुधवार को मुंगेर जिले में वक्फ सुधार जनजागरण अभियान में हिस्सा लेने पहुंचे। इस दौरान उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर पर अपनी राय रखी। साथ ही कहा कि अब ये बात स्पष्ट हो गई है कि आतंकवाद को नेस्तनाबूद किया जाएगा। एक दिवसीय दौरे पर मुंगेर पहुंचे भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता गौरव भाटिया तोपखाना बाजार स्थित प्रदेश प्रवक्ता प्रो. अफजर शमशी के आवास पर वक्फ सुधार जन जागरण अभियान में हिस्सा लिया। इस मौके पर गौरव भाटिया ने मीडिया को संबोधित करते हुए कहा कि गर्व के साथ कह सकते हैं कि जिस तरह भारत की सेना ने करारा जवाब दिया है, आतंकवाद को समाप्त करने के लिए भारत की वीर सेना पूरे विश्व में सबसे वीर है। गौरव भाटिया ने कहा, साथ ही साथ जिस तरह पाकिस्तान पर हमला किया गया है, अब ये बात स्पष्ट हो गई है कि आतंकवाद को नेस्तनाबूद किया जाएगा। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जिस तरह कहा कि आतंकवाद के आका को भी नेस्तनाबूद किया जाएगा। वहीं, वक्फ संशोधन कानून को लेकर उन्होंने कहा कि इस कानून से अल्पसंख्यक और मुस्लिम समाज को सशक्तिकरण हो इसके अधिकार मिलेंगे। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि मुसलमान के एक हाथ में कुरान होगी और एक हाथ में कंप्यूटर। उन्होंने कहा कि वोट बैंक की सौदागर तुष्टिकरण करने वाली राजनीतिक तमाम पार्टी कांग्रेस, समाजवादी पार्टी और टीएमसी रही है। उन्होंने कहा, इन्होंने कभी भी अल्पसंख्यकों की मुसलमान समाज की चिंता नहीं की।

भारत की सेना और मोदी सरकार पर देशवासियों को गर्व है- रामानुज पाण्डेय

रिपोर्ट- प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- भारतीय जनता पार्टी के पूर्व जिला अध्यक्ष एवं चाणक्य परिषद के जिला अध्यक्ष रामानुज पाण्डेय ने एवं भारतीय जनता पार्टी के पूर्व जिला अध्यक्ष पूर्व लोकसभा प्रत्याशी पूर्व प्रखंड प्रमुख कृष्ण बल्लभ प्रसाद सिंह बबुआ जी ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के लिए देश सेना और सरकार को बधाई इस ऑपरेशन से आज देश के 28 परिवारों को न्याय मिला है। नापाक पाक को अब यह समझ लेना चाहिए कि इस देश में बुजदिलों की सरकार नहीं है जो हिंसा से डर कर अपने जमीन पर गद्दारों का देश बना दे। एक-एक भारतीय अपने मातृ भूमि के एक एक इंच जमीन और आतंकियों से बदला लिया जाए इसके लिए जान कुर्बान करने के लिए तैयार है। इस बात को देश की सरकार और दुनिया के लोग बढ़िया से समझते हैं मूर्ख पाकिस्तान इस बात को नहीं समझता और अपने बाप भारत से ही बार-बार लड़ने की मूर्खता कर बैठता है जबकि हर बार की लड़ाई में उसे बड़ी कीमत पड़ती है देश का टुकड़ा तक होना पड़ा है कई बार भारतीय फौज के सामने समर्पण करना पड़ा है। सामने से लड़ने की हिम्मत नहीं तो आतंकी भेज कर कायराना हरकतों को अंजाम देते हैं। ये मूर्ख आज भी हजार वर्ष

पहले के मध्ययुगीन काल में जी रहे हैं जब हिंसा के बल पर यह दुनिया में जहाँ चाहे वहाँ राज करने चले जाते थे फिर से आतंक के बल पर और धार्मिक उन्माद फैलाकर दुनिया में यह रक्तपात करना चाहते हैं लेकिन यह भूल रहे हैं यह भारत वह भारत नहीं है आज भारत बहुत बदल चुका है अब अपनी जमीन छोड़कर भागने वाला भारत नहीं है बल्कि दूसरे की जमीन में घुसकर मार करने वाला भारत है। पाकिस्तान या तो पीओके खाली करें दुनिया के सामने आतंकवाद से बाज आने का कसम खाए माफी मांगे अन्यथा भारत की सरकार और भारत की सेना के साथ एक-एक भारतीय अपनी जान की बाजी लगाने के लिए तैयार खड़ा है अब भारत की धरती पर आतंकवाद बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। धर्म के आधार पर हिंसा बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। दोनों पूर्व अध्यक्षों ने कहा कि बिना युद्ध के स्थाई शांति संभव नहीं है साथ ही देश के अंदर भी नागरिक सुरक्षा के प्रति सरकार और समाज दोनों को जागरूक रहने की जरूरत है। सभी धर्म के लोग पूरी स्वतंत्रता के साथ अपने मत मजहब को माने लेकिन एक देश के एक नागरिक के रूप में चट्टानी एकता के साथ रहें आतंकियों और घुसपैठियों को देश और समाज में शरण और संरक्षण देने से बचें। भारत सरकार देश में स्थाई शांति के लिए इस बार बिल्कुल आर पार की कार्रवाई करे। इस तरह से निर्दोष लोगों की हत्या देश और समाज को स्वीकार नहीं है।

पीएम श्री अनुग्रह मध्य विद्यालय के बच्चे नशा विरोधी अभियान के बने हिस्सा

रिपोर्ट- प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- जिला मुख्यालय स्थित पीएम श्री अनुग्रह मध्य विद्यालय में विद्यालय के प्राचार्य उदय कुमार सिंह की अध्यक्षता में नशा मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत बच्चों की एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम जिला सामाजिक सुरक्षा कोषांग के अंतर्गत संपन्न हुई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पधारे सामाजिक सुरक्षा के सहायक निदेशक महेश आनंद ने बच्चों को नशापान की विभीषिका से अवगत कराया। तम्बाकू के दुष्परिणामों का विस्तार से चर्चा किए। बच्चों को अपने आस पास जाकर लोगों को शराब ड्रग्स एवं तम्बाकू सेवन ना करने हेतु प्रेरित करने को कहा। प्राचार्य उदय कुमार सिंह ने कुछ व्यवहारगत नशाएं यथा मोबाइल की लत, वीडियो गेमिंग एवं इंटरनेट स्क्रोलिंग करते रहने के प्रति भी बच्चों को सचेत किया एवं इससे होने वाले डिप्रेशन आदि की समस्याओं के बारे में भी बताया।इस कार्यक्रम में भारत सरकार के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय के विशेष प्रशिक्षक के रूप में पहुंचे मंटू कुमार ने बल देकर बच्चों

को बताया कि आरंभिक अवस्था में तम्बाकू या नशा पान उनकी कॉग्निटिव क्षमता घटा सकती है।उन्होंने बिहार के नशा मुक्ति अभियान के दृष्टिगोचर हो रहे फायदे की जानकारी बच्चों को दिए। हेडमास्टर उदय कुमार सिंह ने इस महत्वपूर्ण एवं अर्थपूर्ण वर्कशॉप के लिए अतिथियों के प्रति आभार जताया।

भारतीय सेना की सफलता पर ABVP पाकुड़ ने मनाया जश्न

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़ःपाकुड़ अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (ABVP) पाकुड़ इकाई द्वारा भारतीय सेना के 'ऑपरेशन सिंदूर' की अभूतपूर्व सफलता पर हर्ष और गौरव के साथ जश्न मनाया गया। इस अवसर पर कार्यकताओं ने शहर के हाटपाड़ा चौक पर एकत्र होकर जोरदार आतिशबाजी की और 'भारतीय सेना ज़िंदाबाद', 'भारत माता की जय' जैसे गगनभेदी नारों से माहौल को देशभक्ति से सराबोर कर दिया। कार्यक्रम की अगुवाई नगर मंत्री हर्ष भगत ने की। अपने संबोधन में उन्होंने कहा, ₹ऑपरेशन सिंदूर ने एक बार फिर साबित कर दिया कि भारतीय सेना किसी भी परिस्थिति

में देश की रक्षा करने में सक्षम है। यह केवल एक सैन्य सफलता नहीं, बल्कि हर भारतवासी के आत्मगौरव का प्रतीक है। विद्यार्थी परिषद इस विजय का हर्ष मनाते हुए सेना के प्रति आभार और सम्मान व्यक्त कर रही है। उन्होंने आगे कहा कि विद्यार्थी परिषद राष्ट्रभक्ति, समाजसेवा और युवाओं में जागरूकता लाने के कार्य में सदैव अग्रणी रही है, और आगे भी ऐसे प्रत्येक राष्ट्रहित के प्रयासों में अपनी भूमिका निभाती रहेगी। इस अवसर पर परिषद के जिला सोशल मीडिया संयोजक तन्मय पोद्दार, नगर एस एफ डी संयोजक अनिकेत,खेल प्रमुख अनुराग गोस्वामी, प्रेम प्रताप सिंह समेत बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं एवं स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

महिला संवाद कार्यक्रम सभी ग्यारह प्रखंडों के चयनित कुल तीस ग्राम संगठनों में सफलतापूर्वक आयोजित किया गया

रिपोर्ट- प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- जिले में महिला संवाद कार्यक्रम सभी ग्यारह प्रखंडों के चयनित कुल तीस ग्राम संगठनों में सफलतापूर्वक आयोजित किया गया` औरंगाबाद जिला में अभी तक 497 ग्राम संगठनो मे महिला संवाद का आयोजन किया जा चूका है` जिले में प्रतिदिन 15 महिला संवाद रथ का सञ्चालन दो पालियो मे किया जा रहा है महिला संवाद कार्यक्रम बिहार सरकार का महिलाओं के साथ सीधा संवाद करने की अनूठी पहल है । जहाँ महिला सशक्तीकरण संबंधी योजनाओं की जानकारी महिलाओं के साथ साझा की जा रही है । महिलायें इन योजनाओं से हुए सीधे लाभ की बात करती हैं और योजनाओं को और बेहतर बनाने की बात भी संजीदगी के साथ करती है` इस कार्यक्रम के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों की महिलाएँ अब अपने सपनों और आकांक्षाओं को खुलकर व्यक्त कर रही हैं । राज्य सरकार की पहल, महिला संवाद कार्यक्रम, उनके लिए उम्मीदों का एक ऐसा मंच साबित हो रहा है, जहाँ वे न केवल अपनी समस्याओं को उजागर कर रही हैं, बल्कि विकास की नई संभावनाओं की ओर भी इशारा कर रही हैं । इस कार्यक्रम के माध्यम से महिलाएँ अपनी अपेक्षाओं और आवश्यकताओं को सीधे सरकार तक पहुँचा रही हैं, वहीं सरकारी योजनाओं का लाभ लेकर अपने जीवन में हुए बदलाव को साझा कर दूसरों को प्रेरित भी कर रही हैं । राज्य सरकार की योजनाओं से लाभान्वित महिलाएं –सुषमा देवी ,पनपती देवी,कस्तूरी देवी, अदि ने अपने अनुभव साझा किए और बताया कि कैसे इन योजनाओं का लाभ लेकर उन्होंने अपने परिवार के जीवन स्तर में उल्लेखनीय सुधार किया है और गाँव की अन्य महिलाओं को भी प्रेरित कर रही हैं। पिछले बीस सालों में राज्य में हुए विकास को उत्तरोत्तर गति प्रदान करने के उद्देश्य से महिला संवाद कार्यक्रम में महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित हो रही हैं ' जहाँ गाँव की महिलाएं गाँव के विकास के लिए अपनी इच्छाएं एवं आकांक्षाओं को सुचिवद्ध करा रही हैं ' ग्राम संगठन स्तर पर राज्य के सभी जिलों में महिला संवाद आयोजित किये जा रहे हैं` साथ ही राज्य सरकार द्वारा संचालित लोक कल्याणकारी योजना की सफलता पर आधारित फिल्मे भी महिला संवाद रथ में प्रदर्शित की जा रही है ' इसके साथ ही महिला सशक्तिकरण एवं स्वावलंबन के लिए राज्य में संचालित योजनाओं से संबंधित लीफलेट महिलाओं के बीच वितरित किया जा रहा है ताकि अब तक अगर कोई भी महिला योजनाओं का लाभ नहीं ले पाई है तो उससे जुड़कर अपने जीवन में बदलाव लाये और मुख्यमंत्री, बिहार श्री नीतीश कुमार का माहिलाओ के नाम संदेश भी सभी को दिया जा रहा है सागर ग्राम संगठन,कर्माभगवान,औरंगाबाद के महिला संवाद मे श्री श्रीकांत शास्त्री जिला पदाधिकारी,औरंगाबाद,प्रखंड विकास पदाधिकारी,औरंगाबाद, श्री पवन कुमार ,जिला परियोजना प्रबंधक,जीविका, श्री पंचम दांगी, प्रबंधक सूक्ष्म वित्त , श्री श्रुतिकांत पाठक ,प्रखंड परियोजना प्रबंधक, औरंगाबाद एवं सभी माहिलाओ ने भाग लिया। जिला पदाधिकारी द्वारा महिला संवाद के बारे बताया गया की बिहार सरकार द्वारा महिला सशक्तिकरण के लिए विभिन्न विभिन्न तरह की योजना चलाई जा रही है । जिला पदाधिकारी,औरंगाबाद द्वारा कन्या उत्थान योजना ,मुख्यमंत्री महिला उधमी योजना,बालिका साईकिल योजना,छात्रवृत्ति योजना एवं आवास योजना के बारे मे विस्तार से बताया एवं इसका लाभ लेने के लिए सभी को प्रेरित किया ' महिला संवाद कार्यक्रम बिहार की ह्यआधी आबादीह्व को राज्य के विकास में सहभागी बना रहा है और यह पहल राज्य को सामाजिक रूप से सशक्त एवं समावेशी विकास की दिशा में अग्रसर कर रही है।

सदर प्रखंड के चार पंचायत के महादलित टोले में विशेष शिविर का आयोजन

दिव्य दिनकर जिला संवाददाता काजल गुप्ता

मुंगेर। सदर मुंगेर प्रखंड अंतर्गत बुधवार को प्रखंड विकास पदाधिकारी आरके राघव की अगुवाई में सदर प्रखंड के चार पंचायत में डॉ भीमराव अंबेडकर सर्व सेवा अभियान के अंतर्गत अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति टोले में सरकार आपके द्वार कार्यक्रम का शुभारंभ शिविर के माध्यम से किया गया। शिविर में बिहार सरकार द्वारा संचालित जनकल्याणकारी योजना में 22 महत्वपूर्ण योजना का लाभ महादलित परिवार को पहुंचाने हेतु शुरूआत की गई। महा दलित परिवार के बीच राशन कार्ड, आयुष्मान कार्ड, जन्म प्रमाण पत्रों वितरण प्रखंड विकास पदाधिकारी द्वारा विभिन्न पंचायत में वितरित किया गया। वहीं शिविर में प्रभारी के रूप में उपस्थित प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी शिवम पुरी गोस्वामी, प्रखंड पंचायती राज पदाधिकारी एकता कुमारी, प्रखंड कल्याण पदाधिकारी श्रावणी गुप्ता, बाल विकास परियोजना पदाधिकारी प्रियदर्शनी, प्रखंड सांख्यिकी पदाधिकारी जितेंद्र कुमार, सहकारिता पदाधिकारी सह शिक्षा पदाधिकारी विद्यासागर, प्रभारी सुशील कुमार झा सहित प्रखंड एवं पंचायत स्तरीय पदाधिकारी उपस्थित रहे।

सदर प्रखंड, औरंगाबाद में 20 सूत्री कार्यालय का भव्य उद्घाटन समारोह सम्पन्न

एनडीए के शीर्ष नेताओं की गणमान्य उपस्थिति, जनसेवा को समर्पित नया अध्याय

रिपोर्ट - प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- जिला मुख्यालय स्थित सदर प्रखंड में 20 सूत्री कार्यक्रम क्रियान्वयन समिति के नवनिर्मित कार्यालय का उद्घाटन समारोह आज ऐतिहासिक गरिमा के साथ सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता समिति के अध्यक्ष श्री मनोज कुमार सिंह एवं संचालन उपाध्यक्ष श्री राकेश कुमार सिंह ने की। इस कार्यालय का उद्घाटन केवल एक भवन का उद्घाटन नहीं, बल्कि जनता के अधिकारों, समस्याओं के समाधान, और सरकारी योजनाओं को आमजन तक पहुंचाने के प्रति प्रतिबद्धता का उद्घोष है। नेतृत्व की सोच और गंतव्यः अध्यक्ष श्री मनोज कुमार सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि यह कार्यालय जन संवाद का सशक्त माध्यम बनेगा। यहां हर तबके की समस्याएं सुनी जाएंगी और संबंधित विभागों के माध्यम से त्वरित समाधान सुनिश्चित किया जाएगा। ₹हमारा प्रयास रहेगा कि कोई भी पात्र व्यक्ति सरकारी योजनाओं के लाभ से वंचित न रहे, ।वहीं उपाध्यक्ष श्री राकेश कुमार सिंह ने कहा, इस कार्यालय का निर्माण मात्र ईंट-पत्थर का ढांचा नहीं है, बल्कि यह सुशासन, पारदर्शिता और जनसेवा की जीवंत प्रतीक बनेगा। हम यह सुनिश्चित करेंगे कि 20 सूत्रीय कार्यक्रम सिर्फ कागजों में न रहे, बल्कि धरातल पर लागू हो।

उद्देश्य और प्राथमिकताएं इस कार्यालय के माध्यम सेः सरकारी योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाएगा। गांव-गांव

तक योजनाओं की जानकारी और पहुँच बनाई जाएगी। जन शिकायतों का रजिस्ट्रेशन और समाधान की प्रक्रिया पारदर्शी होगी। युवाओं, महिलाओं और वंचित वर्गों के उत्थान हेतु विशेष पहलें की जाएंगी। विशिष्ट अतिथियों की उपस्थिति समारोह की शोभा बढ़ाने पहुंचे एनडीए के सभी घटक दलों के जिला अध्यक्ष और वरिष्ठ नेता। मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व विधायक रफीगंज एवं वर्तमान जदयू जिला अध्यक्ष सह जिला 20 सूत्री उपाध्यक्ष श्री अशोक कुमार सिंह उपस्थित रहे। अन्य प्रमुख उपस्थित नेताओं में शामिल रहे भाजपा जिला अध्यक्ष श्री बिजेंद्र सिंह चंद्रवंशी लोजपा (रा) जिला अध्यक्ष श्री चंद्रभूषण सिंह उर्फ सोनू सिंह भाजपा उपाध्यक्ष एवं रेडक्रॉस अध्यक्ष श्री सतीश कुमार सिंह नगर परिषद अध्यक्ष श्री उदय गुप्ता हम पार्टी के राष्ट्रीय सचिव श्री सुनील चौबे हम के वरिष्ठ नेता श्री हरेंद्र सिंह इसके अलावा विभिन्न पंचायत प्रतिनिधि, सामाजिक कार्यकर्ता एवं मीडियाकर्मी भी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। सदस्यों की सक्रिय सहभागिताः समिति के सभी 20 सूत्री सदस्य शशिकांत कुमार, रितेश कुमार सिंह, विकास कुमार मिश्रा, नंदिता सिंह, नागेंद्र चंद्रवंशी, महेंद्र प्रजापति, मोहम्मद सैयद मुजफ्फर कादरी, रॉकी राज, भरत सिंह, सुधीर सिंह, संजय गुप्ता, नीलम देवी एवं अमित कुमार न सिर्फ आयोजन में भाग लिया बल्कि अपने-अपने क्षेत्र में योजनाओं के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए संकल्प लिया। समापन संदेश कार्यक्रम के अंत में वक्ताओं ने कहा कि यह कार्यालय आने वाले समय में न्याय, पारदर्शिता, सेवा और विकास का नया प्रतीक बनेगा। यह समिति आने वाले दिनों में जनहित में विशेष शिविर, जागरूकता अभियान, पंचायत स्तरीय फॉलोअप बैठकें और योजनागत मूल्यांकन जैसे कार्यों को भी गति देगी। 20 सूत्री कार्यालय अब नीतियों के निर्माण और क्रियान्वयन के बीच की कड़ी के रूप में कार्य करेगा, जिससे लोकतंत्र की असली ताकत आमजन तक पहुंचे।

संक्षिप्त समाचार

पंचतत्व में विलीन हुए पूर्व जदयू जिलाध्यक्ष बटेश्वर सिंह, जदयू जिलाध्यक्ष नचिकेता मंडल ने पार्टी का झंडा ओढ़ाया

दिव्य दिनकर पवन कुमार चौधरी

मुंगेर। जनता दल यूनाइटेड के मुंगेर जिला के पूर्व अध्यक्ष रहे वर्तमान जदयू प्रदेश सलाहकार समिति सदस्य बटेश्वर सिंह को अंतिम विदाई दी गई। जदयू नेता बटेश्वर सिंह को पार्टी की ओर से राजकीय सम्मान दिया गया। वर्तमान जदयू जिला अध्यक्ष नचिकेता मंडल, जिला प्रवक्ता विमलवेंदु राय, जदयू के प्रदेश सलाहकार समिति सदस्य मनोरंजन मजूमदार, पूर्व जिलाध्यक्ष संतोष साहनी, पूर्व जिलाध्यक्ष जिया उर रहमान, जदयू प्रखंड अध्यक्ष मुनि लाल मंडल, जदयू अति पिछड़ा प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष मिथलेश मंडल की मौजूदगी में दिवंगत पूर्व जिला अध्यक्ष के आर्थिक शरीर पर पार्टी का झंडा देकर सम्मान दिया। दिवंगत जदयू नेता बटेश्वर सिंह के दामाद सह सामाजिक कार्यकर्ता विवेक श्रीवास्तव की मौजूदगी में जमालपुर के केशोपुर गुरुद्वारा रोड स्थित उनके निजी आवास से फूल और माला से शव-वाहन को सुसज्जित कर शवयात्रा निकाली गई। जदयू नेता बटेश्वर सिंह की अंतिम यात्रा में शिवम कुमार, पप्पू मंडल, प्रोफेसर राजीव नयन, विरंजन मंडल, पूर्व वार्ड पार्षद गौतम आजाद, बालकृष्ण, प्रदीप विश्वकर्मा, वार्ड संख्या - 25 के जदयू वार्ड अध्यक्ष अशोक कुमार शामिल रहे।

राजद के पूर्व सांसद सह पूर्व विधायक ने दी श्रद्धांजलि

जदयू के पूर्व जिला अध्यक्ष बटेश्वर सिंह के निधन पर विभिन्न राजनीतिक एवं सामाजिक संगठनों के नेताओं ने उनके आवास पर पहुंचकर श्रद्धांजलि अर्पित की। कई नेताओं ने राजनीतिक भेदभाव से परे हटकर एक स्वस्थ और समरसता पूर्ण राजनीति का परिचय देते हुए जदयू नेता बटेश्वर सिंह के शव यात्रा में भी हिस्सा लिया। किसी कड़ी में आदर्श राजनीति का परिचय देते हुए दिवंगत पूर्व जदयू नेता बटेश्वर सिंह के राजनीतिक सफर में समकालीन रहे मुंगेर के पूर्व सांसद सह पूर्व विधायक विजय कुमार विजय ने उनके आवास पर पहुंचकर न सिर्फ श्रद्धांजलि दी बल्कि उनके अंतिम यात्रा में शवदाह गृह में अंतिम संस्कार तक शामिल रहे।

कम्युनिस्ट पार्टी से जदयू तक का रहा शानदार सफर

कम्युनिस्ट पार्टी से अपनी राजनीति की शुरूआत करने वाले प्रदेश जदयू सलाहकार समिति के सदस्य सह जिला बीस सूत्री उपाध्यक्ष बटेश्वर सिंह का राजनीतिक सफर काफी शानदार रहा। उन्होंने समाज सेवा की भावना से राजनीति में कदम रखा। आरंभिक काल में कम्युनिस्ट पार्टी के सक्रिय सदस्य की भूमिका में राजनीति के गुर सीखे। इसी कड़ी में समता पार्टी के गठन के दौरान नीतीश कुमार और जॉर्ज फर्नांडिस के काफी करीब होने के कारण पार्टी के संस्थापक सदस्य भी बने। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, जॉर्ज फर्नांडिस, शरद यादव, दिग्विजय सिंह सरीखे नेताओं से निकटता होने के कारण जनता दल यूनाइटेड के गठन के बाद पार्टी में एक सक्रिय भूमिका में अपना योगदान दिया। 71 वर्षीय दिवंगत जदयू नेता बटेश्वर प्रसाद सिंह ने अपने जीवित काल में दो बार पार्टी के जिलाध्यक्ष के रूप में जिम्मेदारी संभाली।

डीपीआरओ ने नरोत्तमपुर पंचायत भवन का किया निरीक्षण

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़ःपाकुड़ जिला पंचायत राज पदाधिकारी प्रीतिलता मुर्मू ने पाकुड़ प्रखंड अंतर्गत नरोत्तमपुर पंचायत भवन का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान वॉटर प्यूरीफायर, भस्मक एवं ज्ञान केन्द्र का जायजा लिया और आवश्यक दिशा-निर्देश दिया। ज्ञान केन्द्र के सफल संचालन हेतु निर्देशित किया। मौके पर मुखिया, पंचायत सचिव एवं रोजगार सेवक, मोबिलाइजर, स्वंय सेवक उपस्थित थे।

मांडर, स्कूल रुआर 2025 कार्यक्रम को लेकर मांडर में निकला जागरूकता रथ

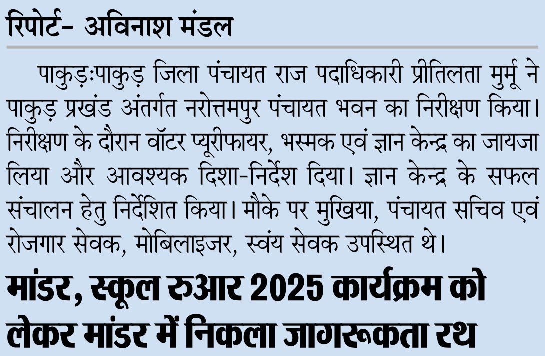

मांडर, रूआर कार्यक्रम 2025 बैक टू स्कूल कैंपेन के तहत विद्यालय में नामांकन एवं ठहराव को लेकर मंगलवार को प्रखंड मुख्यालय से जागरूकता रथ रवाना किया गया. रथ को बीपीओ गुलाम सरवर ने झंडी दिखाकर रवाना किया. उन्होंने बताया कि यह रथ मांडर प्रखंड के 19 पंचायत के सभी स्कूलों के पोषक क्षेत्र में जाकर जागरूकता फैलाने का काम करेगा साथ ही रथ के माध्यम से सभी जगह हैंड बिल का वितरण, पोस्टर लगाने का काम एवं गीत के माध्यम से विद्यालय से बाहर रह रहे बच्चों को जागरूक किया जाएगा. मौके पर कांति तिर्की, रंजीत कुमार, जयंत कुमार लकड़ा, विनोद कुमार, स्मिता सिंह, मो मुजम्मिल के अलावा विभिन्न स्कूलों के शिक्षक व छात्र उपस्थित थे.

राष्ट्रीय लोक अदालत सुलहनीय वादों के निस्तारण का है सशक्त माध्यम, और इसे जन-जन तक पहुँचाने में सभी प्रकार के मीडिया की भूमिका अहम- जिला जज

राष्ट्रीय लोक अदालत के आयोजन को लेकर जिला जज द्वारा किया गया प्रेस कॉन्फ्रेंस

रिपोर्ट- प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकार श्री राज कुमार द्वारा जिला के विभिन्न समाचार पत्रो, प्रिंट मिडिया, इलेक्ट्रॉनिक मिडिया के साथ जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सभागार में एक प्रेस कान्फ्रेंस का आयोजन किया गया जिसमें दिनांक 10.05.2025 को आयोजित होने वाले इस वर्ष का द्वितीय राष्ट्रीय लोक अदालत के सम्बन्ध में प्राधिकार के द्वारा किये किये गये कार्यो के सम्बन्ध में विस्तृत जानकारी विभिन्न संवाददाताओं को उपलब्ध कराया गया। जिला जज ने बताया कि 10 मई, 2025 को इस वर्ष का दूसरा तथा हमारे कार्यकाल का चैथा राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन होना है जिसके लिए न्यायालयों से सम्बन्धित सुलहनीय वादों में अबतक की गयी कार्रवाई का विस्तृत ब्यौरा सभी संवाददाताओं को उपलब्ध कराया गया। जिला जज द्वारा बताया कि दिनांक 10.05.2025 को आयोजित राष्ट्रीय लोक अदालत के लिए न्यायालय में लम्बित सभी तरह के सुलहनीय वादों से सम्बन्धित नोटिस को पुलिस के माध्यम से पक्षकार को हस्तगत कराया गया है साथ ही तामिला प्रतिवेदन पर प्राप्त मोबाईल संख्या के आधार पर कार्यालय द्वारा उन्हें राष्ट्रीय लोक अदालत के दिन उपस्थित रहने हेतु भी सूचित किया गया है। जिला जज द्वारा जिला विधिक सेवा प्राधिकार द्वारा पूर्ववर्ती आयोजित सभी राष्ट्रीय लोक अदालत से सम्बन्धित विविध गतिविधियों में बृहत प्रचार-प्रसार में सभी पत्रकारो का महत्वपूर्ण सहयोग प्राप्ति पर आभार व्यक्त किया गया। साथ ही साथ 10 मई 2025 को आयोजित होने वाले राष्ट्रीय लोक अदालत में सभी का महत्वपूर्ण सहयोग प्राप्त हो रहा है और आगे भी होता रहेगा, ऐसा सभी संवाददाताओं से अपेक्षा की गयी है। जिला जज द्वारा सभी विभागों द्वारा अपने विभाग अन्तर्गत लम्बित सुलहनीय वादों की सूची उपलब्ध कराने हेतु दिये गये निर्देश से संवाददाताओं को अवगत कराया गया। जिला जज ने बताया कि सभी सम्बन्धित विभागों, न्यायालय तथा सम्बन्धित पदाधिकारियों के साथ कई दौर की बैठक का आयोजन किया गया है। मीडिया द्वारा किये जाने वाले सार्थक सहयोग के प्रतिफल के रूप में राष्ट्रीय लोक अदालत के दिन इसका साकारात्मक परिणाम मिलने की संभावना है। प्रेस कान्फ्रेस में प्रधान जिला एवं सत्र.न्यायाधीश द्वारा संवाददाताओं को बताया कि पारिवारिक मामलों के निस्तारण में इस जिला पूर्व में भी अच्छा रहा है और इसे और अब्बल बनाने की प्रक्रिया जारी रहेगी और इसके लिए कई वादों का चयन किया गया है। वादों के सम्बन्ध में प्राधिकार के सचिव तान्या पटेल ने जानकारी देते हुए बताया कि प्रारम्भिक स्तर पर

अभी तक 2230 सुलहनीय वाद जो न्यायालय में लम्बित है चिन्ह्ति किया गया है तथा 51 वादों में निस्तारण हेतु सहमति प्रदान किये जाने तथा 5000 से अधिक नोटिस निर्गत किये जाने तथा तथा 600 वादों का निस्तारण का लक्ष्य से सम्बन्धित ब्यौरा संवाददाताओं का उपलब्ध कराया गया। साथ ही प्री-लिटिगेशन के अन्तर्गत 5000 से अधिक बैंक ऋण सम्बन्धी मामलों में पक्षकारों को नोटिस किया गया है जिसमें 125 से अधिक ऋण वादों का निस्तारण हेतु सहमति प्राप्त हो गया है तथा 1200 से अधिक मामलो को इस लोक अदालत में निस्तारण का लक्ष्य रखा गया है और इनसे सम्बन्धित नोटिस प्रेषण की कार्रवाई की जा चुकी है, जिसे आगे बढ़ने की संभावना है। साथ ही साथ प्रेस वार्ता के समय बताया गया कि न्यायालय स्तर से बड़े पैमाने पर नोटिस प्रेषित करने की कार्रवाई की गयी है जिससे कि न्यायालय में लम्बित सभी तरह के सुलहनीय मामलों का अधिक से अधिक निस्तारण संभव हो सकेगा। संवाददाता सम्मेलन में उपस्थित , प्रधान न्यायाधीश एवं सचिव द्वारा जिले वासियों से संयुक्त रूप से आह्वान किया गया कि इस राष्ट्रीय लोक अदालत का ज्यादा-से ज्यादा लाभ उठायें, इस अवसर पर सभी संवाददाताओं ने राष्ट्रीय लोक अदालत के वृहत प्रचार-ह्मप्रसार में अपनी भूमिका को पुरी तरह से निर्वह्म करने का भरोसा दिया गया और कहा गया कि पूर्व में भी हमलोगो का सहयोग मिला है और यह निरंतर जारी रहेगा। सचिव ने राष्ट्रीय लोक अदालत में त्वरित निस्तारण हेतु गठित बेंच के बारे में जानकारी देते संवाददाताओं को बताया कि औरंगाबाद जिला एवं अनुमण्डलीय न्यायालय, दाउदनगर को मिलाकर कुल 09 बेंचों का गठन किया गया है जिसमें वादों का त्वरित निष्पादन किया जायेगा। सचिव ने बताया कि औरंगाबाद व्यवहार न्यायालय में राष्ट्रीय लोक में वादों के निष्पादन हेतु बेंच संख्या 01 मोटर दुर्घटना वाद, ईजराय वाद, भरण-पोषण वाद तथा पारिवारिक मामलें, बेंच संख्या 2 पर अपर मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी, प्रथम एवं तृतीय के न्यायालय से सम्बन्धित सुलहनीय वाद तथा एनआई अधिनियम से सम्बन्धित मामलें, बेंच संख्या 3 पर मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी के न्यायालय से सम्बन्धित सुलहनीय वाद तथा खनिज, वन, श्रम एवं बिजली इत्यादि से सम्बन्धित वाद, बेंच संख्या 4 पर अपर मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी, चतुर्थ षष्टम एवं सप्तम के न्यायालय से सम्बन्धित सुलहनीय वाद बेंच संख्या 05 पर औरंगाबाद जिला के सभी बैंक से सम्बन्धित ऋण वाद। बेंच संख्या 06 में राजीव कुमार न्यायिक दण्डाधिकारी के न्यायालय, प्रथम श्रेणी के न्यायालय, अनुमण्डलीय न्यायिक दण्डाधिकारी के न्यायालय श्री ओम प्रकाश नारायण सिंह,, न्यायिक दण्डाधिकारी, प्रथम श्रेणी श्रीमती नेहा दयाल के न्यायालय से सम्बन्धित सूलहनीय वाद जिनका न्यायालय अभी खाली है, बेंच संख्या 07 में श्री शुभान्कर शुक्ला के न्यायालय से सम्बन्धित मामलें श्रीमती नेहा , न्यायिक दण्डाधिकारी, प्रथम श्रेणी श्री विकास कुमार, न्यायिक दण्डाधिकारी, प्रथम श्रेणी जिनका न्यायालय अभी खाली है के न्यायालय से सम्बन्धित सुलहनीय वाद का निस्तारण किया जायेगा। बेंच संख्या 08 अनुमण्डलीय न्यायालय, दाउदनगर से सम्बन्धित है जिसपर अनुमण्डलीय न्यायालय, दाउदनगर के लिए गठित बेंच के बारे में जानकारी देते हुए बताया गया कि बेंच संख्या 08 पर अनुमण्डलीय न्यायिक दण्डाधिकारी, दाउदनगर एवं द0प्र0सं0 की धारा 107 एवं 144 से सम्बन्धित वाद का निस्तारण किया जायेगा। बेंच संख्या 09 पर श्री आशिष कुमार एवं श्वेताभ शाण्डील्य न्यायिक दण्डाधिकारी के न्यायालय से सम्बन्धित सुलहनीय आपराधिक वाद का निस्तारण किया जायेगा। सचिव द्वारा जिला वासियों से यह अपील भी किया गया कि राष्ट्रीय लोक अदालत का अधिक से अधिक फायदा उठायें और राष्ट्रीय लोक अदालत के दिन आकर अपने वादों को निस्तारण कराने में विशेष रूचि लें

और राष्ट्रीय लोक अदालत का फायदा जिलावासियों को अधिक से अधिक लोगो को मिले इसके लिए जिला विधिक सेवा प्राधिकार तत्पर है। सचिव द्वारा यह भी बताया कि बेंच से सम्बन्धित विस्तृत विवरणी जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सूचना-पट्ट पर चशपा कराया गया है जिससे कि न्यायालय आने वाले लोगो को बेंच से सम्बन्धित सूचना प्राप्त करने में सुविधा हो।

Action TESA ने टेसा सलाम' के साथ मनाया कारपेंटर्स मेगा मीट

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

एक्शन-टेसा, जो भारत में MDF/HDHMR/Boilo और पार्टिकल बोर्ड जैसे इंजीनियर्ड पैनल उत्पादों का सबसे बड़ा निमार्ता और लकड़ी पैनल उद्योग में अग्रणी है, ने देशव्यापी उत्सवों की एक श्रृंखला के साथ गर्व से मेगा कारपेंटर्स मीट का आयोजन देवघर के होटल वायोरे इन मे किया। मीटिंग में मनोज उपाध्याय डीजीएम , आनन्द प्रभात बीएम, आदित्य रंजन बीडीएम तथा समस्त बिहार और झारखंड टीम ने सभी कारपेंटर्स भाईयों का स्वागत किया। आनन्द जी ने कहा कि यह आयोजन उन कारपेंटर्स के अमूल्य योगदान को मान्यता देने के लिए समर्पित है, जिनकी कारीगरी देश भर के

अनगिनत घरों और व्यवसायों में सुंदरता और कार्यक्षमता लाती है। इस मेगामीट कार्यक्रम के आयोजन के माध्यम से, Action TESA TESA ने इस कार्यक्रम मे उपस्थित कारपेंटर्स की कारीगरी को मान्यता देने के साथ-साथ उन्हें उभरती तकनीकों और नवाचारी डिजाइन तकनीकों के बारे में जानने का एक मंच प्रदान किया। यह पहल Action TESA के ब्रांड दर्शन KOI NAHI AISA के अनुरूप है, जो अतुलनीय गुणवत्ता और उत्कृष्टता पर जोर देता है। पिछले एक दशक से, कंपनी इन मीट्स के माध्यम से कारपेंटर्स के साथ निकटता से काम कर रही है, उन्हें मूल्यवान जानकारी और प्रशिक्षण प्रदान कर रही है, जिससे ब्रांड और लकड़ी के कामकाज उद्योग के साथ उनका संबंध और भी मजबूत हो रहा है। अू३ङ्खल्ल ळएअ के प्रबंध निदेशक, अजय अग्रवाल ने इस अवसर पर विडियो मैसेज के द्वारा कारपेंटर्स के प्रति अपनी गहरी प्रशंसा व्यक्त करते हुए कहा, कि कारपेंटर्स इंजीनियर्ड लकड़ी उद्योग की रीढ़ हैं, और उनकी कुशलता और रचनात्मकता के प्रति आभार प्रकट किया। 'टेसा-सलाम' का अर्थ सम्मान की अभिव्यक्ति है, टेसा सलाम' पहल का उद्देश्य कारपेंटर्स की स्थिति को ऊंचा उठाना और उनके कठिन परिश्रम और कारीगरी को पहचान दिलाना है, जिससे उद्योग में उनकी भूमिका और अधिक स्पष्ट और मूल्यवान हो सके।

भारतीय सेना का प्राक्रम अद्भुत:ध्रुव

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

देवघर.आज आजसू पार्टी केन्द्रीय सचिव ध्रुव प्रसाद साह ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा कि भारतीय सेना को ऑपरेशन सिंदूर झ्र हर सिन्दूर की रक्षा का संकल्प को सफलतापूर्वक पूरा करने का पूरा श्रेय जाता है` ये सिर्फ एक सैन्य अभियान नहीं था बल्कि ये हर उस माँ, बहन और पत्नी के सिन्दूर की रक्षा का प्रण था` ₹ऑपरेशन सिंदूर₹ हमारे सैनिकों के साहस, समर्पण और बलिदान की वह गाथा है, जो हर भारतीय के हृदय में गर्व की अग्नि जलाती है` जिस मिट्टी ने हमें जन्म दिया, उसी की रक्षा के लिए जब दुश्मन की हर चाल को नाकाम करना पड़ा, तो हमारे जाँबाज जवानों ने न सिर्फ जवाब दिया, बल्कि इतिहास रच दिया` पहलगाम में 26 भारतीयों की नृशंस हत्या के 15 वे दिन हुई इस कार्रवाई में पाकिस्तान के साथ दुनिया को एक बार पुनः यह संदेश दे दिया है कि भारत ना भूलता है, ना माफ करता है और ना बहुत देर इंतजार करता है` इस सफल ऑपरेशन को पूरा करने के लिए भारत के प्रधानमंत्री आदरणीय नरेंद्र मोदी जी को श्रेय जाता है क्योंकि उनकी निगरानी में ही यह ऑपरेशन सफलतापूर्वक हो पाया` ऑपरेशन को लेकर एनएसए अजीत डोभाल और अन्य राजनीतिक कोर टीम के सदस्य लगातार संपर्क में थे` पुरा देश इस जीत से बहुत खुशी महसूस कर रही है`

समस्तीपुर में बैंक ऑफ महाराष्ट्र से करोड़ों की लूट, हथियारबंद बदमाश फरार

समस्तीपुरः बिहार के समस्तीपुर जिले में बैंक लूट की एक बड़ी और चौंकाने वाली वारदात सामने आई है। अपराधियों ने बुधवार की सुबह नगर थाना क्षेत्र के काशीपुर इलाके में स्थित बैंक ऑफ महाराष्ट्र की शाखा को निशाना बनाया। इस वारदात में बदमाशों ने लगभग 5 करोड़ रुपये के सोने और करीब 15 लाख रुपये नगद पर हाथ साफ कर दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, अपराधियों ने ग्राहक बनकर बैंक में प्रवेश किया और फिर हथियारों के बल पर कर्मियों और मौजूद ग्राहकों को बंधक बना लिया। बैंक खुलने का समय होने के कारण उस समय बैंक में बहुत अधिक भीड़ नहीं थी, जिससे बदमाशों को वारदात को अंजाम देने में आसानी हुई। सूत्रों के अनुसार, लूटपाट करीब 40 मिनट तक चली। इस दौरान बदमाशों ने पूरे बैंक को कब्जे में लेकर योजनाबद्ध तरीके से लूट को अंजाम दिया। पहले कुछ बदमाश खाता खुलवाने के बहाने बैंक में दाखिल हुए और दस्तावेजों के बारे में पूछताछ की, फिर बाकी साथी अंदर घुसे और सभी ने मिलकर पूरी घटना को अंजाम दिया। बताया जा रहा है कि लुटेरों की संख्या 8 से 10 के बीच थी। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस हरकत में आ गई। समस्तीपुर सदर डीएसपी संजय पांडे मौके पर पहुंचे और जांच में जुट गए। इलाके में तलाशी अभियान चलाया जा रहा है और सीसीटीवी फुटेज को खंगाला जा रहा है ताकि आरोपियों की पहचान हो सके और उन्हें जल्द पकड़ा जा सके।

बेगूसरायः सरकारी आवास में नाबालिग के साथ यौन शोषण, आरोपी चपरासी गिरफ्तार

बेगूसराय जिले से एक बेहद चौंकाने वाली घटना सामने आई है, जहां नगर थाना क्षेत्र स्थित जल संसाधन विभाग (ढल्रएऊ) के सरकारी आवास में कार्यरत एक चपरासी द्वारा नाबालिग लड़के के साथ कुकर्म करने का मामला सामने आया है। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। घटना की सूचना मिलते ही नगर थाना की पुलिस टीम और सशस्त्र बल मौके पर पहुंचे। जांच के दौरान यह स्पष्ट हुआ कि आरोपी चपरासी अब्दुल मजिद, जो ढल्रएऊ में कार्यरत है, ने नाबालिग को बहला-फुसलाकर अपने सरकारी क्वार्टर में ले जाकर अमानवीय कृत्य किया। पुलिस ने घटनास्थल की गहन जांच कर-वाई और ऋ२छ (फॉरेंसिक) टीम को भी मौके पर बुलाया गया। इसके साथ ही पीड़ित बच्चे और आरोपी दोनों का मेडिकल परीक्षण सदर अस्पताल, बेगूसराय में कराया गया। पीड़ित की ओर से दर्ज शिकायत के आधार पर नगर थाना कांड संख्या 181/25 के तहत मामला दर्ज किया गया है। इस मामले में भारतीय न्याय संहिता की धाराएं 75(2), 127(2), 115(2), 198, 199 बीएनएस और पॉक्सो एक्ट की धारा 4/6 लगाई गई हैं। गिरफ्तार आरोपी की पहचान 52 वर्षीय अब्दुल मजिद के रूप में हुई है, जो मूल रूप से फुलवारी शरीफ, पटना का निवासी है और वर्तमान में ढल्रएऊके सरकारी आवास, बेगूसराय में कार्यरत था।

बिहारः जल-जीवन-हरियाली अभियान बना पर्यावरण संरक्षण की मिसाल, 4 करोड़ से ज्यादा पौधे लगे

पटनाः बिहार सरकार की ओर से जल संरक्षण, पर्यावरण संतुलन और कृषि विकास को लेकर चलाया जा रहा ह्लजल-जीवन-हरियालीह्व अभियान राज्य में हरियाली और जल स्रोतों के संरक्षण के लिए एक मजबूत पहल साबित हो रहा है। इस अभियान की शुरूआत मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने 2 अक्टूबर 2019 को की थी। इसका मुख्य उद्देश्य जल संसाधनों का संवर्धन, पर्यावरण को हरा-भरा बनाना और कृषि को बढ़ावा देना है। वित्तीय वर्ष 2025-26 में इस अभियान को और मजबूती देने के लिए योजना एवं विकास विभाग द्वारा पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग को 528.87 करोड़ रुपये की राशि प्रदान की गई है। इसमें से 462.87 करोड़ रुपये की राशि राज्य योजनाओं पर खर्च की जाएगी, जबकि शेष राशि केंद्र और राज्य हिस्से की केंद्रीय योजनाओं के लिए रखी गई है। पिछले वर्ष 2024-25 में भी विभाग को 517.28 करोड़ रुपये का बजट मिला था, जिससे ह्यहर खेत सिंचाई का पानीह्न, वृक्षारोपण, मृदा संरक्षण और गारलैंड ट्रेंच जैसी योजनाएं चलाई गईं। जल जीवन हरियाली अभियान के अंतर्गत विभाग के द्वारा वन एवं वन से बाहर भूमि पर व्यापक पैमाने पर वृक्षारोपण कराया जा रहा है। इसी दौरान मुख्यमंत्री निजी पौधशाला और कृषि वानिकी जैसी योजनाओं के जरिए बड़े पैमाने पर पौधारोपण हुआ। वर्तमान में चतुर्थ कृषि रोड मैप (2023-28) के तहत 20 करोड़ पौधे लगाने का लक्ष्य है। वर्ष 2024-25 में 4.68 करोड़ पौधारोपण का लक्ष्य रखा गया था,

भारत-पाक के बीच परमाणु युद्ध हुआ तो कुछ न बचेगा!

>> विचार

> "इतिहास बताता है कि युद्ध मानव समाज का एक स्थायी भाव रहा है। प्राचीन भारत में मौर्य, गुप्त और चोल साम्राज्य युद्धों के माध्यम से ही बने और बढ़े। मौर्य सम्राट अशोक ने कलिंग युद्ध के बाद युद्ध की विभीषिका देख कर बौद्ध धर्म अपनाया और शांति का रास्ता चुना। समुद्रगुप्त ने उत्तर से दक्षिण तक विजयों की श्रृंखला से तो चोलों ने समुद्री युद्धों से दक्षिण-पूर्व एशिया में भारत का प्रभाव स्थापित किया। लेकिन हर साम्राज्य की नींव में लाखों लाशें और उजड़ी बस्तियाँ होती हैं। 8वीं से 10वीं सदी तक चला त्रिपक्षीय युद्ध (पाल, प्रतिहार, राष्ट्रकूट) इसका सबसे जीवंत उदाहरण है। लगभग 200 वर्षों तक कन्नौज पर कब्ज़े के लिए तीनों शक्तियाँ लड़ती रहीं।

पंकज श्रीवास्तव

जब भी भारत पर कोई आतंकी हमला होता है, मीडिया और सोशल मीडिया पर पाकिस्तान से युद्ध के नगाड़े बजने लगते हैं। पहलगाम हमले के बाद भी यही हुआ। युद्ध की बातें इस तरह हो रही हैं जैसे भारत और पाकिस्तान की सेनाएँ सीमा पर आमने-सामने खड़ी हों और किसी भी क्षण बम बरसने लगेंगे। लेकिन क्या युद्ध का रास्ता इतना आसान है? क्या परमाणु हथियारों से लैस देशों के बीच युद्ध के नतीजों पर नहीं सोचना चाहिए? भारत और पाकिस्तान के पास 150 से अधिक परमाणु हथियार हैं। ऐसे में एक छोटी सी चूक भी महाविनाश की वजह बन सकती है। परमाणु युद्ध की कल्पना ही भयावह है- दिल्ली, कराची, इस्लामाबाद और मुंबई जैसे शहर मिनटों में राख में बदल सकते हैं। पहले ही दिन करोड़ों मौतें, उसके बाद 'न्यूक्लियर विंटर' और वैश्विक अकाल। यह केवल उपमहाद्वीप नहीं, पूरी मानव सभ्यता के लिए ख़तरा होगा।

युद्ध की परंपरा : इतिहास बताता है कि युद्ध मानव समाज का एक स्थायी भाव रहा है। प्राचीन भारत में मौर्य, गुप्त और चोल साम्राज्य युद्धों के माध्यम से ही बने और बढ़े। मौर्य सम्राट अशोक ने कलिंग युद्ध के बाद युद्ध की विभीषिका देख कर बौद्ध धर्म अपनाया और शांति का रास्ता चुना। समुद्रगुप्त ने उत्तर से दक्षिण तक विजयों की श्रृंखला से तो चोलों ने समुद्री युद्धों से दक्षिण-पूर्व एशिया में भारत का प्रभाव स्थापित किया। लेकिन हर साम्राज्य की नींव में लाखों लाशें और उजड़ी बस्तियाँ होती हैं। 8वीं से 10वीं सदी तक चला त्रिपक्षीय युद्ध (पाल, प्रतिहार, राष्ट्रकूट) इसका सबसे जीवंत उदाहरण है। लगभग 200 वर्षों तक कन्नौज पर कब्ज़े के लिए तीनों शक्तियाँ लड़ती रहीं। अंततः तीनों कमज़ोर हुईं और तुर्क आक्रमणकारियों के लिए भारत के द्वार खुल गए।

विश्व युद्धों की सीख : 20वीं सदी में जब युद्ध आधुनिक हथियारों से लड़े गए, तो मानवता की पीड़ा चरम पर पहुँच गई। प्रथम विश्व युद्ध ने लगभग डेढ़ करोड़ लोगों को निगल लिया, और द्वितीय विश्व युद्ध में यह संख्या आठ करोड़ तक पहुँची। हिरोशिमा और नागासाकी पर हुए परमाणु हमले इस विनाश की पराकाष्ठा थे। इन हमलों ने दुनिया को यह अहसास कराया कि युद्ध अब केवल सेनाओं की भिड़ंत नहीं रह गया, यह पूरी मानवता का संकट बन चुका है।

भारत-पाक युद्ध और परमाणु संकट : भारत और पाकिस्तान की सैन्य ताक़तों की तुलना करें तो भारत स्पष्ट रूप से आगे है- 14 लाख सैनिक, आधुनिक मिसाइलें, और सात गुना ज़्यादा सैन्य बजट। फिर भी, पाकिस्तान के पास भी परमाणु हथियार हैं, और यही संतुलन युद्ध को रोकता रहा है। लेकिन जब युद्धोन्माद राजनीतिक लाभ का साधन बन जाए तो स्थिति विस्फोटक हो जाती है। हाल ही में पाकिस्तान के रक्षा मंत्री द्वारा यह स्वीकार करना कि उनके देश ने दशकों तक आतंकवादियों को प्रशिक्षण और समर्थन दिया, इस बात की पुष्टि करता है कि भारत की चिंताएँ निराधार नहीं हैं। लेकिन क्या इसका जवाब युद्ध है?

चंद्रशेखर की चेतावनी : 13 दिसंबर 2001 को जब संसद पर आतंकी हमला हुआ था, तब भी युद्ध की बातें होने लगी थीं। लेकिन संसद में खड़े होकर पूर्व प्रधानमंत्री चंद्रशेखर ने चेताया था कि 'लड़ाई ख़तरनाक खेल होती हैङ्घ इससे सबका विनाश हो जाएगा।' बीजेपी सांसदों ने तब उनके भाषण के बीच काफी टोका-टाकी की थी, फिर भी उन्होंने कहा, ' अगर सरकार युद्ध का फ़ैसला करती है तो करे, लेकिन मैं अकेला होते हुए भी युद्ध का विरोध करता रहूँगा। चंद्रशेखर के भाषण को तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने चुपचाप सुना और इतिहास बताता है कि बात युद्ध तक नहीं पहुँची। चंद्रशेखर की चेतावनी को आज भी याद करने की ज़रूरत है। युद्ध कभी भी समाधान नहीं होता। यह तो आख़िरी विकल्प है, जब कोई रास्ता न बचे।

महाभारत से आज तक: युद्ध की निरर्थकता : महाभारत एक आदर्श उदाहरण है। पांडवों को इस महासमर में जीत तो मिली, लेकिन सब कुछ तबाह हो गया। सौ कौरव भाई ही नहीं, पाँचों पांडवों के पुत्र भी मारे गए और युधिष्ठिर के मन में केवल शून्यता बची। शांतिपर्व में कहा गया है-

"न युद्धात् परमं किंचिद् युद्धं सर्वं न संनादति।
युद्धेन संनादति सर्वं तस्माद् युद्धं परित्यजेत्।
- महाभारत, शांतिपर्व (12.101.24)

(युद्ध से बढ़कर कोई आपदा नहीं; युद्ध सब कुछ नष्ट कर देता है। इसलिए युद्ध का परित्याग करना चाहिए।)

आज जब भारत-पाक संबंधों में फिर तनाव है, तब ज़रूरत है संयम की, विवेक की। पाकिस्तान को सबक़ ज़रूर सिखाया जाना चाहिए, लेकिन वह सबक़ युद्ध नहीं, राजनय, अंतरराष्ट्रीय दबाव और विकास की प्रतिस्पर्धा से सिखाया जा सकता है। हमारी सभ्यता की परीक्षा तब होती है जब हम उकसावे में आए बिना, अपने मूल्यों को बनाए रखते हुए, टिके रहें। युद्ध नहीं, शांति ही असली शक्ति है।

संपादकीय

युद्ध के कगार पर

इसमें दो राय नहीं कि जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले में चुन-चुनकर मारे गए 26 लोगों की मौत ने पूरे देश के अंतर्मन को झकझोरा है। साथ ही इस घटनाक्रम से उपजे आक्रोश ने सरकार पर आतंकियों व उनके आकाओं को सबक सिखाने का दबाब भी बनाया है। जिसके चलते दोनों देशों की तरफ से तल्ख बयानबाजी का जो दौर शुरू हुआ, वो थमने का नाम नहीं ले रहा है। जिसने दोनों देशों के संबंधों को निचले स्तर तक पहुंचा दिया है। जवाबी कार्रवाई के दबाव में स्थितियां खतरनाक स्थिति की तरफ बढ़ गई है। दोनों देशों की सीमाओं में तनाव तेजी से बढ़ रहा है। तीखी बयानबाजी के बीच सैन्य ताकत को बढ़ाने के दावे किए जा रहे हैं। लगातार चिंताजनक होती स्थिति के बीच संयुक्त राष्ट्र संघ की तरफ से बयान आया है। दोनों पक्षों को अधिकतम संयम बरतने की सलाह दी गई है। साथ ही कहा गया है कि तनाव का स्तर कम करने की कोशिश की जाए। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस का हस्तक्षेप और सुरक्षा परिषद के बंद कमरे में हुआ सलाह-मशविरा अंतर्राष्ट्रीय जगत की चिंता को ही रेखांकित करता है। निस्संदेह, संयुक्त राष्ट्र महासचिव की चेतावनी महज कूटनीतिक बयानबाजी नहीं है। निश्चित रूप से यह परमाणु हथियारों से लैस दो पड़ोसियों के बीच संघर्ष को टालने की महत्वपूर्ण कोशिश है। हालांकि, पाकिस्तान ने इस मुद्दे को संयुक्त राष्ट्र की सुरक्षा परिषद में ले जाकर भारत के खिलाफ माहौल बनाने का उपक्रम किया था। लेकिन वैश्विक मूड हस्तक्षेप के बजाय तनाव कम करने पर केंद्रित नजर आया। इसमें दो राय नहीं कि अब तक भारत की ओर संयमित प्रतिक्रिया ने स्थिति को और बिगड़ने से रोकने में मदद ही की है। हालांकि, दंडात्मक कार्रवाई के लिये देश के भीतर बढ़ती मांग ने दिल्ली पर सैन्य विकल्पों पर विचार करने का दबाव जरूर डाला है। हालांकि देश के दीर्घकालीन हितों के मद्देनजर कूटनीतिक प्रयासों से समस्या के समाधान की कोशिश की जानी चाहिए। लेकिन इस हकीकत को नजरअंदाज नहीं किया जाता कि आंतरिक दबाव के चलते यदि सैन्य विकल्पों को प्राथमिकता दी जाती है, तो कालांतर इससे क्षेत्र में व्यापक संघर्ष की शुरुआत हो सकती है। यह भी एक हकीकत है कि ऐसे मौके पर जब आतंकवादियों के क्रूर हमले में मारे गए लोगों के परिवार शोकाकुल हैं और जनता आक्रोशित है, संयम का आह्वान किसी को रास नहीं आएगा। लेकिन हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि बड़े पैमाने पर संघर्ष को बढ़ावा देना कल्पना से अधिक तबाही ला सकता है। एक सैन्य टकराव न केवल इस उपमहाद्वीप को अपनी गिरफ्त में ले सकता है, बल्कि दशकों तक इस क्षेत्र को अस्थिर भी बनाये रख सकता है। विगत का अनुभव हमें याद कराता है कि भारत और पाकिस्तान के बीच होने वाले युद्ध से न केवल जन-धन की व्यापक क्षति होती है बल्कि साथ में कूटनीतिक अलगाव और आर्थिक झटके भी मिलते हैं। इन हालात में यह जरूरी है कि दोनों देश बैक चैनल के जरिये कूटनीतिक प्रयास करें तथा विश्वास निर्माण के उपायों के लिए फिर से प्रतिबद्धता दिखाएं। वैश्विक समुदायों, खासकर संयुक्त राष्ट्र और अमेरिका व चीन जैसे प्रमुख अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ियों को बयानों से आगे बढ़कर तनाव को बढ़ने से रोकने के लिये सक्रिय रूप से मध्यस्थता करनी चाहिए। हमें यह याद रखना चाहिए कि कश्मीर का सैन्य समाधान अतार्किक ही कहा जाएगा। एकमात्र वास्तविक समाधान निरंतर बातचीत में निहित है। दरअसल, आज अशांति के मूल कारणों को संबोधित करने की जरूरत है। पहली जरूरत इस बात की है कि शांति को नुकसान पहुंचाने वाले आतंकी नेटवर्क को नेस्तनाबूद किया जाए। इतिहास गवाह है कि युद्ध शांति का विकल्प कभी नहीं हो सकता। वहीं दूसरी ओर पड़ोसी कितना भी बुरा क्यों न हो भौगोलिक रूप से हम उसे बदल नहीं सकते। बुराई में अच्छाई की तलाश से स्थिति सामान्य बनाये रखने की कोशिश की जानी चाहिए। युद्ध की आकांक्षा रखने वाले लोगों को भी सोचना चाहिए कि कहीं न कहीं अंत में युद्ध की कीमत आम आदमी को ही प्रत्यक्ष व परोक्ष रूप से चुकानी पड़ती है।

पोक पर कैसे किया पाकिस्तान ने क़ब्ज़ा?

पंकज श्रीवास्तव

पोक का ऐतिहासिक पृष्ठभूमि की कहानी 19वीं सदी से शुरू होती है, जब 1846 की अमृतसर संधि के तहत महाराजा रणजीत सिंह के सिपहसालार रहे गुलाब सिंह ने 75 लाख नानकशाही सिक्कों के बदले ब्रिटिश ईस्टइंडिया कंपनी से जम्मू-कश्मीर रियासत खरीदी। इसमें जम्मू, कश्मीर, लद्दाख, गिलगित, और बाल्टिस्तान शामिल थे। यह इतिहास का एक दुर्लभ उदाहरण था, जब एक राज्य बिना जनता की राय के खरीदा गया।पहले सिख-अंग्रेज़ युद्ध के बाद गुलाब सिंह ने पाला बदला था। 1947 में जब भारत आजाद हुआ, तब गुलाब सिंह के वंशज, महाराजा हरि सिंह, इस रियासत के शासक थे। हरि सिंह के सामने तीन विकल्प थेः भारत में शामिल होना, पाकिस्तान में जाना, या स्वतंत्र रहना। वे स्विट्जरलैंड जैसा स्वतंत्र देश बनाने का सपना देख रहे थे। लेकिन अक्टूबर 1947 में पाकिस्तान समर्थित कबायली हमलावरों ने, सेना की मदद से, कश्मीर पर धावा बोल दिया। हरि सिंह की सेना असमर्थ थी। भारत से मदद माँगने पर जवाहरलाल नेहरू और सरदार पटेल ने स्पष्ट किया कि पहले विलय पत्र पर हस्ताक्षर जरूरी हैं। 26 अक्टूबर 1947 को हरि सिंह ने विलय पत्र पर हस्ताक्षर किए, और जम्मू-कश्मीर भारत का हिस्सा बना। इसके बाद शुरू हुआ भारत-पाक युद्ध, जो 1 जनवरी 1949 को संयुक्त राष्ट्र के युद्धविराम के साथ खत्म हुआ। नतीजा? जम्मू-कश्मीर का बंटवारा। पाकिस्तान ने 78,000 वर्ग किलोमीटर पर कब्जा रखा, जो आज ढङ्क के रूप में जाना जाता है। यह क्षेत्र दो हिस्सों में बंटाः जम्मू और कश्मीर, जो 13,297 वर्ग किलोमीटर में फैला है, और गिलगित-बाल्टिस्तान, जो 72,871 वर्ग किलोमीटर में है। भारत इसे अवैध कब्जा मानता है, क्योंकि पूरा जम्मू-कश्मीर कानूनी तौर पर भारत में विलय हो चुका था।

पोक की वर्तमान स्थिति : पेक की प्रशासनिक स्थिति जटिल है। उसकी राजधानी मुजफ्फराबाद है और1974 के अंतरिम संविधान के तहत चलता है। यहाँ एक राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, और 49 सीटों वाली विधानसभा है। कागजों पर यह अर्ध-स्वायत्त है, लेकिन वास्तव में सारी शक्ति इस्लामाबाद के पास है। गिलगित-बाल्टिस्तान, जिसे 2009 तक उत्तरी क्षेत्र कहा जाता था, और भी कम स्वायत्त है। यहाँ 33 सीटों वाली विधानसभा और एक मुख्यमंत्री हैं, लेकिन पाकिस्तान की सेना और नौकरशाही का दबदबा है। मानवाधिकार संगठन बोलने की आजादी और विरोध पर पाबंदियों की शिकायत करते हैं। स्थानीय लोग इसे 'आजाद' के बजाय 'गुलाम कश्मीर' कहते हैं। पोक की 60 लाख की आबादी है जिसमें 20 लाख गिलगित-बाल्टिस्तान में- हाल के वर्षों में आर्थिक उपेक्षा, बिजली की कमी, और मानवाधिकार हनन के खिलाफ प्रदर्शन बढ़े हैं। यूनाइटेड कश्मीर पीपल्स नेशनल पार्टी जैसे समूह अधिक स्वायत्तता या भारत में शामिल होने की माँग करते हैं, क्योंकि वे भारत के जम्मू-कश्मीर को फलता-फूलता देखते हैं। लेकिन सभी भारत के पक्ष में नहीं हैं-कुछ स्वतंत्रता चाहते हैं, तो कुछ पाकिस्तान के प्रति वफादार हैं।

भारत का रुख स्पष्ट है : पोकभारत का अभिन्न हिस्सा है, जिस पर पाकिस्तान का अवैध कब्जा है। 22 फरवरी 1994 को संसद ने सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित कर पाकिस्तान से ढङ्क और अक्साई चिन खाली करने की माँग की। जम्मू-कश्मीर विधानसभा में 24 सीटें और लोकसभा में 7 सीटें ढङ्क के लिए आरक्षित हैं, जो भारत के संकल्प का प्रतीक हैं।

एकीकरण की संभावनाएं : पोक को भारत में शामिल करना आसान नहीं। तीन रास्ते संभव हैं। पहला, कूटनीति-भारत संयुक्त राष्ट्र जैसे मंचों पर दबाव डाल सकता है, लेकिन चीन, जो गिलगित-बाल्टिस्तान से चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारा चला रहा है, इसे जटिल बनाता है। दूसरा, सैन्य कार्रवाई-भारत की सेना सक्षम है, लेकिन युद्ध जोखिम भरा है, खासकर परमाणु हथियारों की मौजूदगी में। तीसरा, स्थानीय विद्रोह-ढङ्क में असंतोष बढ़ रहा है, और भारत इसे समर्थन दे सकता है, लेकिन पाकिस्तान इसका विरोध करेगा। कूटनीति सबसे व्यवहारिक रास्ता है, जिसमें भारत जम्मू-कश्मीर के विकास को प्रदर्शित कर ढङ्क के लोगों का दिल जीत सकता है। पाक अधिकृत कश्मीर न केवल एक भू-राजनीतिक चुनौती है, बल्कि उन 60 लाख लोगों की जमीन भी है जो शांति और प्रगति चाहते हैं। 1947 का बंटवारा और भारत का अटल संकल्प इसे विभाजन और उम्मीद का प्रतीक बनाते हैं। युद्ध अंतिम रास्ता है, लेकिन कूटनीति और विकास के जरिए भारत पोक के लोगों का विश्वास जीत सकता है। यह राह लंबी और कठिन है, लेकिन दृढ़ इच्छाशक्ति से असंभव कुछ भी नहीं। पोक का भविष्य भारत और पाकिस्तान के फैसलों पर टिका है, और इसमें शांति की जीत ही सबसे बड़ी उम्मीद है।

रीढ़विहीन अफसरशाही: सिद्धरमैया से लेकर कांवड़ यात्री का पैर धोने वाले अधिकारी तक

एन.के. सिंह

कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने एक सार्वजानिक-सभा में भाषण दे रहे थे. बीच में अचानक भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता नारे लगाने लगे. यह बात राज्य के इस सबसे बड़े जन-प्रतिनिधि को इतनी नागवार गुज़री कि तत्काल आदेश दिया कि जो भी वरिष्ठ पुलिस अधिकारी मौजूद हैं, फ़ौरन मंच पर आयें. सुरक्षा के लिए तैनात एक एसीपी पूरी संजीदगी के साथ मंच पर आ कर सीएम साहेब को सैल्यूट किया लेकिन सैल्यूट का जबाव सीएम ने अपना दाहिना हाथ खींच कर थप्पड़ मारने के भाव से दिया। अधिकारी को प्रशासनिक सेवा की ट्रेनिंग में कानून-व्यवस्था के इस अध्याय से परिचित नहीं कराया गया था लिहाज़ा थोडा पीछे हुआ. मुख्यमंत्री की भावभंगिमा के प्रतिकार की आशंका से उनका सिक्यूरिटी अफसर अचानक बगल में आया तब इस "जननेता" को अहसास हुआ कि कैमरा लगा है और हजारों की भीड़ उनके उग्र भाव को देख रही है. हाथ पीछे आया. लेकिन लौटने के बाद मुख्यमंत्री उस अधिकारी की "अक्षमता" पर क्या प्रतिक्रिया देंगे यह अभी पता नहीं चला है। स्थाई कार्यपालिका की नियति में हीं इसकी दुर्गति है. जरा सोचें. इस वर्ग से (जिसे ब्रिटिश काल में आईसीएस) कहा जाता था, सन 1922 में ब्रिटिश प्रधानमंत्री जॉर्ज लोयेड इनकी "क्षमता" से इतने खुश थे कि ब्रिटिश संसद में बोलते हुए इन्हें "स्टीलफ्रेम" की संज्ञा से नवाजा. यह वह काल था जब गांधी अंग्रेजों के खिलाफ जनाक्रोश सडकों पर लाने में अद्भुद रूप से सफल हो रहे थे. याने शोषणकारी औपनिवेशिक व्यवस्था में भी "आकाओं" को खुश करना इनकी भी मौलिक फितरत हो चुकी थी। भारतीय आईसीएस का एक बड़ा वर्ग भी आजादी की लड़ाई को दबाने में उसी

शिद्दत से लगा था. आजादी की औपचारिक घोषणा के पूर्व की अंतरिम सरकार में नेहरु इन आईसीएस अधिकारियों से छुटकारा चाहते थे. संविधानसभा में भी इनके खिलाफ माहौल था. लेकिन पटेल इस छोटे से काल इनकी साथ काम करने का अनुभव संविधानसभा में साझा करते हुए कहा "जिन यंत्रों के साथ काम करना हो उन्हें बिगाड़ते नहीं हैं". जाहिर है उनको भी उतना भरोसा नहीं था। लेकिन ढाई साल इनके साथ काम करने के बाद पटेल ने एक सवाल के जवाब में उसी सभा में 10 अक्टूबर, 1949 को कहा, "मैं पिछले कुछ समय से इनके साथ काम कर रहा हूँ. मैं अपने अनुभव के आधार पर पूरी संजीदगी से कह सकता हूं कि "लॉयल्टी" की बात हो या "देशभक्ति" की, या फिर जिम्मेदारी की, यह अधिकारी वर्ग हम राजनीतिक लोगों से कहीं कम नहीं हैं. सच पूछिए तो इन तीन वर्षों में मैंने पाया कि इनका विकल्प नहीं है और अगर इन्होने निष्ठा और प्रतिबद्धता से काम न किया होता तो यह यूनियन ढह चुका होता। पटेल के कार्यकाल में हीं आल इंडिया सर्विस की अवधारणा के तहत आइएएस और आईपीस कैडर्स तैयार किया गया. इन सेवा में तीसरा वर्ग है इंडियन फारेस्ट सर्विस का. बाकि सारी सेवाएं यहाँ तक कि इंडियन फॉरेन सर्विस (आईएफएस) भी सेंट्रल सर्विसेज में आती हैं। हमने इमरजेंसी में भी इन अफसरों की भूमिका देखी जो सत्ता में बैठे आकाओं के लिए सब कुछ करने को तत्पर रहे. मोदी ने सन 2014 में सत्ता हासिल की तो पहला काम किया अपने राजनीतिक सहयोगियों याने सीनियर मंत्रियों तक को किनारे कर अफसरशाही का सहारा लेना. आज पीएमओ में बैठे चंद अधिकारियों की दहशत से बड़े से बड़ा भाजपा सीएम भी घबराता है।

लोयड से पटेल से मोदी तक : अगर किसी संस्था की तारीफ औपनिवेशिक शासन के ब्रिटिश पीम से लेकर आजाद नए भारत का एचएम करे तो इससे एक बात तो साफ़ है। अफसरों को "अक्काओं" के हुक्म बजा लाने में महारथ हासिल है. ईडी से लेकर आईटी तक और सीबीआई से लेकर थाने के दरोगा तक अपनी रीढ़ गिरवी रख चुके हैं किसी नेता के घर ताकि पोस्टिंग अच्छे मिले और ट्रान्सफर मन माफिक हो. । कर्नाटक की उपरोक्त छोटी सी घटना बताती है कि देश के प्रशासनिक ढांचे को शक्ति-असंतुलन के दीमक ने कितना खोखला कर दिया है. लेकिन इसमें एक पक्ष झराजनीतिक कार्यपालिका झ हीं दोषी नहीं है. इन आकाओं को खुश करने के लिए ये अधिकारी बुलडोजर से गिरे मकान और आर्तनाद करती महिलाओं-बच्चों की फोटो अपने सीएम के साइट पर अपलोड करते हैं. बच्चों को स्कूल में मिड-डे मील में चावल और नमक खिलाये जाने की फोटो और खबर प्रकाशित करने वाले पत्रकार को यही अफसर सत्तादल को खुश करने के लिए संगीन दफाओं में महीनों जेल में रखते हैं। अफसरों को ज्वाइन करने के समय संविधान और कानून के अनुरूप काम करने की शपथ लेनी होती है लेकिन 75 सालों में अच्छी पोस्टिंग का लालच और ट्रान्सफर का डर इनकी नैतिक रीढ़ तोड़ चुका है. नतीजतन उत्तर प्रदेश में एक एसपी मीडिया बुलाकर एक कांवड़ यात्री के पैर धोता है और विडियो को सीएम ऑफिस को भेज देता है. होड़ में एक डीएसपी होली पर मुसलमानों को आदेश देता है कि रंग से ऐतराज है तो घर में बैठें लेकिन उस राज्य का सीएम ईद के अवसर ऐलान करता है कि सड़क नमाज पढ़ने की जगह नहीं है. अगले दिन एसपी/डीएसपी को शाबासी मिलती है. तो थप्पड़ को जलालत क्यों मानें?

स्वामित्वाधिकारी, मुद्रक और प्रकाशक व संपादक सरोज चौधरी द्वारा विजय प्रेस, नया टोला पटना से मुद्रित तथा 302, मां तारा कंपलेक्स, नारायण मूर्ति पथ, नागेश्वर कॉलोनी, बोरिंग रोड पटना से प्रकाशित! संपादक सरोज चौधरी, R.N.I. No:- BIHHIN/ 2016/72168

संक्षिप्त समाचार

सदर अस्पताल में विशेषज्ञ व अति विशेषज्ञ के चिकित्सकों के ओपीडी का सिविल सर्जन ने किया उद्घाटन

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

देवघर.आज सदर अस्पताल में विशेषज्ञ/अति विशेषज्ञ चिकित्सकों के ओ पी डी का उदघाटन संयुक्त रूप से जिले के सिविल सर्जन डॉ जुगल किशोर चौधरी एवं उपाधीक्षक सदर अस्पताल देवघर डॉ प्रभात रंजन के द्वारा किया गया।ज्ञात हो कि विभागीय माननीय मंत्री एवं अपर मुख्य सचिव के निर्देश पर सभी जिला अस्पतालों में विशेषज्ञ और अति विशेषज्ञ चिकित्सकों को आयुष्मान भारत ,मुख्यमंत्री मंत्री जन आरोग्य योजना के तहद उपार्जित राशि से भुगतान करते हुए उनकी सेवा बहाल करनी है।इस निर्देश के आलोक में सिविल सर्जन देवघर द्वारा त्वरित पहल किया गया और पांच विशेषज्ञ एवं अति विशेषज्ञ चिकित्सकों से बात कर सप्ताह में एक दिन सदर अस्पताल के ओ पी डी में उनकी सेवा ली जाएगी।जिन चिकित्सकों द्वारा उनकी सेवा दी जानी है उनका रोस्टर निम्न है 1 डॉ अभिनव कुमार ,नेफ्रोलॉजी(किडनी की बीमारियों से संबंधित इलाज)प्रत्येक सोमवार को अपनी सेवा देंगे। 2 डॉ बिपिन सिन्हा,कार्डियोलॉजी(हृदय रोग से संबंधित इलाज)प्रत्येक मंगलवार 3 डॉ शिवांगी,न्यूरोलॉजी(नस रोग से संबंधित इलाज)प्रत्येक बुधवार 4 डॉ मृगांक कुमार सिंह,यूरोलॉजी(गुर्दे,मूत्राशय, प्रोस्टेट से सम्बन्धित इलाज)प्रत्येक गुरुवार 5 डॉ ब्रजेश कुमार,न्यूरोसर्जन(नस से सम्बन्धित शल्य चिकित्सा)प्रत्येक शनिवार इन पांच चिकित्सकों में तीन चिकित्सक देवघर के है जबकि एक चिकित्सक धनबाद एवं एक जमुई जिले से आ कर अपनी सेवा देंगे।आज उदघाटन के दिन डॉ शिवांगी न्यूरोलॉजी का ओ पी डी था उन्होंने आज पांच मरीजों का इलाज किया।सदर अस्पताल के सामान्य ओ पी डी से मरीजों को संबंधित विशेषज्ञ के लिए रेफर करेंगे फिर उस मरीज को उपाधीक्षक द्वारा देख कर की किस विशेषज्ञ ,अति विशेषज्ञ चिकित्सक से उनकी इलाज की जरूरत है उनके पास इलाज के लिए भेजा जाएगा।आयुष्मान भारत योजना के जिला नोडल पदाधिकारी डॉ शरद कुमार द्वारा आज से शुरू किए गए ओ पी डी में मरीजों और चिकित्सकों के बीच सामंजस्य बैठाते हुए बेहतर इलाज एवं चिकित्सकों की सुविधा से संबंधित सभी पहलू पर नजर रखी जा रही थी।सिविल सर्जन ने कहा कि संथाल परगना प्रमंडल में देवघर पहला जिला है जहां आज से ऐसी व्यवस्था लागू की गई है।उन्होंने कहा कि उनका प्रयास होगा कि बेहतर इलाज एवं विभागीय आदेश को बेहतर तरीके से जन जन तक पहुंचाया जा सके।डॉ प्रभात रंजन ने कहा कि यह एक अनूठा प्रयास है जिसको फलीभूत करना हमारी जिम्मेदारी है।डॉ शरद कुमार ने कहा कि आयुष्मान लाभुक मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी,आयुष्मान लाभुक मरीज जो भर्ती होंगे उन्हें सभी चिकित्सीय सुविधा मुफ्त दी जाएगी और उनके इलाज से जो राशि बीमा कंपनी द्वारा अस्पताल को प्राप्त होगी उस राशि से विशेषज्ञ चिकित्सकों को उनकी राशि दी जाएगी।

भूरकुंडा गांव में पूर्व पैक्स अध्यक्ष के घर पर असामाजिक तत्वों का हमला

पथराव में दो घायल, गांव में तनाव का माहौल

रिपोर्ट - अमरेन्द्र कुमार सिंह

गोह (औरंगाबाद)गोह थाना क्षेत्र के भूरकुंडा गांव में बुधवार की पूर्वाह्न करीब 10 बजे उस समय सनसनी फैल गई जब दर्जनों की संख्या में असामाजिक तत्वों ने पूर्व पैक्स अध्यक्ष बिनय कुमार सिंह के घर पर अचानक हमला कर दिया। हमलावर लाठी-डंडे से लैस थे और उन्होंने घर पर करीब एक घंटे तक जमकर पथराव किया। इस हिंसक घटना में पूर्व पैक्स अध्यक्ष के चचेरे भाई अनिल सिंह और गांव के ही राजेश वर्मा के पुत्र नीरज कुमार घायल हो गए। ग्रामीणों ने घायलों को तुरंत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, गोह पहुंचाया, जहां प्राथमिक इलाज के बाद चिकित्सकों ने अनिल सिंह की गंभीर स्थिति को देखते हुए बेहतर इलाज के लिए गया रेफर कर दिया। वहीं नीरज कुमार का इलाज स्थानीय स्तर पर जारी है। पूर्व अध्यक्ष बिनय कुमार सिंह ने पुलिस को दिए अपने बयान में बताया कि हमलावारो के द्वारा रंगदारी मागने का आरोप लगाया गया है इसी रंजिश को लेकर गांव के 20 से 25 लोगों, जो सभी पासवान जाति से बताए जा रहे हैं, ने बुधवार को उनके घर पर हमला कर दिया। पथराव के दौरान घर की खिड़कियां, दरवाजे, छत की चादरें और घर के बाहर खड़ी चार पहिया वाहन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए। वहीं, सिवाला मोड़ के समीप खड़ी बुचानू सिंह उर्फ अमरेंद्र कुमार सिंह की पिकअप वैन पर भी पत्थरबाजी की गई, जिससे उसका शीशा टूट गया और वाहन क्षतिग्रस्त हो गया। घटना की सूचना मिलते ही गोह थानाध्यक्ष मो. इमरान दल-बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस की गाड़ी देखकर हमलावर मौके से फरार हो गए। थानाध्यक्ष ने बताया कि घर में लगे सीसीटीवी कैमरे की फुटेज जब्त कर ली गई है और उसकी जांच की जा रही है। उन्होंने कहा कि पीड़ित पक्ष के बयान के आधार पर नामजद एफआईआर दर्ज की जा रही है और आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी की जाएगी। घटना के बाद गांव में तनाव का माहौल व्याप्त है। किसी अप्रिय घटना की पुनरावृत्ति न हो, इसके लिए पुलिस की तैनाती की गई है और गांव में लगातार गश्ती की जा रही है। इस घटना को लेकर ग्रामीणों में आक्रोश है और लोग दोषियों की गिरफ्तारी की मांग कर रहे हैं। पूर्व पैक्स अध्यक्ष बिनय कुमार सिंह ने प्रशासन से मांग की है कि हमलावरों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई हो ताकि भविष्य में कोई इस तरह का दुस्साहस न कर सके।

नई दिल्ली-भागलपुर एवं अमृतसर-सहरसा के मध्य स्पेशल ट्रेन का परिचालन

साथ ही मुजफ्फरपुर और आनंद विहार के मध्य चलायी जा रही

03 जोड़ी स्पेशल ट्रेनों के परिवालन अवधि में विस्तार

हाजीपुर: ग्रीष्मकालीन अवकाश के अवसर पर यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ के मद्देनजर रेलवे द्वारा कई स्पेशल ट्रेनों का परिचालन किया जा रहा है । इसी कड़ी में और 02 जोड़ी स्पेशल ट्रेनों का परिचालन किया जा रहा है जिनका विवरण निम्नानुसार है - 1. गाड़ी संख्या 04068/04067 नई दिल्ली-भागलपुर-नई दिल्ली स्पेशल (डीडीयू-पटना- किउल-जमालपुर के रास्ते): गाड़ी संख्या 04068 नई दिल्ली-भागलपुर स्पेशल 11 मई से 09 जुलाई, 2025 तक प्रत्येक रविवार एवं बुधवार को नई दिल्ली से 14.00 बजे खुलकर अगले दिन 02.50 बजे डीडीयू, 07.30 बजे पटना एवं 10.40 बजे किउल सहित अन्य स्टेशनों पर रूकते हुए 13.30 भागलपुर पहुंचेगी । वापसी में, गाड़ी संख्या 04067 भागलपुर-नई दिल्ली स्पेशल 12 मई से 10 जुलाई, 2025 तक प्रत्येक सोमवार एवं गुरूवार को भागलपुर से 14.30 बजे खुलकर 17.25 बजे किउल, 20.45 बजे पटना एवं अगले दिन 01.10 बजे डीडीयू सहित अन्य स्टेशनों पर रूकते हुए 14.30 बजे नई दिल्ली पहुंचेगी । 2. गाड़ी संख्या 04618/04617 अमृतसर-सहरसा-अमृतसर स्पेशल (बरौनी-हाजीपुर-छपरा-गोरखपुर-मुरादाबाद-यमुनानगर जगाधरी के रास्ते) : गाड़ी संख्या 04618 अमृतसर-सहरसा स्पेशल 12 मई से 08 जुलाई, 2025 तक प्रत्येक सोमवार एवं मंगलवार को अमृतसर से 20.10 बजे खुलकर अगले दिन 22.15 बजे हाजीपुर, 23.45 बजे बरौनी सहित विभिन्न स्टेशनों पर रूकते हुए तीसरे दिन 02.30 बजे सहरसा पहुंचेगी । वापसी में गाड़ी संख्या 04617 सहरसा-अमृतसर स्पेशल 14 मई से 10 जुलाई, 2025 तक प्रत्येक बुधवार एवं गरूवार को सहरसा से 04.40 बजे खुलकर 08.00 बजे बरौनी, 10.10 बजे हाजीपुर सहित विभिन्न स्टेशनों पर रूकते हुए अगले दिन 14.00 बजे अमृतसर पहुंचेगी । इसके साथ यात्रियों की सुविधा के मद्देनजर आनंद विहार और मुजफ्फरपुर के मध्य चलने वाली 03 जोड़ी स्पेशल ट्रेनों का परिचालन अवधि में विस्तार निम्नानुसार किया जा रहा है - 1. गाड़ी सं. 05283 मुजफ्फरपुर-आनंद विहार क्लोन स्पेशल - इसका परिचालन विस्तार करते हुए इसे अब 16 मई से 27 जून, 2025 तक प्रत्येक शुक्रवार को चलायी जाएगी । 2. गाड़ी सं. 05284 आनंद विहार-मुजफ्फरपुर क्लोन स्पेशल - इसका परिचालन विस्तार करते हुए इसे अब 17 मई से 28 जून, 2025 तक प्रत्येक शनिवार को चलायी जाएगी । 3. गाड़ी सं. 04030 आनंद विहार-मुजफ्फरपुर स्पेशल - वर्तमान में इस स्पेशल का परिचालन 17 मई, 2025 तक प्रत्येक मंगलवार एवं शनिवार को की जा रही है । इसका परिचालन विस्तार करते हुए इसे अब 20 मई से 08 जुलाई, 2025 तक प्रत्येक मंगलवार एवं शनिवार को चलायी जाएगी ।4. गाड़ी सं. 04029 मुजफ्फरपुर-आनंद विहार स्पेशल - वर्तमान में इस स्पेशल का परिचालन 18 मई, 2025 तक प्रत्येक बुधवार एवं रविवार को की जा रही है । इसका परिचालन विस्तार करते हुए इसे अब 21 मई से 09 जुलाई, 2025 तक प्रत्येक बुधवार एवं रविवार को चलायी जाएगी । 5. गाड़ी सं. 04018 आनंद विहार-मुजफ्फरपुर स्पेशल - वर्तमान में इस स्पेशल का परिचालन 29 मई, 2025 तक प्रत्येक गुरूवार को की जा रही है । इसका परिचालन विस्तार करते हुए इसे अब 05 जून से 10 जुलाई, 2025 तक प्रत्येक गुरूवार चलायी जाएगी ।6. गाड़ी सं. 04017 मुजफ्फरपुर-आनंद विहार स्पेशल - वर्तमान में इस स्पेशल का परिचालन 30 मई, 2025 तक प्रत्येक शुक्रवार को की जा रही है । इसका परिचालन विस्तार करते हुए इसे अब 06 जून से 11 जुलाई, 2025 तक प्रत्येक शुक्रवार चलायी जाएगी ।

रेल इतिहास में पहली दफा शेखपुरा से खुली ट्रेन, नवादा-गया होकर जाएगी दिल्ली

शेखपुरा जंक्शन से नई दिल्ली तक की रेल सेवा शुरू की गई है.

जमुई सांसद अरुण भारती ने हरी झंडी दिखाकर ट्रेन को रवाना किया.

रंजीत विद्यार्थी

शेखपुरा (मुंगेर) :भारतीय रेलवे ने बड़ा निर्णय लेते हुए शेखपुरा वासियों के लिए बड़ा सौगात दे दी है. किऊल-गया रेलखंड के शेखपुरा स्टेशन से दिल्ली के लिए सीधीट्रेन रवाना हुई. शेखपुरा के लोगों के बीच काफी उत्साह देखा जा रहा है. कहा जा रहा है कि देश में आजादी के बाद पहली बार यह निर्णय लिया गया है.

शेखपुरा से ट्रेन दिल्ली रवाना

शेखपुरा रेलवे स्टेशन पर मंगलवार की सुबह से ही नेताओं का तो जमघट लगा रहा. लोजपा आर के सांसद अरुण भारती ने हरी झंडी दिखाकर ट्रेन को शेखपुरा रेलवे स्टेशन से दिल्ली के लिए रवाना किया. इस मौके पर दानापुर रेल मंडल के सहायक वाणिज्य प्रबंधक प्रशांत कुमार और आरपीएफ के सहायक कमांडर जेएन राम भी मौजूद थे.-

जमुई सांसद ने ट्रेन को झंडी दिखाकर किया रवाना

शेखपुरा से नई दिल्ली के लिए पहली बार सीधी रेल सेवा शुरू हुई है. शेखपुरा के लोगों की काफी दिनों से मांग थी. भारतीय रेलवे ने गर्मियों के लिए यह विशेष सुपरफास्ट ट्रेन चलाई है जो सप्ताह में दो दिन मंगलवार और शुक्रवार को रवाना होगी.- अरुण भारती, सांसद, जमुई

पहले ही दिन सात घंटा विलंब से खुली ट्रेन

पहले ही दिन शेखपुरा से नई दिल्ली जाने वाली समर स्पेशल ट्रेन सात घंटा 32 मिनट विलंब से पहुंची और छह घंटा 39 मिनट विलंब से खुली. यात्री ब्रजकिशोर सिंह ने बताया कि उनका पटना जंक्शन से महाबोधि एक्सप्रेस में टिकट था जब उन्हें जानकारी मिला की शेखपुरा से सीधे दिल्ली तक ट्रेन खुल रही है. उन्होंने टिकट को कैंसिल कर इस ट्रेन में सफर करने को मन बनाएं. लेट पहुंचने से वे बेहद ही नाराज दिखे.,

हमसफर, बंदे भारत का हो ठहराव:

इस मौके पर स्थानीय विधायक विजय कुमार ने हमसफर, बंदे भारत और पुणे एक्सप्रेस ट्रेन के ठहराव को लेकर ने कहा कि इन मांगों को लेकर हमने पत्राचार किया है. वहीं राज्यसभा सांसद प्रतिनिधि सह भाजपा नेता विपिन मंडल ने कहा कि राज्यसभा सांसद शंभू शरण पटेल के द्वारा संसद भवन में तो रेलवे बोर्ड की बैठक में इन मांगों को उठाया जाता रहा है

नवादा-गया होकर जाएगी दिल्ली

बता दें कि यह सुपरफास्ट समर स्पेशल ट्रेन नवादा और गया होते हुए दिल्ली पहुंचेगी. इस ट्रेन का संचालन पहले सिर्फ गया से नई दिल्ली के बीच होता था, लेकिन यात्रियों की ओर से ही मांग की गई थी. उन्हीं की मांग को देखते हुए अब इसे शेखपुरा तक के लिए विस्तार कर दिया गया है.

ट्रेन की टाइमिंग

गाड़ी संख्या 04063 शेखपुरा-नई दिल्ली समर स्पेशल सुपरफास्ट ट्रेन 10 जुलाई 2025 तक हर मंगलवार और शुक्रवार को सुबह 7 बजे शेखपुरा से प्रस्थान करेगी. यह अगले दिन सुबह 3:15 बजे नई दिल्ली पहुंचेगी. दूसरी ओर, वापसी में गाड़ी संख्या 04064 नई दिल्ली-शेखपुरा ट्रेन 5 मई से 10 जुलाई 2025 तक हर सोमवार और गुरुवार को सुबह 9:30 बजे दिल्ली से प्रस्थान करेगी और अगले दिन सुबह 05 बजे शेखपुरा पहुंचेगी.

शहीद का पार्थिव शरीर पहुंचा गांव, उमरा जनसैलाब, पत्नी ने बच्चों के साथ नम आंखों से दी अंतिम विदाई

शव को चूमती रही पत्नी, नजारा देख हर आंख हुई नम

शहीद को श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए पहुंचे मंत्री श्रवण कुमार

रंजीत विद्यार्थी

बेगूसराय (मुंगेर) : जम्मू कश्मीर में सड़क दुर्घटना में बेगूसराय के अमरपुर के जेसीओ सुजीत कुमार का निधन हो गया। मंगलवार को उनका पार्थिव शरीर गांव पहुंचा, जहां हजारों लोग श्रद्धांजलि देने उमड़ पड़े। पत्नी सिंधु देवी ने बच्चों के साथ उन्हें अंतिम विदाई दी। मंत्री श्रवण कुमार ने बिहार सरकार की ओर से 21 लाख रुपये की सहायता की घोषणा की। बताते चले की जम्मू-कश्मीर में एक सड़क हादसे में ऑन ड्यूटी वीरगति को प्राप्त हुए बेगूसराय जिले के अमरपुर निवासी जेसीओ सुजीत कुमार का पार्थिव शरीर मंगलवार को उनके पैतृक गांव लाया गया। जैसे ही सेना के जवान उनका शव लेकर गांव पहुंचे, हजारों की भीड़ श्रद्धांजलि देने उमड़ पड़ी। पूरा इलाका 'भारत माता की जय' और 'वंदे मातरम्' के नारों से गूंज उठा। शहीद सुजीत की पत्नी सिंधु देवी, बेटियां संध्या और सोनम, और बेटा किंसू ने पुष्प अर्पित कर उन्हें अंतिम सलामी दी।

इस दौरान पत्नी सिंधु देवी अपने पति के पार्थिव शरीर को बार-बार चूमती रहीं। यह भावुक दृश्य देख वहां मौजूद हर आंख नम हो गई।

पत्नी ने की प्रधानमंत्री मोदी से मांग

शहीद की पत्नी ने बताया कि घटना के दिन सुबह ही पति से बातचीत हुई थी। उन्होंने परिवार की कुशलक्षेम पूछी थी, लेकिन मूवमेंट की कोई जानकारी नहीं दी थी। सिंधु देवी ने प्रधानमंत्री मोदी और राज्य की नीतीश सरकार से निवेदन किया कि उनके बच्चों की पढ़ाई और भविष्य के लिए सहयोग किया जाए और शहीद के नाम पर सड़क का नाम रखा जाए।

बेटी संध्या ने लिया संकल्प

शहीद की बेटी संध्या ने कहा, 'पापा चाहते थे कि हम आर्मी अफसर बनें, हम उनके सपने को पूरा करेंगे। हमें उनके सर्वोच्च बलिदान पर गर्व है।' उन्होंने यह भी बताया कि अंतिम बार 03 मई की रात पापा से बात हुई थी, और वे हमेशा एनडीए की तैयारी और सेना के जीवन की बातें साझा करते थे। जम्मू कश्मीर में सड़क दुर्घटना में हजारों लोग श्रद्धांजलि देने उमड़े। पत्नी सिंधु देवी ने बच्चों के साथ दी अंतिम विदाई। शव को बार-बार चूमती रही पत्नी

ग्रामीण विकास मंत्री श्रवण कुमार हुए शामिल, दिया ये आश्वासन

बिहार सरकार की ओर से ग्रामीण विकास मंत्री श्रवण कुमार ने शहीद को श्रद्धांजलि अर्पित की और ऐलान किया कि परिजनों को 21 लाख रुपये की राहत राशि दी जाएगी। साथ ही, उनके सम्मान में विशेष कदम उठाने के निर्देश जिला प्रशासन को दिए गए हैं। डीडीसी सोमेश बहादुर माथुर, डीएसपी इमरान अहमद, जदयू जिलाध्यक्ष रुदल राय सहित कई गणमान्य लोगों ने पुष्पांजलि अर्पित की।

शहीद के स्वागत में उमड़ा जनसैलाब

शव यात्रा सिमरिया गंगा तट से शुरू होकर चकिया, बीहट, जीरो माइल, गढ़हारा, जयनगर होते हुए अमरपुर पहुंची। रास्ते भर लोग दोपहर से ही सड़क किनारे खड़े होकर अपने लाल की एक झलक पाने को व्याकुल दिखे। अमरपुर मध्य विद्यालय परिसर में जब उनका पार्थिव शरीर पहुंचा, तो 10 हजार से अधिक लोग श्रद्धांजलि देने के लिए मौजूद थे।

महिला संवाद के माध्यम से लोगों को किया जागरूक

महिलाओं ने स्वरोजगार की उठाई मांग

मुंगेर। मुंगेर जिला अंतर्गत विभिन्न प्रखंडों में महिला संवाद के माध्यम से आम महिलाओं को सशक्त बनाने तथा स्वरोजगार के प्रति जागरूक बनाने की दिशा में अलग-अलग कार्यक्रम चलाए गए। हवेली खड़गपुर प्रखंड के नाकी पंचायत के लक्ष्मीपुर जागीर पंचायत भवन में आकाश जीविका महिला ग्राम संगठन क्षेत्र में महिला संवाद का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम का संचालन प्रखंड परियोजना प्रबंधक अंजु कुमारी ने की कार्यक्रम ने जिला से उप विकास आयुक्त अजीत कुमार सिंह, जिला परियोजना प्रबंधक गुरुदेव शामिल हुए। संवाद कार्यक्रम में महिलाओं के सशक्तिकरण, जागरूकता एवं बिहार सरकार द्वारा सरकारी योजनाओं की जानकारी को लेकर संवाद रथ में दिखाए जा रहे डॉक्यूमेंट्री फिल्म के माध्यम से लोगों को जागरूक किया। कार्यक्रम में ग्राम संगठन से जुड़े हुए जीविका दीदियों,स्थानीय महिलाओं एवं पुरुषों की सक्रिय भागीदारी रही। जीविका दीदी सुनीता देवी ने बताया कि जीविका में जुड़ने से पहले उनकी आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं थी वो जीविका से ऋण लेकर अपने रोजगार को बढ़ाया। उधर, बरियारपुर प्रखंड के नीरपुर पंचायत के आशा टोला दुर्गा स्थान के प्रांगण में गीतांजलि जीविका महिला ग्राम संगठन के द्वारा महिला संवाद कार्यक्रम किया गया। इस कार्यक्रम में संवाद रथ के माध्यम से सरकार द्वारा संचालित विभिन्न प्रकार की योजनाओं से अवगत कराया गया। जैसे कन्या उत्थान योजना, पोशाक योजना, पेंशन योजना, नल जल योजना इत्यादि। इस दौरान जीविका दीदी के द्वारा अपने और अपने परिवार के उज्ज्वल भविष्य के लिए सरकार से कुछ मांगो को रखा गया। जिसमें पेंशन राशि में वृद्धि, इंदिरा आवास, शौचालय निर्माण निधि का पुनः सर्वे करने की मांग की गई। साथ ही ग्राम संगठन की सुधा रेणु दीदी के द्वारा पंचायत के हर वार्ड और नीरपुर दुर्गा स्थान में सामुदायिक शौचालय की मांग की गई है। प्रखंड स्तर पर पशु अस्पताल, हर प्रखंड के स्वास्थ्य केन्द्र में आईसीयू की व्यवस्था, प्रखण्ड स्तर पर डिग्री कॉलेज और

आईटीआई संस्थान खोलने की मांग उठाई। धरहरा प्रखंड के शिवकुंड पंचायत में सुगंध जीविका महिला ग्राम संगठन के क्षेत्र में महिला संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें इस कार्य क्षेत्र की आकांक्षाओं एवं मुद्दा को दीदी के द्वारा उठाया गया जिसमें सरिता दीदी के द्वारा विधवा, वृद्धा और विकलांग पेंशन की राशि बढ़ाने की मांग की गई। साथ ही इंटरमीडिएट की छात्रों के लिए लैपटॉप, महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त होने के लिए प्रत्येक महीना 3000 रुपए सहायता राशि सीधे बैंक खाते में देने, छर्रापट्टी गांव में एक 10 बेड का अस्पताल, जिसमें 24 घंटा दवाई, चिकित्सक और नर्स की सुविधा उपलब्ध हो, की मांग उठाई गई। असरगंज प्रखंड अंतर्गत अमैया पंचायत के नारशिक्ति एवं भाग्य जीविका महिला ग्राम संगठन में महिला संवाद कार्यक्रम का आयोजन हुआ, जिसका संचालन सामुदायिक समन्वयक अनुपम कुमार, एवं जीविकोपार्जन विशेषज्ञ विमल सिंह की उपस्थिति में किया गया। सर्वप्रथम कार्यक्रम में दीदियों को मुख्यमंत्री का संदेश पत्र पढ़ कर सुनाया गया। इसके बाद वैन में लगे एलईडी के माध्यम से सरकार द्वारा महिलाओ एवं लड़कियों हेतु चलाए जा रहे महत्वाकांक्षी योजनाओं जैसे महिला आरक्षण, मुख्यमंत्री बालिका पोशाक एवं साइकिल योजना, मुख्यमंत्री महिला उद्यमी योजना, स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना, मुख्यमंत्री किशोरी स्वास्थ्य योजना, जीविका अंतर्गत सतत जीविकोपार्जन योजना, दीदी का अधिकार केंद्र, दीदी की रसोई, सिलाई सेंटर, कस्टम हायरिंग सेंटर आदि योजना के बारे में दिखाया गया। इसके बाद नारीशक्ति ग्राम संगठन अंतर्गत चंद्र प्रभा देवी बैजलपुर का चयन बी पी एस सी द्वारा शिक्षक भर्ती में होने, अनीता देवी को स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना, इंदु देवी को प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण उद्यम योजना का लाभ, अनीता देवी को शौचालय, प्रतिमा कुमारी को आवास, मीना देवी को सतत जीविकोपार्जन योजना, अनीता देवी को साइकिल योजना का लाभ मिलने एवं भाग्य जीविका महिला ग्राम संगठन, मंगरप्पा की सुनैना को प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण उद्यम योजना, फूलन देवी एवं नीलम देवी को सतत जीविकोपार्जन योजना, किरण, शमीर्ला, अंजू, बसंती को शौचालय, अंजनी को स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना का लाभ मिलने की जानकारी सभी महिलाओं को दिया गया। इसके बाद उपस्थित सभी सदस्यों ने अमैया पंचायत में एक सामुदायिक शौचालय, विवाह भवन बनवाने की मांग की, एवं प्रधान मंत संग्रामपुर प्रखंड के रामपुर पंचायत में प्रेरणा जीविका महिला ग्राम संगठन के कार्यक्षेत्र में महिला संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें लगभग 235 दीदियों ने भाग लिया। बैठक में क्षेत्रीय समन्वयक राहुल कुमार, सामुदायिक समन्वय विभूति कुमार यादव ने बैठक का संचालन किया। इसके बाद उक्त कार्यक्रम में दीदियों को माननीय मुख्यमंत्री महोदय का संदेश पत्र पढ़ कर सुनाया गया। जीविकोपार्जन योजना का लाभ मिलने पर खुशी व्यक्त की।

भारत का पानी अब भारत के काम आएगाः प्रधानमंत्री मोदी

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पाकिस्तान के साथ सिंधु जल समझौते को स्थगित करने के फैसले पर दो टूक कहा कि 'भारत का पानी अब भारत के हक में बहेगा, भारत के हक में रुकेगा और भारत के ही काम आएगा।' पानी के मुद्दे पर पिछली सरकारों पर हमला करते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि राज्यों के बीच नदियों के जल को दशकों तक विवाद का मुद्दा बनाये रखा गया। वर्तमान सरकार नदियों को जोड़ने की महत्वकांक्षी योजनाओं से इसका समाधान तलाश रही है। इस संदर्भ में उन्होंने केन-बेतवा लिंक परियोजना और पार्वती-कालीसिंध-चंबल लिंक परियोजना का ज़िक्र करते हुए कहा कि इनसे लाखों किसानों को लाभ पहुंचेगा और सिंचाई की दिक्कत दूर होगी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज एबीपी नेटवर्क के इंडियाञ्च2047 समिट में भाग लिया। इस दौरान अपने संबोधन को उन्होंने उनके नेतृत्व में चल रही सरकार के कठोर

निर्णयों और उनके प्रभावों पर केन्द्रित किया। राष्ट्र हित सर्वोपरी को अपनी सरकार की नीति बताते हुए उन्होंने पिछली सरकारों पर कटाक्ष किया, ÷एक दौर था जब फैसले लेने से पहले सोचा जाता था कि दुनिया क्या कहेगी या वोटबैंक पर असर पड़ेगा। लेकिन आज भारत नीतियों को राष्ट्रहित में तय कर रहा है और उसका लाभ देश को मिल रहा है। अपने संबोधन में प्रधानमंत्री ने भारत और ब्रिटेन के बीच हुए मुक्त व्यापार समझौते पर भी बात रखी। उन्होंने इसे भारत के लिए ऐतिहासिक दिन बताया और कहा कि यह समझौता दोनों देशों के लिए एक नया आर्थिक अध्याय जोड़ने वाला है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि हमने मानव-केंद्रित वैश्वीकरण का मार्ग चुना है। सच्चा विकास बाजारों की मजबूती से नहीं बल्कि व्यक्ति के स्वाभिमान और सपनों की पूर्ति से आंका जाता है। इसी कारण भारत का ध्यान केवल जीडीपी (सकल घरेलू उत्पाद) पर नहीं है, बल्कि जीईपी यानी 'ग्रॉस एंपावरमेंट ऑफ पीपल' पर है। अब देश की प्रगति का मापदंड हर व्यक्ति की गरिमा, आत्मनिर्भरता और उसकी आकांक्षाओं की पूर्ति होगा। प्रधानमंत्री ने आत्मनिर्भरता को भारत की आर्थिक पहचान का हिस्सा बताया और आश्चर्य जताया कि दशकों तक भारत को केवल एक 'बाजार' समझा गया। उन्होंने कहा कि अब वह सोच बदल चुकी है। भारत आज अनेक क्षेत्रों में निर्माता के रूप में उभर रहा है। उन्होंने परंपरा और तकनीक के तालमेल पर भी बल दिया। मोदी ने कहा कि भारत अब डिजिटल लेन-देन के मामले में विश्व के शीर्ष देशों में शामिल है। साथ ही योग और आयुर्वेद जैसी पारंपरिक विधाओं को भी वैश्विक स्तर पर पहचान मिल रही है। प्रधानमंत्री के इस दृष्टिकोण ने यह स्पष्ट किया कि भारत अब सिर्फ आर्थिक शक्ति नहीं, बल्कि सामाजिक और सांस्कृतिक रूप से सशक्त राष्ट्र बनने की ओर अग्रसर है।

आतंकवाद का खात्मा मानवता का पहला कर्तव्यः नकवी

एजेंसी

नई दिल्ली। भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी ने कहा कि आतंकवाद केवल भारत की समस्या नहीं है बल्कि यह पूरे विश्व के लिए चुनौती है। अगर कोई देश आतंकवाद का सुरक्षित ठिकाना बन गया हो, आतंकवादियों का शरणगाह बन गया हो, तो निश्चिततौर पर ऐसे ठिकानों को नष्ट करना मानवता का पहला कर्तव्य है। पूरी दुनिया एक स्वर में आंतकवाद के चारागाहों, शरणगाहों को खत्म करने की आवाज उठ रही है।कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे द्वारा प्रधानमंत्री को जनगणना में जातिगत गणना को लेकर तीन सुझाव देने से जुड़े सवाल पर अपनी प्रतिक्रिया में नकवी ने कहा कि जातिगत गणना के मामले में राजनीतिक श्रेय लेने की होड़ लगी हुई है। इससे कोई आपत्ति भी नहीं है, लेकिन आज पुरानी पार्टी के कुछ कुंठित चरित्र की कलाबाजी दिखाई दे रही है, वो ठीक नहीं है। राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े सवाल पर इस पार्टी के कुनबे के कुंठित नेताओं की कलाबाजी दिखाई दे रही है। उस पर पुरानी पार्टी के अध्यक्ष को नियंत्रित करना जरुरी है।

केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने कहा, 'पीएम मोदी जो कहते हैं वह पूरा करते हैं'

नई दिल्ली । भारतीय सेना ने पाकिस्तान और पीओके के 9 आतंकी ठिकानों को ध्वस्त कर दिया है। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकी हमले के बाद यह भारतीय सेना ने जवाबी कार्रवाई की है। सेना की इस कार्रवाई के बाद केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने कहा कि यह उन लोगों के मुंह पर जोरदार तमाचा साबित हुआ है जो कहते हैं कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सिर्फ बातें करते हैं, वह सिर्फ खोखले वादे करते हैं। इस कार्रवाई से सिद्ध हो गया कि पीएम मोदी जो कहते हैं वह पूरा करते हैं। बुधवार को केंद्रीय मंत्री ने कहा कि पहलगाम आतंकी हमले के बाद पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा था कि हम ऐसी कार्रवाई करेंगे कि दुश्मन को समझ में आ जाएगा कि हमें उकसाने का क्या मतलब होता है। इस कार्रवाई के लिए हम भारतीय सेना और नरेंद्र मोदी का दिल से आभार व्यक्त करते हैं। कांग्रेस नेताओं के बयानों पर निशाना साधते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा कि कांग्रेस के लोगों को यह समझ नहीं है कि कब क्या बयान देना है। अनुभवहीनता के कारण वह पाकिस्तान की भाषा बोलते हैं। पीएम मोदी और हम लोग कांग्रेस के बयान को गंभीरता से नहीं लेते हैं। हम भारत की प्रतिष्ठा को बचाने के लिए काम कर रहे हैं। आतंक पर भारत की कार्रवाई पर केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने कहा कि अभी बहुत कुछ बाकी है। ऑपरेशन सिंदूर से भारतीय जनता संतुष्ठ है। लेकिन, अभी पाकिस्तान को पूरा जवाब नहीं दिया है। अभी तो हमारी सेना ने आतंकवादियों के गढ़ को ध्वस्त किया है। अगर पाकिस्तान किसी बहकावे में आता है तो जवाब में कठोर कार्रवाई की जाएगी।

पीओके के मंदिरों के खंडहरों में पुनः सुनाई देगा हर-हर महादेव का जयघोषः कपिल मिश्रा

नई दिल्ली । भारतीय सेना की ओर से पाकिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) में आतंकी ठिकानों पर किए गए हमले को लेकर बीजेपी नेता और दिल्ली के मंत्री कपिल मिश्रा ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने इसे आतंकवाद के खिलाफ निर्णायक कदम बताते हुए कहा, 1400 साल के आतंक का सर्वनाश प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हाथों होगा।कपिल मिश्रा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, पीओके के मंदिरों के खंडहरों में पुनः हर हर महादेव का जयघोष सुनाई देगा। युद्ध काल में सबको सैनिक बनना होगा। डॉक्टर, नर्स, पुलिस, निगम कर्मचारी और सामान्य नागरिक, सभी को योद्धा की तरह कर्तव्यों का पालन करना होगा। भव्य विजय की तैयारी करें। कपिल मिश्रा ने एक अन्य पोस्ट में पाकिस्तान के मदरसों में रात को हुए ऐलान का जिक्र करते हुए तंज कसा। उन्होंने लिखा, ÷पाकिस्तान के मदरसों में ऐलान हुआ- घर छोड़कर भागो, कलमा पढ़ते रहो। जिहादियों ने बेगुनाहों को कलमा पढ़ने को कहा था, जो नहीं पढ़ पाया, उसे मार दिया गया। अब वे भागते-भागते कलमा पढ़ रहे हैं। जिहादियों ने कहा था, मोदी को बता देना। जाओ, बता दिया। भारत माता की जय।

भारत में स्लीपर सेल से जानकारी लेते हैं आतंकीः कर्नल सोही

नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में आतंकी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव का माहौल है। इस हमले के पीछे आतंकियों की रणनीति और स्लीपर सेल की भूमिका पर कर्नल एसएस सोही (रि.) ने से विस्तृत बातचीत की। कर्नल सोही ने बताया कि पाकिस्तान समर्थित आतंकी संगठन स्लीपर सेल के जरिए भारत में अपनी गतिविधियां संचालित करते हैं। ये स्लीपर सेल सामान्य नागरिकों की तरह रहते हैं और जरूरत पड़ने पर सक्रिय होकर जासूसी, रेकी और हमले को अंजाम देते हैं। उन्होंने कहा कि स्लीपर सेल के सदस्य बिना किसी संचार या गतिविधि के चुपचाप रहते हैं। जब पाकिस्तान से निर्देश मिलते हैं, तब ये भारतीय सेना की गतिविधियों, सैन्य टुकड़ियों के मूवमेंट और संवेदनशील स्थानों की जानकारी जुटाते हैं। ये लोग मोबाइल फोन से फोटो, वीडियो बनाकर भेजते हैं। कई बार भारतीय सेना और खुफिया एजेंसियों की सतर्कता के कारण इन्हें पकड़ लिया जाता है।

कतर के अमीर ने प्रधानमंत्री को फोन कर आतंक के खिलाफ लड़ाई में दिया समर्थन

एजेंसी

नई दिल्ली। कतर के अमीर शेख तमीम बिन हमद अल-थानी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से फोन पर बात कर पहलगाम आतंकवादी हमले में मारे गए लोगों के प्रति संवेदना व्यक्त की। साथ ही उन्होंने आतंकवाद के खिलाफ भारत की लड़ाई और हमलावरों को न्याय के कटघरे में लाने की हर कार्रवाई को पूर्ण समर्थन दिया। वहीं प्रधानमंत्री ने एकजुटता और सहयोग के स्पष्ट संदेश के लिए उनका धन्यवाद दिया। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने एक्स पोस्ट में बातचीत की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि दोनों नेताओं ने रणनीतिक साझेदारी को गहरा करने तथा इस वर्ष के प्रारंभ में अमीर की राजकीय यात्रा के दौरान लिए गए निर्णयों को क्रियान्वित करने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। उल्लेखनीय है कि पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद के खिलाफ लगातार विश्व के नेताओं

का भारत को समर्थन मिल रहा है। अब तक विश्व के 16 नेता इस विषय पर प्रधानमंत्री मोदी से बातचीत कर चुके हैं और भारत के साथ एकजुटता दिखा चुके हैं।

पाकिस्तान आतंकवादियों के शरण स्थल के रूप में पहचान बना चुका है : विदेश सचिव

एजेंसी

नई दिल्ली। विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने ऑपरेशन सिंदूर के पीछे भारत सरकार की मंशा स्पष्ट की है। उन्होंने बताया कि भारत के पास पुख्ता सबूत हैं कि पाकिस्तान आतंकियों की शरणस्थली है। भारत ने नपे-तुले अंदाज में पाकिस्तान के आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया। मिस्री ने कहा, 26 नवंबर 2008 को हुए हमले के बाद भारत में हुई किसी आतंकवादी हमले में मारे गए आम नागरिकों की संख्या की दृष्टि से सबसे गंभीर घटना पहलगाम का हमला अत्यधिक बर्बरता पूर्ण था, जहां मौजूद लोगों को करीब से उनके परिवारों के सामने सिर पर गोली मारी गई। हत्या के इस तरीके से परिवार के सदस्यों को जानबूझकर आघात पहुंचाया गया, साथ ही उन्हें यह नसीहत दी गई कि वे वापस जाकर इस संदेश को पहुंचा दें। उन्होंने आगे कहा कि यह हमला स्पष्ट रूप से जम्मू और कश्मीर में बहस हो रही सामान्य स्थिति को बाधित करने के उद्देश्य से किया गया था। पैटर्न फिर से अर्थव्यवस्था का मुख्य आधार बन रहा था। इस हमले का मुख्य उद्देश्य देश के प्रतीक को प्रभावित करना था। पिछले वर्ष लगभग 2 करोड़ से अधिक पर्यटक कश्मीर आए थे। इस समय का मुख्य उद्देश्य इसलिए संभवतः एक संघ राज्य क्षेत्र में विकास और प्रगति को नुकसान पहुंचाकर इसे पिछड़ा बनाए रखना था। पाकिस्तान से लगातार होने वाली सीमा पार आतंकवाद से उपजाऊ जमीन बनाने में सहायता की जाए। हमले में जम्मू और कश्मीर और शेष राष्ट्र दोनों में सांप्रदायिक दंगे बढ़कर इसका श्री भारत और सभी नागरिकों को दिया जाना चाहिए, उनके प्रयासों को सफल कर दिया। उन्होंने बर्बर कार्रवाई को लेकर कहा- पहलगाम का हमला बहुत बर्बरतापूर्ण था। पाकिस्तान के आतंकियों से संबंध उजागर हुए हैं, हमलावरों की पहचान भी हुई है। परिवारों के सामने गोली मारी गई, पर्यटकों पर गोली बरसाई गई। आतंक के संबंध का पाकिस्तान से लंबा ट्रैक रिकॉर्ड रहा है। आतंकी हमले में टीआरएफ की भूमिका आई। प्रत्यक्षदर्शियों के इनपुट के आधार पर उन्हें चिन्हित किया गया। हमले का यह तरीका जम्मू-कश्मीर और देश में सांप्रदायिक दंगे फैलाने से प्रेरित था। एक समूह ने खुद को टीआरएफ कहते हुए हमले की जिम्मेदारी ली है। इसे यूएन ने प्रतिबंधित किया है और यह लश्कर से जुड़ा हुआ है। पाकिस्तान स्थित समूहों के लिए कवर के तौर पर टीआरएफ का इस्तेमाल किया गया।

ऑपरेशन सिंदूर : प्रियंका गांधी, मायावती और अखिलेश यादव ने सेना के शौर्य की तारीफ की

एजेंसी

नई दिल्ली। 'ऑपरेशन सिंदूर'पर भारत में हर तरफ खुशी की लहर है। हर कोई पाकिस्तान में आतंकियों पर की गई कार्रवाई का समर्थन कर रहा है। इस कड़ी में कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा कि हमें अपनी सेना पर अत्यंत गर्व है। हमारे बहादुर जवान हमारी स्वतंत्रता और अखंडता को सुरक्षित रखते हैं। भगवान उनकी रक्षा करें। प्रियंका गांधी वाड्रा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, %%हमारी सेना पर हमें अत्यंत गर्व है। हमारे बहादुर जवान हमारी स्वतंत्रता और अखंडता को सुरक्षित रखते हैं। भगवान उनकी रक्षा करें और उन्हें धैर्य और वीरता से चुनौतियों का सामना करने की अपार हिम्मत दें। जय हिंद।' उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री और बहुजन समाज पार्टी की प्रमुख मायावती ने ऑपरेशन सिंदूर को लेकर एक्स पोस्ट में लिखा, 'पाकिस्तान में 9 आतंकी ठिकानों को ध्वस्त करने की भारतीय सेना की 'ऑपरेशन सिंदूर' कार्रवाई गौरवमय व सराहनीय।' समाजवादी

पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'पराक्रमो विजयते!' जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के जवाब में भारतीय सशस्त्र बलों ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत पाकिस्तान और पीओके में आतंकवादियों के ठिकानों पर हमला किया। ये ऐसे चिन्हित स्थान हैं, जहां से भारत के खिलाफ आतंकवादी हमलों की योजना बनाई गई और उन्हें निर्देशित किया गया। कुल मिलाकर, नौ (9) ठिकानों को निशाना बनाया गया है, जिसमें आतंकवादी स्थल मरकज सुभान अल्लाह बहावलपुर, मरकज तैयबा, मुरीदके, सरजाल/तेहरा कलां, महमूना जोया सुविधा, सियालकोट, मरकज अहले हदीस बरनाला, भिम्बर, मरकज अब्बास, कोटली, मस्कर राहील शाहिद, कोटली जिले में स्थित हैं। इसके अलावा मुजफ्फराबाद में शावई नाला कैम, मरकज सैयदना बिलाल शामिल हैं।इस पूरे ऑपरेशन पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वरिष्ठ अधिकारियों के साथ रात भर प्रगति पर बारीकी से नजर रखी। सूत्रों ने पुष्टि की कि प्रधानमंत्री, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकारों और सैन्य कमांडरों के साथ लगातार संपर्क में थे, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि अभियान योजना के अनुसार आगे बढ़े।

स्वास्थ्य केन्द्रों में अग्नि सुरक्षा पर द्वितीय राष्ट्रीय कार्यशाला में बोले जेपी नड्डा, केन्द्रों पर नियमित रूप से अग्नि सुरक्षा ऑडिट किया जाना चाहिए

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जगत प्रकाश नड्डा ने डॉ. अंबेडकर अंतरराष्ट्रीय केंद्र में 'स्वास्थ्य क्षेत्र आपदा तैयारी एवं प्रतिक्रिया' तथा 'स्वास्थ्य सुविधाओं में अग्नि सुरक्षा' पर दूसरी राष्ट्रीय कार्यशाला का उद्घाटन किया। सभी राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों के आपदा नोडल अधिकारियों के समन्वय से 'अग्नि सुरक्षा सप्ताह' के समापन समारोह को संबोधित करते हुए जेपी नड्डा ने कहा कि स्वास्थ्य केन्द्रों पर नियमित रूप से अग्नि सुरक्षा ऑडिट किया जाना चाहिए। ताकि लापरवाही के लिए कोई स्थान ही न बचें। उन्होंने कहा कि यह दूसरी कार्यशाला स्वास्थ्य मंत्रालय की स्वास्थ्य सुविधाओं में आपदा और अग्नि तैयारी के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाती है। उन्होंने स्वास्थ्य सुविधाओं को आपदा और

अग्नि घटनाओं के प्रति अधिक लचीला और प्रतिरोधी बनाने की आवश्यकता पर जोर दिया। नड्डा ने कहा कि हमें आपदाओं को घटित न होने देने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए ताकि निर्बाध, व्यापक और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं सुनिश्चित की जा सकें। नड्डा ने कहा कि स्वास्थ्य केन्द्रों पर उच्च-भार वाले उपकरणों, ऑक्सीजन और रसायनों जैसे अत्यधिक ज्वलनशील पदार्थों के साथ काम करते हैं जो न केवल जीवन बचाते हैं, बल्कि ज्वलनशील भी होते हैं और खतरा पैदा कर सकते हैं। इसलिए, उनके प्रति अधिक संवेदनशीलता की आवश्यकता है। सभी हितधारकों से इस कर्तव्य में योगदान देने का आग्रह करते हुए नड्डा ने कहा कि यह जिम्मेदारी केवल शीर्ष स्तर के अधिकारियों की ही नहीं है, बल्कि जमीनी स्तर के कार्यकर्ताओं और पैरामेडिक्स की भी है। आपदा-प्रतिक्रिया के संबंध में स्वास्थ्य कर्मियों का आत्मविश्वास बढ़ाने की आवश्यकता है।

कांग्रेस ने दिखाई एकजुटता, कहा- पार्टी आतंकवाद के खिलाफ सरकार और सेना के साथ

एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस ने आज कहा कि वह पूरी एकजुटता के साथ आतंकवाद के खिलाफ किसी भी निर्णायक कार्रवाई में सरकार और भारतीय सेना के साथ खड़ी है। पार्टी नेतृत्व ने आतंकवाद के खिलाफ भारत की राष्ट्रीय नीति को दोहराते हुए कहा कि राष्ट्रीय एकता और एकजुटता इस समय सबसे ज्यादा जरूरी है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि भारत की पाकिस्तान और पीओके से उत्पन्न होने वाले हर प्रकार के आतंकवाद के खिलाफ एक अडिग राष्ट्रीय नीति है। हम अपने भारतीय सशस्त्र बलों पर गर्व करते हैं जिन्होंने पाकिस्तान और पीओके में आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया। हम उनके साहस और संकल्प की सराहना करते हैं। उन्होंने कहा कि पहलगाम हमले के दिन से ही कांग्रेस सशस्त्र बलों और सरकार के साथ खड़ी है। राष्ट्रीय एकता समय की मांग है और कांग्रेस पूरी तरह देश के सैनिकों के साथ है। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने सशस्त्र बलों की बहादुरी की सराहना करते हुए कहा, हमें अपने सशस्त्र बलों पर गर्व है। जय हिन्द! कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने बयान में कहा कि यह समय एकता का है। 22 अप्रैल की रात से ही कांग्रेस यह स्पष्ट कह रही है कि सरकार को हमारा पूर्ण समर्थन रहेगा। कांग्रेस सशस्त्र बलों के साथ पूरी मजबूती से खड़ी है।

पाकिस्तान के आतंकी ठिकानों को तबाह करने में इस्तेमाल की गई स्कैल्प और हैमर मिसाइल

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत ने पाकिस्तान और पीओके में नौ आतंकी ठिकानों को तबाह करके पहलगाम आतंकी हमले का बदला ले लिया।इस जवाबी कार्रवाई में फ्रांसीसी लड़ाकू विमान राफेल से दागी गई स्कैल्प और हैमर मिसाइल भी फ्रांस में ही बनी हैं। राफेल में तीन तरह की मिसाइलें लगाई जा सकती हैं, जिसमें मीटियोर, स्कैल्प और हैमर मिसाइल हैं। इन तीनों मिसाइलों के साथ लैस होने की वजह से ही राफेल ने चीन और पाकिस्तान की नींद उड़ा रखी है। हाइली एजाइल एंड मैनोवरेबल म्यूनिशन एक्टेंडेड रेंज (हैमर) हवा से जमीन पर मार करने वाले रॉकेट के जरिए चलने वाली मिसाइल किट है। हैमर मिसाइल हवा से जमीन पर 60 से 70 किलोमीटर तक दुश्मन को निशाना बना सकती है। राफेल में लगने वाली हैमर मिसाइल काफी खतरनाक है, जिसे जीपीएस के बिना भी 70 किलोमीटर की रेंज से लॉन्च किया जा सकता है। फ्रांस से 36 राफेल विमानों का सौदा होते समय भारत ने बजट के अभाव में फ्रांस से महंगे हैमर सिस्टम्स लेने के बजाय इजराइली स्पाइस-2000 बम से ही

काम चलाने का निर्णय लिया था, लेकिन पहली खेप में पांच राफेल की आपूर्ति के बाद हैमर सिस्टम्स लेने के लिए फ्रांस को ऑर्डर किया गया था।सितम्बर, 2020 में भारत और फ्रांस की सरकारों के बीच हैमर कॉन्ट्रैक्ट पर हस्ताक्षर किए गए थे। इसकी आपूर्ति आमतौर पर एक साल में होनी थी, लेकिन फ्रांस ने भारत की जरूरत को तत्काल पूरा करने के लिए भारतीय राफेल को ऑल वेदर मिसाइल हैमर से लैस करने पर सहमति व्यक्त की। दूसरी खेप में तीन और राफेल विमानों की आपूर्ति होने के बाद बड़ी संख्या में हैमर सिस्टम्स भारतीय वायुसेना को मिल गई थीं। राफेल में लगने वाली हैमर मिसाइल काफी खतरनाक है, जिसे जीपीएस के बिना भी 70 किलोमीटर की रेंज से लॉन्च किया जा सकता है। हैमर हवा से जमीन पर मार करने वाली तेज गति से उड़ने वाली मिसाइल है। इसका वजन 340 किलो होता है। यह 10.2 फीट लंबी होती है। इसके अगले हिस्से में नेविगेशन और गाइडेंस सिस्टम लगा होता है।

ओआईसी का बयान बेतुका और पाकिस्तानी एजेंडे का हिस्साः विदेश मंत्रालय

एजेंसी

नई दिल्ली। विदेश मंत्रालय ने पहलगाम आतंकी हमले को लेकर इस्लामिक सहयोग संगठन (ओआईसी) की ओर से जारी बयान को बचकाना बताया है। मंत्रालय ने कहा कि यह बयान पाकिस्तान के कहने पर जारी किया गया है और इसमें हमले की सच्चाई और उसकी सीमा पार से जुड़ी कड़ियों को अनदेखा किया गया है। भारत ने आरोप लगाया है कि ओआईसी को पाकिस्तान गुमराह कर रहा है। पाकिस्तान लंबे समय से सीमा पार आतंकवाद में लिप्त है और ओआईसी का बयान उसके एजेंडे को आगे बढ़ाने वाला है। बयान में कहा गया, 'हम भारत के आंतरिक मामलों में ओआईसी के दखल को पूरी तरह अस्वीकार करते हैं।' उल्लेखनीय है कि ओआईसी ने हाल ही में अपने बयान में दक्षिण एशिया में बिगड़ती सुरक्षा स्थिति पर चिंता जताई और भारत-पाकिस्तान के बीच वार्ता की वकालत की। ओआईसी ने जम्मू-कश्मीर मुद्दे पर अपने पुराने रुख को दोहराया और इसे क्षेत्रीय स्थिरता के लिए मुख्य चुनौती बताया। ओआईसी ने अपने वक्तव्य में जम्मू-कश्मीर मुद्दे को दक्षिण एशिया में शांति और स्थिरता के लिए मुख्य चुनौती बताया। संगठन ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रस्तावों के अनुरूप इस विवाद का शांतिपूर्ण समाधान निकालने की आवश्यकता पर बल दिया। साथ ही, अंतरराष्ट्रीय समुदाय से आग्रह किया कि वह इस मुद्दे के समाधान के लिए अपने प्रयास तेज़ करे ताकि क्षेत्र में दीर्घकालिक शांति सुनिश्चित की जा सके।

समिट इंडिया का युद्ध की स्थिति में जन जागरण महाभियान शुरू करने का फैसला

एजेंसी

नई दिल्ली ।स्वैच्छिक संगठन 'समिट इंडिया' ने युद्ध की स्थिति में देशवासियों को आनी वाली दिक्कत के मद्देनजर जन जागरण का महाअभियान शुरू करने का फैसला किया है। इसके तहत लोगों को सरकार के परामर्श, एहतियात और सावधानी से अवगत कराया जाएगा। साथ ही अन्य स्वैच्छिक संगठनों के साथ मिलकर सहायता और सुविधा केंद्रों का निर्माण किया जाएगा है। इसके लिए देश के हजारों कार्यकर्ताओं के समूह बनाकर जिम्मेदारी सौंपी गई है। यह फैसला समिट इंडिया के चेयरमैन एवं भाजपा के पूर्व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्याम जाजू की अध्यक्षता में लिया गया। यह जानकारी समिट इंडिया के महासचिव महेश वर्मा ने दी।उन्होंने कहा कि चेयरमैन का संकल्प है कि युद्ध की स्थिति में गरीबों, मजदूरों और जरूरतमंद लोगों को किसी तरह की कठिनाई का सामना नहीं करने दिया जाएगा। उनकी हरसंभव मदद की जाएगी। संगठन देशभर में एआईसीटीई और कैप्सी जैसे सहयोगी संगठनों के माध्यम से लगभग 10 हजार सहायता शिविर और सुविधा केंद्रों का निर्माण करेगा। एआईसीटीई के

26 हजार शिक्षण संस्थानों की सहायता ली जाएगी। कैप्सी देश में डेढ़ करोड़ से ज़्यादा सुरक्षा गार्ड्स का बड़ा मंच है। इसके लगभग 30 हजार सदस्य हैं। इनकी मदद से रक्त की कमी नहीं होने दी जाएगी। वर्मा ने पूर्व में हुए युद्ध को लेकर देशवासियो के सहयोग को याद दिलाते हुए बताया कि देश ने तत्कालीन प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री के आह्वान पर एक वक्त का खाना का त्याग दिया था ताकि खाद्य संकट से निजात मिले। देश की माताओं और बहनों ने अपने आभूषण देने शुरू किए थे। आज देश आर्थिक रूप से संबल है। जापान से आगे निकलकर विश्व की चौथी आर्थिक महाशक्ति बन चुका है। उन्होंने कहा कि लगभग 15,000 से अधिक स्वैच्छिक संगठनों और एवं कारोबारी प्रतिष्ठान के एसोसिएशन के साथ बातचीत की गई है। सबने आश्वासन दिया है कि ऐसे केंद्रों के निर्माण में सहयोग करेंगे। संगठन प्रमुख श्याम जाजू ने इस बावत खर्च की जाने वाली धनराशि का आवंटन भी किया है। यह धनराशि संस्था को दान स्वरूप प्राप्त होती है। जाजू ने देशवासियो से अपील की है वह दरिंदगी और नफरत को उखाड़ फेकने का संकल्प लेकर यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश का इकबाल बुलंद रखने का प्रण लें।

'ऑपरेशन सिंदूर' के लिए भारतीय सेना बधाई की पात्र : संदीप दीक्षित

एजेंसी

नई दिल्ली । भारत ने पहलगाम हमले का बदला पाकिस्तान और पीओके में 'ऑपरेशन सिंदूर' एयर स्ट्राइक से लिया है। 'ऑपरेशन सिंदूर' को लेकर कांग्रेस नेता संदीप दीक्षित ने कहा कि यह सैन्य कार्रवाई स्वागत योग्य है। इसके लिए उन्होंने भारतीय सेना को बधाई दी। समाचार एजेंसी से बातचीत के दौरान संदीप दीक्षित ने कहा कि खबरों के मुताबिक भारतीय सेना ने जैश-ए-मोहम्मद और लश्कर-ए-तैयबा के मुख्यालय को तबाह कर दिया है। इसके लिए मैं सेना को बहुत बधाई देता हूं।इससे पहले संदीप दीक्षित ने एक्स पोस्ट में लिखा, अभी सुबह-सुबह खबर मिली कि हमारी वायु सेना, थल सेना और जल सेना ने मिलकर पाकिस्तान में नौ आतंकी ठिकानों को बर्बाद कर दिया, जहां-जहां से आतंक जन्म लेता था और पनपता था, उस कोख को ही बर्बाद किया है। हमारी सेनाओं को दिल से धन्यवाद और सलाम। वहीं, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता विजय वडेट्टीवार ने पाकिस्तान पर हुए एयर स्ट्राइक पर कहा है कि हम भारतीय सेना के साथ हैं और यह सैन्य कार्रवाई स्वागत योग्य है। उन्होंने कहा कि सरकार जो भी कदम उठाएगी, उसका पूरा समर्थन है। हम सरकार के साथ हैं। देश की इच्छा थी कि पाकिस्तान को एक बार उसकी जगह बताएं। पाकिस्तान बार-बार आंख मिचौली का खेल खेलकर हमारे लोगों को मारता था और अपनी दहशतगर्दी से बाज नहीं आ रहा था। उसको सबक सिखाने की जरूरत थी और वह कदम भारतीय सेना ने उठाया।गौरतलब है कि भारतीय सशस्त्र बलों ने पहलगाम आतंकी हमले के बाद सख्त जवाबी कार्रवाई करते हुए मंगलवार देर रात पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में नौ आतंकी ठिकानों पर मिसाइल हमले किए, जिनमें आतंकवादी समूह लश्कर-ए-मोहम्मद का गढ़ बहावलपुर भी शामिल है। पहलगाम में 22 अप्रैल को आतंकियों ने 26 लोगों की गोलीमार कर निर्मम हत्या कर दी थी। इसके बाद से ही भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव काफी बढ़ा हुआ है। भारत ने पड़ोसी मुल्क के खिलाफ काफी सख्त कदम उठाए थे और पीएम मोदी लगातार आतंकियों को उनके अंजाम तक पहुंचाने की बात कर रहे थे।

आपूर्ति श्रृंखलाओं पर भारत का दृष्टिकोण दीर्घकालिक : सीतारमण

मिलान। केन्द्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने आज यहां कहा कि आपूर्ति श्रृंखलाओं पर भारत का दृष्टकोण अल्पकालिक नहीं रहा है बल्कि दीर्घकालिक दृष्टिकोण अपनाया गया है। श्रीमती सीतारमण ने यहां एशियाई विकास बैंक (एडीबी) की 58वीं वार्षिक बैठक में एडीबी गवर्नर्स सेमिनारः भविष्य के लचीलेपन के लिए सीमा पार सहयोग' के दौरान कहा 'हमारा दृष्टिकोण हमारे पास मौजूद परिसंपत्तियों के आधार पर खुद को और अधिक मजबूत करना है, चाहे वह मानव पूंजी के रूप में हो या प्रौद्योगिकी के रूप में जिसमें हम अग्रणी हैं, अगर मैं ऐसा कह सकता हूं, और उन क्षेत्रों में भी जिनमें हमें लगता है कि हम आगे बढ़ सकते हैं। उन्होंने कहा कि भारत के पास लगभग 60 करोड़ लोग हैं जो 25 वर्ष से कम आयु के हैं। इसलिए भारत ऐसी अर्थव्यवस्था से नहीं जुझ रही हैं जो बूढ़ी हो रही है। उन्होंने कहा 'हमने डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना (डीपीआई) विकसित की है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि वैश्विक बाजार तक पहुंच उस नागरिक को भी मिले जो दूर-दराज के किसी गांव में रहता है और उसके पास कुछ हस्तशिल्प उत्पाद हैं जिन्हें वह बेचना चाहता है।

एयरटेल अफ्रीका और स्पेसएक्स में करार, सैटेलाइट इंटरनेट से जुड़ेगा दूर-दराज का अफ्रीका

दुबई। दूरसंचार सेवा प्रदाता कंपनी एयरटेल अफ्रीका ने अफ्रीकी महाद्वीप में अपने ग्राहकों तक स्पेसएक्स की हाई-स्पीड सैटेलाइट इंटरनेट सेवा स्टारलिंक पहुंचाने के लिए एक रणनीतिक साझेदारी की घोषणा की है। कंपनी ने बयान जारी कर बताया कि स्टारलिंक को एयरटेल अफ्रीका के 14 में से 9 देशों में परिचालन की अनुमति मिल चुकी है जबकि बाकी पांच देशों में लाइसेंसिंग प्रक्रिया जारी है। इस साझेदारी से एयरटेल अफ्रीका अपने सैटेलाइट-आधारित कनेक्टिविटी समाधान को और बेहतर बनाकर ग्रामीण इलाकों में कनेक्टिविटी का विस्तार करेगा। साथ ही कंपनी स्टारलिंक की सहायता से सेलुलर बैकहॉलिंग के जरिए नेटवर्क पहुंच को और भी मजबूत बनाने की योजना पर काम कर रही है। एयरटेल अफ्रीका के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी सुनील तलदार ने कहा कि यह साझेदारी अफ्रीका की डिजिटल अर्थव्यवस्था को गति देने के उनके निरंतर प्रयासों का हिस्सा है। उन्होंने कहा कि अगली पीढ़ी की सैटेलाइट कनेक्टिविटी सुनिश्चित करेगी कि अफ्रीका के सबसे दूरवर्ती और कम सेवा प्राप्त हिस्सों में भी विश्वसनीय और किफायती वॉयस और डेटा सेवाएं उपलब्ध हो सकें।

सीतारमण ने की जेबीआईसी के गवर्नर से भेंट

मिलान। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने आज मिलान में एशियाई विकास बैंक की वार्षिक बैठक के मौके पर जापान बैंक फॉर इंटरनेशनल कोऑपरेशन (जेबीआईसी) के गवर्नर नोबुमित्सु हयाशी से मुलाकात की। वित्त मंत्रालय ने एक्स पर कहा कि इस दौरान वित्त मंत्री ने कहा कि भारत के लिए महत्वाकांक्षी 5 लाख येन का निवेश लक्ष्य का 70 प्रतिशत से अधिक प्राप्त हो चुका है और भारत विशेष रणनीतिक और वैश्विक साझेदारी को मजबूत करने की आशा करता है क्योंकि दोनों देश 10 साल के सहयोग पर काम करते हैं। वित्त मंत्री ने जेबीआईसी को विनिर्माण, अर्धचालक, हरित ऊर्जा और बुनियादी ढांचे सहित भारत के उच्च विकास वाले क्षेत्रों में अधिक जापानी निवेश को सुविधाजनक बनाने के लिए प्रोत्साहित किया। जबकि जापान 43.28 अरब डॉलर के एफडीआई प्रवाह के साथ भारत का 5वां सबसे बड़ा निवेशक बना हुआ है, इस साझेदारी को और विस्तारित करने की क्षमता है।

पेट्रोल और डीजल की कीमतों में टिकाव

नई दिल्ली। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में उबाल आने के बावजूद घरेलू स्तर पर पेट्रोल और डीजल के दाम में आज टिकाव रहा, जिससे दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये प्रति लीटर तथा डीजल 87.62 रुपये प्रति लीटर पर पड़े रहे। तेल विपणन करने वाली प्रमुख कंपनी हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन की वेबसाइट पर जारी दरों के अनुसार, देश में आज पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में इनकी कीमतों के यथावत रहने के साथ ही मुंबई में पेट्रोल 104.21 रुपये प्रति लीटर पर और डीजल 92.15 रुपये प्रति लीटर पर रहा। वैश्विक स्तर पर आज अमेरिकी क्रूड 2.96 प्रतिशत उबलकर 58.82 डॉलर प्रति बैरल पर और लंदन ब्रेंट क्रूड 2.92 प्रतिशत की छलांग लगाकर 61.99 डॉलर प्रति बैरल पर रहा।

भारत-यूके के बीच मुक्त व्यापार समझौता, मोदी और स्टारमर ने किया स्वागत

एजेंसी
नई दिल्ली। भारत और ब्रिटेन मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर सहमत हो गए हैं। दोनों देशों ने एक व्यापक व्यापार समझौते की घोषणा की है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और यूनाइटेड किंगडम (यूके) के प्रधानमंत्री कीर स्टारमर ने टेलीफोन पर बातचीत की। दोनों नेताओं ने डबल कॉन्ट्रिब्यूशन कन्वेंशन के साथ-साथ भारत-ब्रिटेन मुक्त व्यापार समझौते का स्वागत किया। प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पर पोस्ट किया, ÷अपने मित्र प्रधानमंत्री कीर स्टारमर से बात करके बहुत प्रसन्नता हुई। एक ऐतिहासिक उपलब्धि के रूप में, भारत और ब्रिटेन ने एक महत्वाकांक्षी और पारस्परिक रूप से लाभकारी मुक्त व्यापार समझौते के साथ-साथ एक दोहरे योगदान सम्मेलन को सफलतापूर्वक संपन्न किया है। ये ऐतिहासिक समझौते हमारी व्यापक रणनीतिक साझेदारी को और गहरा करेंगे तथा हमारी दोनों अर्थव्यवस्थाओं में व्यापार, निवेश, विकास, रोजगार सृजन और नवाचार

को बढ़ावा देंगे। मैं जल्द ही प्रधानमंत्री स्टारमर का भारत में स्वागत करने के लिए उत्सुक हूं। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने एक बयान जारी कर कहा कि दोनों नेताओं ने इसे द्विपक्षीय व्यापक रणनीतिक साझेदारी में एक ऐतिहासिक मील का पत्थर बताया, जो दोनों अर्थव्यवस्थाओं में व्यापार, निवेश, नवाचार और रोजगार सृजन को बढ़ावा देगा। दोनों इस बात पर सहमत हुए कि दुनिया की दो बड़ी और खुली बाजार अर्थव्यवस्थाओं के बीच ऐतिहासिक समझौते व्यवसायों के लिए नए अवसर खोलेंगे, आर्थिक संबंधों को मजबूत करेंगे और लोगों के बीच संबंधों को गहरा करेंगे।प्रधानमंत्री स्टार्मर ने कहा कि दुनिया भर की अर्थव्यवस्थाओं के साथ गठबंधनों को मजबूत करना और व्यापार बाधाओं को कम करना, एक मजबूत और अधिक सुरक्षित अर्थव्यवस्था प्रदान करने के लिए उनकी परिवर्तन योजना का हिस्सा है। पीएमओ के बयान के अनुसार, दोनों नेताओं ने इस बात पर सहमति जताई कि भारत और ब्रिटेन के बीच आर्थिक और वाणिज्यिक संबंधों का विस्तार, लगातार मजबूत होती जा रही और बहुआयामी साझेदारी की आधारशिला है। वस्तुओं और सेवाओं के व्यापार को शामिल करते हुए एक संतुलित, न्यायसंगत और महत्वाकांक्षी एफटीए से द्विपक्षीय व्यापार में उल्लेखनीय वृद्धि होने, रोजगार के नए अवसर पैदा होने, जीवन स्तर में सुधार होने और दोनों देशों के नागरिकों के समग्र कल्याण में सुधार होने की उम्मीद है। यह दोनों देशों के लिए वैश्विक बाजारों के लिए उत्पादों और सेवाओं को संयुक्त रूप से विकसित करने की नई संभावनाओं को भी खोलेगा।

बैंक ऑफ बड़ौदा का मुनाफा 3.3 प्रतिशत बढ़ा

एजेंसी
मुंबई। सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक ऑफ बड़ौदा ने वित्त वर्ष 2024-25 की अंतिम तिमाही में 5048 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ कमाया है जो इससे पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि के 4886 करोड़ र ुपये की तुलना में 3.3 प्रतिशत अधिक है। बैंक ने शेयर बाजार को बताया कि मार्च 2025 में समाप्त तिमाही में उसकी शुद्ध ब्याज आय 11,019.6 करोड़ रुपये रही जो मार्च 2024 में समाप्त तिमाही के 11793 करोड़ रुपये की तुलना में 6.5 प्रतिशत कम है। बैंक का सकल एनपीए घटकर 2.26 प्रतिशत हो गया, जो पिछली तिमाही में 2.43 प्रतिशत था। इसी तरह से शुद्ध एनपीए भी घटकर 0.58 प्रतिशत पर आ गया जबकि तीसरी तिमाही में यह 0.59 प्रतिशत था।

सर्राफा बाजार में चमका सोना, चांदी की भी बढ़ी चमक

एजेंसी
नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में आज लगातार दूसरे दिन तेजी का रुख नजर आ रहा है। सर्राफा बाजारों में सोना आज 500 रुपये से लेकर 540 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा होकर एक बार फिर एक लाख रुपये के स्तर के काफी करीब पहुंच गया है। कीमत में आई तेजी के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में आज 24 कैरेट सोना 99,000 रुपये से लेकर 99,150 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 90,750 रुपये से लेकर 90,900 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में भी आज तेजी आई है, जिसके कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में 99,000 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार कर रही है।दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 99,150 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 90,900 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 99,000 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 90,750 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 99,050 रुपये प्रति 10 ग्राम और

22 कैरेट सोने की कीमत 90,800 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 99,000 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 90,750 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 99,000 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 90,750 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 99,150 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 90,900 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 99,050 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 90,800 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 99,150 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 90,900 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सोना महंगा हुआ है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना आज 99,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 90,750 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

पूर्ण चार्ज पर 449 किलोमीटर चलने वाली विंडसोर प्रो ई कार लाँच

एजेंसी
नई दिल्ली। जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया ने नई तकनीक और सुरक्षा सुविधाओं के साथ-साथ नए 52.9 केडब्ल्यूएच बैटरी पैक के साथ नयी विंडसोर इसेंस प्रो ईलेक्ट्रिक कार लाँच करने की घोषणा की जिसकी एक्स शोरूम कीमत 1749800 रुपये है जो पहली 8000 बुकिंग के लिए वैद्य है और बैटरी को किराये पर लेने अर्थात बैटरी-एज़-ए-सर्विस (बीएएएस) के लिए इसकी शुरूआती बीएएएस कीमत 12.49 लाख रुपये और 4.5 रुपये प्रति किलोमीटर है। कंपनी ने यहां जारी बयान में कहा कि विंडसोर को लाँचिंग के बाद ग्राहकों से मिली प्रतिक्रिया के बाद विंडसोर प्रो बिजनेस क्लास यात्रा के अनुभव को बढ़ाएगा। प्रो सीरीज़ के जुड़ने से इसका बाजार प्रदर्शन और मजबूत होगा। कंपनी ने अपने बैटरी-एज़-ए-सर्विस की पहुंच का विस्तार करने के लिए आईडीएफसी फर्स्ट बैंक और कोटक महिंद्रा प्राइम जैसे नए फाइनेंसरों को शामिल किया है। इस स्वामित्व योजना को पहली बार सितंबर 2024 में लॉन्च किया गया था और आज इसे बजाज फिनसर्व, हीरोफिन कॉर्प, इकोफाई, विद्युतटेक, आईडीएफसी फर्स्ट बैंक और कोटक महिंद्रा प्राइम सहित छह फाइनेंसरों द्वारा समर्थित किया गया है। कंपनी एमजी विंडसर प्रो के पहले मालिक को आजीवन बैटरी वारंटी प्रदान करेगी।

इसके अलावा कंपनी विंडसर प्रो के लिए अपनी 3-60 सुनिश्चित बायबैक योजना पेश करेगी जो यह सुनिश्चित करती है कि यह 3 साल बाद अपने मूल्य का 60 प्रतिशत बरकरार रखेगी। जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया के प्रबंध निदेशक अनुराग मेहरोत्रा ने कहा, एमजी विंडसर भारत के 4 व्हील ईवी सेगमेंट के विकास को गति देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है, जिसने अपने आकर्षक मूल्य प्रस्ताव से ग्राहकों को जीत लिया है। शुरुआती खरीदारों से सकारात्मक प्रचार ने इसे तेजी से स्वीकार्यता प्रदान की, जिससे इसकी पहुंच मेट्रो शहरों से आगे बढ़कर टियर 2 और 3 बाजारों में फैल गई। पारंपरिक से अलग एक उत्पाद पेश करके, हमने सफलतापूर्वक खरीदारों की एक नई लहर को जोड़ा है।

अपने भागीदारों के साथ, हम सही तकनीक के साथ सही समय पर प्रासंगिक नवाचार प्रदान करके भारतीय ऑटो परिदृश्य को फिर से परिभाषित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। एमजी विंडसर प्रो का लॉन्च विस्तारित विकल्प प्रदान करने, सामान्य रूप से ईवी में अधिक आत्मविश्वास पैदा करने और अधिक ग्राहकों को टिकाऊ गतिशीलता के भविष्य में आत्मविश्वास से उद्यम करने के लिए आमंत्रित करने की हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

अहिल्यानगर में महाराष्ट्र कैबिनेट की विशेष बैठक, 5503.69 करोड़ रुपये की विकास योजनाओं को मंजूरी

एजेंसी
मुंबई। राजमाता पुण्यश्लोक अहिल्याबाई होलकर की त्रिशताब्दी जयंती के उपलक्ष्य में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट की बैठक में 5503.69 करोड़ रुपये की विकास योजनाओं को मंजूरी दी गई है। राज्य सरकार ने आज चौंडी (अहिल्यानगर) में राजमाता पुण्यश्लोक अहिल्यादेवी होलकर की त्रिशताब्दी जयंती के उपलक्ष्य में कैबिनेट की विशेष बैठक आयोजित की। इस बैठक में उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, उपमुख्यमंत्री अजीत पवार सहित पूरा मंत्रिमंडल उपस्थित था। बैठक में चौंडी में पुण्यश्लोक अहिल्यादेवी होलकर स्मारक स्थल के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए 681.32 करोड़ रुपये मंजूर किए गए हैं। अष्टविनायक गणपति मंदिरों के नवीनीकरण के लिए 147.81 करोड़ रुपये, श्री क्षेत्र तुलजाभवानी देवी मंदिर विकास योजना के लिए 1865 करोड़, श्री क्षेत्र ज्योतिबा मंदिर विकास योजना

के लिए 259.59 करोड़ रुपये, श्री क्षेत्र त्र्यंबकेश्वर विकास योजना के लिए 275 करोड़ रुपये, श्री क्षेत्र महालक्ष्मी मंदिर विकास योजना के लिए 1445.97 करोड़ रुपये, श्री क्षेत्र माहुरगढ़ विकास योजना के लिए 829 करोड़ रुपये कैबिनेट की बैठक में मंजूर किए गए हैं। साथ ही अहिल्यानगर में बालिकाओं और महिलाओं के लिए नई आईटीआई शुरू किए जाने का निर्णय लिया गया है। इसी तरह राहुरी, जिला अहिल्यानगर में वरिष्ठ स्तर का सिविल न्यायालय स्थापित करने का निर्णय लिया गया है। कैबिनेट की बैठक में ग्राम सामाजिक परिवर्तन फाउंडेशन (वीएसटीएफ) के अंतर्गत क्रियान्वित किए जा रहे मिशन महाग्राम कार्यक्रम की अवधि को 2022-25 के स्थान पर 2028 तक बढ़ाने का निर्णय लिया गया है। कैबिनेट की बैठक में धनगर समुदाय के छात्रों को एक प्रसिद्ध अंग्रेजी माध्यम आवासीय विद्यालय में शिक्षा प्रदान करने की योजना का नाम राजा यशवंतराव के नाम पर रखा गया है। यह योजना अब यशवंत विद्यार्थी योजना के रूप में क्रियान्वित की जाएगी। अब तक इस उद्देश्य के लिए 288.92 करोड़ रुपये वितरित किए जा चुके हैं। राजा यशवंतराव होलकर ने 1797 से 1811 के बीच शिक्षा की उन्नति के लिए अनेक कार्य किये। गुरुकुल जैसी परम्परागत शिक्षा को बढ़ावा दिया। सैन्य शिक्षा में अनुशासन, नैतिकता और नेतृत्व गुण शामिल थे। शिक्षा सभी के लिए खुली कर दी गई। महल में लड़कियों के लिए शिक्षा सुविधाएं स्थापित की गईं। अब यह योजना उनके नाम पर रखी गई है। धनगर समाज के पोस्ट-मैट्रिक शिक्षा प्राप्त करने वाले मेधावी विद्यार्थियों के लिए राजस्व विभाग मुख्यालय में छात्रावास बनाने की योजना का नाम पुण्यश्लोक अहिल्यादेवी होलकर छात्रावास योजना रखा गया है।

22 महीने में 99 प्रतिशत गांवों में पहुंचा 5 जी : सिंधिया

एजेंसी
नई दिल्ली। केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने आज यहां कहा कि केवल 22 महीनों में 99 प्रतिशत गांवों को 5जी से जोड़ दिया गया और 82 प्रतिशत आबादी को नेटवर्क पर लाया गया है।श्री सिंधिया ने यहां भारत टेलीकॉम 2025 का उद्घाटन करते हुए कहा कि 470,000 टावर लगाए हैं और यह विकास नहीं बल्कि एक दूरसंचार क्रांति है। पूरे भारत में जो डिजिटल हाईवे बनाया गया है, वह केवल संचार के संदर्भ में नहीं है- यह एक ऐसा मजबूत बुनियादी ढांचा है जो 1.4 अरब नागरिकों को स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा, शासन और आर्थिक अवसर तक पहुंच प्रदान करके सशक्त बनाता है। उन्होंने प्रगतिशील सुधारों और उत्पादन से जुड़े प्रोत्साहनों द्वारा समर्थित दूरसंचार निर्यातक और नवाचार के केंद्र के रूप में भारत की बढ़ती भूमिका का उल?लेख किया। उन?होंने कहा कि केवल गांवों को ही नहीं जोड़ रहे हैं अपितु भविष्य को भी जोड़ रहे हैं। जो भी टावर लगाते हैं, जो भी बाइट भेजते हैं, वह 1.4 अरब लोगों को अवसर के करीब लाता है। उन्होंने कहा कि यह प्रधानमंत्री नरेन?द्र मोदी का साहसिक दृष्टिकोण और दृढ़ संकल्प है जिसने भारत को एक डिजिटल अनुयायी से वैश्विक डिजिटल प्रमुख के रूप में परिवर्तित कर दिया है, आकांक्षाओं को बुनियादी ढांचे में और नीति को प्रगति में बदल दिया है।

मध्य प्रदेश में दो रुपये प्रति लीटर महंगा हुआ सांची दूध, आज रात 12 बजे से लागू होंगे नए दाम

एजेंसी
भोपाल। मध्य प्रदेश सहकारी दुग्ध संघ ने उपभोक्ताओं को बढ़ा झटका देते हुए सांची दूध के दाम बढ़ा दिए हैं। एक लीटर दूध के दाम में दो रुपये का इजाफा किया गया है, जबकि आधा लीटर के पैकेट पर एक रुपये की बढ़ोतरी की गई। दुग्ध संघ ने नई रेट लिस्ट जारी कर दी है। नई दरें आज रात 12 बजे से लागू हो जाएंगी।इससे पहले सांची ने पिछले साल जुलाई में अपने उत्पादों के दाम बढ़ाए थे। करीब 10 महीने के बाद फिर से दूध के रेट में बढ़ोतरी की गई है। हालांकि, सांची डीटीएम 160 एमएल टोंड मिल्क एवं परिवार 200 मिमी पैक दूध के रेट में बढ़ोतरी नहीं की गई है। इस संबंध में सांची प्रबंधन का कहना है कि दूध उत्पादन की लागत में बढ़ोतरी और कच्चे

माल की महंगाई के कारण यह फैसला लिया गया है। इस फैसले का सीधा असर आम उपभोक्ताओं की जेब पर पड़ेगा। दुग्ध संघ द्वारा जारी नई दरों के अनुसार, फुल क्रीम गोल्ड (आधा लीटर) पहले 33 का था, जो अब 34 रुपये में मिलेगा, जबकि फुल क्रीम गोल्ड (एक लीटर) की कीमत 65 रुपये से बढ़कर अब 67 रुपये हो गई है। स्टैंडर्ड दूध शक्ति (आधा लीटर) की कीमत 30 की जगह 31 रुपये और टोण्ड दूध ताजा (आधा लीटर) की कीमत 27 रुपये से बढ़कर 28 रुपये हो गई है। वहीं, डबल टोंड दूध स्मार्ट (आधा लीटर) अब 25 रुपये जगह 26 रुपये और चाय दूध (एक लीटर) अब 58 रुपये की जगह 60 रुपये में मिलेगा। गौरतलब है कि भोपाल में पैक्ड दूध में सांची की सबसे ज्यादा खपत होती है। रोज साढ़े तीन लाख लीटर से अधिक दूध की खपत है। अमूल की खपत 70 हजार लीटर है। इसके बाद सौरभ, श्रीधी, मदर डेयरी के दूध भी पैकेट में बिकते हैं। सौरभ और श्रीधी की बात करें, तो इनकी करीब एक लाख लीटर दूध की खपत शहर और भोपाल के ग्रामीण इलाकों में है। मदर डेयरी ब्रांड के दूध की ज्यादातर खपत शहर में ही होती है। भोपाल में पैक्ड दूध की तुलना में खुले दूध की बिक्री ज्यादा होती है। खुले दूध की खपत 8 से 9 लाख लीटर तक प्रतिदिन है।

खुला दूध भी महंगा हुआ है। कई डेयरियों पर प्रति लीटर दो रुपये तक की बढ़ोतरी की गई है। गौरतलब है कि छह दिन पहले यानी एक मई को अमूल ने दूध के भाव बढ़ाए थे। एक लीटर दूध पर दो रुपए, जबकि आधा लीटर पर एक रुपये की बढ़ोतरी की गई थी। भोपाल, इंदौर, ग्वालियर-जबलपुर समेत प्रदेश के सभी जिलों में नए रेट लागू हो गए हैं। अब सांची ने भी दूध के दाम बढ़ाकर उपभोक्ताओं को बड़ा झटका दिया है।

व्यापारी परिसंघ ने किया सेना का समर्थन

एजेंसी
नई दिल्ली। अखिल भारतीय व्यापारी परिसंघ ने पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद पाकिस्तान की कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में भारतीय सेना की कार्रवाई का समर्थन किया है। परिसंघ महामंत्री और भारतीय जनता पार्टी के सांसद प्रवीण खंडेलवाल ने कहा है कि आज देशवासियों के लिए गर्व और खुशी का दिन है। भारतीय सेना ने पाकिस्तान में मौजूद आतंकवादी ठिकानों पर सटीक और सफलतापूर्वक हमला कर उन्हें ध्वस्त कर दिया है। यह कार्रवाई हमारे वीर सैनिकों की असाधारण बहादुरी, साहस और प्रतिबद्धता का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने यह स्पष्ट संदेश दिया है कि अब आतंकवाद को किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। यह कार्रवाई केवल एक सैन्य सफलता नहीं, बल्कि नए भारत की निर्णायक और सशक्त सोच का प्रमाण है। श्री खंडेलवाल ने कहा, भारत के नौ करोड़ से अधिक व्यापारियों की ओर से हम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं तीनों सेनाओं को सैल्यूट करते हैं ।देश का व्यापारी वर्ग पूर्ण दृढ़ता के साथ प्रधानमंत्री श्री मोदी के हर कदम में उनके साथ है। उन्होंने कहा कि हम तीनों सेनाओं थलसेना, वायुसेना और नौसेना के समन्वित प्रयासों की सराहना करते हैं, जिन्होंने मिलकर यह ऐतिहासिक अभियान सफल बनाया है।

डिजिटलीकरण के पूर्ण लाभ के लिए डिजिटल अंतर को कम करने की जरूरत: रिपोर्ट

एजेंसी
मिलान, इटली। एशियाई विकास बैंक (एडीबी) की एक नई रिपोर्ट के अनुसार डिजिटलीकरण एशिया और प्रशांत क्षेत्र में लगातार आर्थिक असमानता को कम करने में मदद करने के लिए एक शक्तिशाली उपकरण हो सकता है लेकिन इसकी क्षमता का दोहन करने के लिए, सरकारों को बुनियादी ढांचे, पहुँच और कौशल में अंतर सहित 'डिजिटल अंतर' को कम करने की आवश्यकता है। हालाँकि विकासशील एशिया और प्रशांत क्षेत्र ने हाल के दशकों में डिजिटल विकास में अन्य क्षेत्रों को पीछे छोड़ दिया है, लेकिन लाभ समान रूप से साझा नहीं किए गए हैं। आज जारी की गई एशियाई विकास नीति रिपोर्ट 2025ः हार्नेसिंग डिजिटल ट्रांसफ़ॉर्मेशन फ़ॉर गुड के अनुसार, पूरे क्षेत्र में इंटरनेट का उपयोग करने वाले निवासियों का प्रतिशत ग्रामीण क्षेत्रों की तुलना में शहरी क्षेत्रों में 13 प्रतिशत अधिक है। शहरी क्षेत्रों में मोबाइल इंटरनेट डाउनलोड की गति भी ग्रामीण क्षेत्रों की तुलना में 38 प्रतिशत अधिक है। पिछले अध्ययनों में यह भी पाया गया है कि एशिया और प्रशांत क्षेत्र की कई विकासशील अर्थव्यवस्थाएँ डिजिटल समावेशन के मामले में पिछड़ी हुई हैं और उनमें आम तौर पर डिजिटल कौशल का स्तर कम है।

पूरे दिन उतार-चढ़ाव के बाद गिरावट के साथ बंद हुआ शेयर बाजार, निवेशकों को लगी 6.85 लाख करोड़ की चपत

एजेंसी
नई दिल्ली। पूरे दिन उतार-चढ़ाव का सामना करने के बाद घरेलू शेयर बाजार आज गिरावट के साथ बंद हुआ। आज के कारोबार की शुरुआत मामूली बढ़त के साथ हुई थी। बाजार खुलने के बाद बिकवाली का दबाव बन गया, जिसके कारण सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांक गिरकर लाल निशान में पहुंच गए। हालांकि दोपहर 12 बजे के बाद खरीदारों ने लिवाली का जोर बना कर बाजार को सपोर्ट देने की कोशिश भी की। इसके बावजूद शेयर बाजार की स्थिति में अधिक सुधार नहीं हो सका। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.19 प्रतिशत और निफ्टी 0.33 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुए। आज दिनभर के कारोबार के दौरान रियल्टी, पीएसयू बैंक और एनर्जी सेक्टर के शेयरों में सबसे अधिक बिकवाली होती रही। इसी तरह ऑयल एंड गैस, फार्मास्यूटिकल, कैपिटल गुड्स, एफएमसीजी, पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज और टेक इंडेक्स भी गिरावट के साथ बंद हुए। दूसरी ओर, ऑटोमोबाइल सेक्टर के शेयरों में खरीदारी का जोर बना रहा। ब्रॉडर मार्केट में भी आज बिकवाली का दबाव बना रहा, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 2.66 प्रतिशत की गिरावट के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 2.33 प्रतिशत की कमजोरी के साथ आज के कारोबार का अंत किया। आज शेयर बाजार में आई कमजोरी के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में करीब सात लाख करोड़ रुपये की कमी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद घट कर 420.63 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया। जबकि पिछले कारोबारी दिन यानी सोमवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 427.48 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 6.85 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हो गया। आज दिनभर के कारोबार में बीएसई में 4,072 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 787 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 3,151 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 134 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में आज 2,580 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 489 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 2,171 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 11 शेयर बढ़त के साथ और 19 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 14 शेयर हरे निशान में और 36 शेयर लाल निशान में बंद हुए। बीएसई का सेंसेक्स आज 110.40 अंक की तेजी के साथ 80,907.24 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होने के बाद से ही बाजार में मुनाफा वसूली का दबाव बन गया, जिसके कारण इस सूचकांक की चाल में गिरावट आ गई। चौतरफा बिकवाली के कारण यह सूचकांक 315.81 अंक टूट कर 80,481.03 अंक के स्तर तक गिर गया। हालांकि दिन के दूसरे सत्र में खरीदारों ने लिवाली का जोर बनाने की कोशिश की, जिससे इस सूचकांक की स्थिति में मामूली सुधार होता हुआ नजर आया। इसके बावजूद पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 155.77 अंक की कमजोरी के साथ 80,641.07 अंक के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने आज 39.60 अंक की बढ़त के साथ 24,500.75 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलने के बाद बिकवाली का दबाव बन जाने की वजह से पहले सत्र के कारोबार में ही यह सूचकांक 129.35 अंक लुढ़क कर 24,331.80 अंक तक गिर गया। दिन के दूसरे सत्र में खरीदारों ने लिवाली करके बाजार को सपोर्ट देने की कोशिश भी की, लेकिन बिकवाली का दबाव इतना अधिक था कि यह सूचकांक लगातार लाल निशान में ही कारोबार करता रहा ।

वेव्स 2025 में प्रो कबड्डी लीग की सफलता बनी चर्चा का केंद्र

एजेंसी

मुंबई। वर्ल्ड ऑडियो विजुअल एंड एंटरटेनमेंट समिट (वेव्स) 2025 में 'इंडिजिनस स्पोर्ट्सः फ्रॉम इंडिया टू द ग्लोबल स्टेज' विषय पर एक अहम पैनल चर्चा हुई। इस सत्र में केंद्र सरकार, खेल प्रशासन और अंतरराष्ट्रीय खेल रणनीति से जुड़े दिग्गज शामिल हुए। चर्चा का उद्देश्य भारत के पारंपरिक खेलों को वैश्विक पहचान दिलाने की दिशा में किए जा रहे प्रयासों पर प्रकाश डालना था। इस सत्र की शुरुआत ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी के उद्घाटन भाषण से हुई। इसके बाद खेल राज्य मंत्री रक्षा निखिल खडसे, प्रो कबड्डी लीग के चेयरमैन अनुपम गोस्वामी, खो-खो फेडरेशन ऑफ इंडिया के अध्यक्ष सुधांशु मित्तल, खेल सलाहकार मिस्टर निक कावर्ड, फैनकोड के को-फाउंडर मिस्टर यानिक कोलाको और ईरानी कबड्डी स्टार फजल अत्राचली जैसे दिग्गजों ने अपने विचार रखे। प्रो कबड्डी लीग की सफलता पर बोलते हुए अनुपम गोस्वामी ने कहा, कबड्डी की यात्रा एशियन गेम्स में पहचान मिलने से लेकर जियोस्टार के साथ ऐतिहासिक साझेदारी तक पहुंच चुकी है। 2024 सीजन को 201 मिलियन दर्शकों ने देखा, यह बताता है कि देशी खेलों में कितनी बड़ी संभावनाएं हैं।

महिला वनडे त्रिकोणीय शृंखलाः दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ फाइनल में जगह पक्की करने उतरेगा भारत

नई दिल्ली। कोलंबो में चल रही महिला त्रिकोणीय सीरीज में भारतीय टीम बुधवार को दक्षिण अफ्रीका से भिड़ेगी। भारत की नजर जहां फाइनल में जगह पक्की करने पर होगी, वहीं टीम पिछली हार का बदला लेने के इरादे से भी मैदान में उतरेगी। रविवार को श्रीलंका के खिलाफ मिली हार से भारत की लगातार आठ जीत की लय टूट गई थी।

अंकतालिका में भारत टॉप पर, नेट रनरेट बनी ताकत

भारत ने अब तक तीन मुकाबलों में चार अंक हासिल किए हैं और नेट रनरेट (+0.433) के आधार पर श्रीलंका (+-0.166) से आगे है। दक्षिण अफ्रीका अभी तक एक भी मुकाबला नहीं जीत सकी है और अंक तालिका में सबसे नीचे है, हालांकि उन्होंने एक मुकाबला कम खेला है।

बल्लेबाजी में प्रतिभा रावल चमकीं, गेंदबाज़ी में स्नेह राणा का जलवा

भारतीय टीम के लिए सबसे बड़ी सकारात्मक बात ओपनर प्रतिभा रावल की शानदार फॉर्म रही है। उन्होंने अब तक 163 रन बनाए हैं, जिसमें दो अर्धशतक शामिल हैं। वहीं गेंदबाज़ी में स्नेह राणा ने तीन मैचों में 11 विकेट झटके हैं और 4.25 की इकॉनमी से गेंदबाज़ी की है। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ उन्होंने करियर का पहला पांच विकेट हॉल भी लिया था।

माता-पिता और वरिष्ठों के सहयोग से सुजाता कुजूर की नजर ओलंपिक खेलों पर

नई दिल्ली। ओडिशा के सुंदरगढ़ की गलियों से निकली 21 वर्षीय डिफेंडर सुजाता कुजूर अब भारतीय महिला हॉकी टीम के सीनियर कैम्प का हिस्सा बन चुकी हैं। हाल ही में उन्होंने ऑस्ट्रेलिया दौरे पर सीनियर टीम के साथ अपना पहला अंतरराष्ट्रीय दौरा पूरा किया, जो कि हॉकी की दुनिया में सबसे चुनौतीपूर्ण माने जाने वाले टूर में से एक है। अपने पहले अंतरराष्ट्रीय दौरे को याद करते हुए सुजाता ने हॉकी इंडिया के हवाले से कहा, यह मेरे लिए बहुत ही खास अनुभव रहा। सीनियर टीम के साथ पहली बार खेलने का मौका मिला, जहां थोड़ा दबाव भी महसूस हुआ, लेकिन सीनियर खिलाड़ियों से बहुत कुछ सीखने को मिला। खासकर यह कि वो ट्रेनिंग और मैचों को कैसे लेते हैं। उन्होंने आगे कहा, सीनियर खिलाड़ी बेहद सहयोगी और प्रेरणादायक रहे। उन्होंने मुझे समझाया कि बेवजह का दबाव लेने की जरूरत नहीं है, बस अपने स्वाभाविक खेल पर ध्यान दो। सबने मुझे बहुत सपोर्ट किया। सुजाता की हॉकी यात्रा आसान नहीं रही। दीप ग्रेस एका को अपना आदर्श मानने वाली सुजाता ने मात्र 10 साल की उम्र में हॉकी खेलना शुरू किया था। आर्थिक स्थिति कमजोर थी, लेकिन उनके जज़्बे में कोई कमी नहीं आई।

खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2025 में देसी खेल खो-खो बना आकर्षण का केंद्र

नई दिल्ली। खेलो इंडिया यूथ गेम्स (केआईवाईजी) 2025 में देसी खेल खो-खो ने एक बार फिर अपनी पकड़ मजबूत की है। 5 मई से बिहार के बोधगया स्थित बीआईपीएआरडी ग्राउंड में शुरू हुए खो-खो मुकाबलों को देखने के लिए सैकड़ों स्कूली छात्र मैदान में उमड़ पड़े। इस टूर्नामेंट में लड़कों और लड़कियों की 8-8 टीमों सहित कुल 16 टीमें हिस्सा ले रही हैं, जो 9 राज्यों का प्रतिनिधित्व कर रही हैं। इन खेलों का आयोजन बिहार के पांच शहरों पटना, राजगीर, गया, भागलपुर और बेगूसराय में 15 मई तक किया जा रहा है। खो-खो मुकाबले 5 से 9 मई तक बोधगया में दो इनडोर मैट कोर्ट पर खेले जा रहे हैं। खो-खो को वैश्विक मंच पर लाने की दिशा में यह आयोजन एक अहम कदम है। हाल ही में हुए वेव्स समिट 2025 में इस दिशा में भारत की प्रतिबद्धता को दोहराया गया था। खो-खो फेडरेशन ऑफ इंडिया (केकेएफआई) के लगभग 40 तकनीकी अधिकारी टूर्नामेंट के संचालन में जुटे हैं। इस आयोजन में कुल लगभग 240 खिलाड़ी, 16 कोच और 16 टीम मैनेजर शामिल हैं।

एमआई कप्तान पंड्या और गुजरात कोच नेहरा पर लगा जुर्माना

एजेंसी

मुंबई। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 में मंगलवार रात मुंबई इंडियंस (एमआई) और गुजरात टाइटंस (जीटी) के बीच खेले गए मुकाबले में हार्दिक पांड्या की कप्तानी वाली मुंबई की टीम को एक बार फिर धीमी ओवर गति के चलते जुर्माने का सामना करना पड़ा है। वहीं, गुजरात के कोच आशीष नेहरा को 'खेल भावना के विपरीत आचरण' के लिए फाइन और डिमेरिट प्वाइंट दिया गया। बारिश से प्रभावित इस मुकाबले में मुंबई इंडियंस को अंतिम ओवर में एक अतिरिक्त फील्डर 30-यार्ड सर्कल के अंदर लाना पड़ा, जो आईपीएल के नियमों के तहत धीमी ओवर गति पर इन-गेम पेनल्टी है। गुजरात को अंतिम ओवर में जीत के लिए 15 रन चाहिए थे और उन्होंने आखिरी गेंद पर मैच जीत लिया। आईपीएल की ओर से जारी बयान के अनुसार मुंबई इंडियंस के कप्तान हार्दिक

पांड्या पर उनकी टीम द्वारा वानखेड़े स्टेडियम में गुजरात टाइटंस के खिलाफ टाटा इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के मैच नंबर 56 के दौरान धीमी ओवर गति बनाए रखने के लिए जुर्माना लगाया गया है। बयान में आगे कहा कि चूंकि यह आईपीएल की आचार संहिता के तहत न्यूनतम ओवर-रेट अपराधों से संबंधित उनकी टीम का सीजन का दूसरा अपराध था, इसलिए पंड्या पर 24 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया। इम्पैक्ट प्लेयर और कन्कशन सब्स्टीट्यूट सहित प्लेइंग इलेवन के बाकी सदस्यों पर व्यक्तिगत रूप से 6 लाख रुपये या उनकी संबंधित मैच फीस का 25 प्रतिशत (जो भी कम हो) जुर्माना लगाया गया। वहीं मैच के अंतिम क्षणों में जब बार-बार बारिश की वजह से खेल रुका, आशीष नेहरा बेहद जोशीले अंदाज में नजर आए और अंपायरों से मैच फिर से शुरू करने की मांग करते दिखे। इसी आचरण को लेकर उन्हें आईपीएल कोड ऑफ कंडक्ट के आर्टिकल 2.20 के उल्लंघन का दोषी पाया गया। नतीजतन, उन पर मैच फीस का 25 प्रतिशत जुर्माना और एक डिमेरिट प्वाइंट लगाया गया। यह पहली बार है जब किसी कोच को इस तरह की सजा दी गई है। आईपीएल के बयान के अनुसार गुजरात टाइटंस के हेड कोच आशीष नेहरा पर आईपीएल आचार संहिता के उल्लंघन के लिए मैच फीस का 25 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है और एक डिमेरिट अंक भी लगाया गया है। उन्होंने अनुच्छेद 2.20 के तहत लेवल एक का अपराध किया, जो खेल की भावना के विपरीत आचरण से संबंधित है। उन्होंने मैच रेफरी की सजा को स्वीकार कर लिया।

आईपीएल : पंजाब के साथ मुकाबले के लिए धर्मशाला पंहुचे दिल्ली के धुरंधर

एजेंसी

धर्मशाला। धर्मशाला के एचपीसीए क्रिकेट स्टेडियम में आठ मई को होने वाले दूसरे आईपीएल मुकाबले के लिए मेहमान दिल्ली कैपिटल्स की टीम मंगलवार दोपहर बाद धर्मशाला पहुंची। मेज़बान पंजाब किंग्स से टक्कर लेने के लिए अक्षर पटेल की सेना केएल राहुल और अन्य खिलाड़ियों के साथ दिन में करीब दो बजकर 40 मिनट पर गगल एयरपोर्ट पर पंहुचे। एयरपोर्ट से टीम के खिलाड़ियों को विशेष बसों द्वारा सीधा धर्मशाला के कंडी स्थित होटल रेडिसन ब्लू ले जाया गया। एयरपोर्ट और होटल पंहुचने पर दिल्ली की टीम का पारंपरिक तरीके से स्वागत किया गया। गौर हो कि दिल्ली कैपिटल्स आठ मई को धर्मशाला में मेजबान पंजाब किंग्स के साथ अपना मैच खेलेगी। यह मैच आठ मई को शाम साढ़े सात बजे शुरू होगा। पंजाब की टीम धर्मशाला में बीते चार मई को खेले गए मैच में लखनऊ सुपर जायंट्स को हरा कर पॉइंट टेबल में दूसरे स्थान पर पंहुच गई है। दिल्ली की टीम का बीते दिन हैदराबाद के साथ मुकाबला ड्रा रहा जिसके चलते वह अभी भी पांचवें स्थान पर बनी हुई है। वहीं, दूसरी ओर मेज़बान पंजाब किंग्स लखनऊ को हराने के बाद अपने होम ग्राउंड धर्मशाला में उत्साह से लबरेज है। पंजाब अपने आगामी दो अहम मुकाबले आठ को दिल्ली व 11 मई को मुंबई के साथ खेलने के लिए तैयार है। आठ मई को खेले जाने वाले इस मुकाबले से पूर्व दोनों टीमें मैदान में पसीना बहाती नजर आएंगी। तय कार्यक्रम बीके मुताबिक पंजाब की टीम आज शाम छह से नौ बजे तक जबकि दिल्ली की टीम कल बुधवार को इवी समय पर प्रैक्टिस के लिए मैदान में उतरेगी।

नेशनल टीम में जगह बनाने को तैयार सुनील जोजो, बोले- देश के लिए मेडल जीतना है सपना

एजेंसी

बेंगलुरु। ओडिशा के राउरकेला से निकलकर अब सुनील जोजो भारतीय सीनियर पुरुष हॉकी टीम के नेशनल कोचिंग कैंप में अपनी जगह बना चुके हैं। 22 वर्षीय डिफेंडर पहले दो बार जूनियर हॉकी वर्ल्ड कप में भारत का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं और हाल ही में सुल्तान ऑफ जोहर कप में कांस्य पदक जीतने वाली टीम का भी हिस्सा रहे। सीनियर कैंप में पहली बार शामिल होने का अनुभव साझा करते हुए सुनील ने हॉकी इंडिया के हवाले से कहा, यह आसान नहीं है। यहां की फिजिकल डिमांड और खेल की गति काफी ज्यादा है। आपको तेजी से ढलना पड़ता है। स्किल लेवल भी अलग है, इसलिए कड़ी मेहनत करनी होती है। अब जब मैं यहां हूं, तो उसी हिसाब से खुद को ढाल रहा हूं।

अपनी ताकत और सुधार की जरूरतों पर फोकस

सुनील ने अपनी मजबूतियों में 'गेम अवेयरनेस' और 'टैकलिंग' को गिनाया, लेकिन साथ ही अपनी फिटनेस पर और काम करने की बात भी स्वीकारी। उन्होंने कहा, मेरे खेल की सबसे बड़ी ताकत अवेयरनेस और टैकलिंग है, लेकिन मुझे अपने स्टेमिना और एंड्योरेंस पर काफी मेहनत करनी है। सुनील ने हमेशा मनप्रीत सिंह को अपना आदर्श माना है और अब उनके साथ कैंप में ट्रेनिंग करना उनके लिए एक बड़ा मौका है। उन्होंने कहा, अब मैं उनके साथ ज्यादा वक्त बिता रहा हूं। वो अलग-अलग रोल और पोजीशन में खेलते हैं, तो मैं यह सीखने की कोशिश करता हूं कि वो अलग परिस्थितियों में कैसे खुद को ढालते हैं। भविष्य को लेकर सुनील पूरी तरह स्पष्ट हैं। उन्होंने कहा, मैं भारतीय टीम का नियमित हिस्सा बनना चाहता हूं और हर टूर्नामेंट में देश का प्रतिनिधित्व करना चाहता हूं। मेरा सपना है कि मैं भारत के लिए मेडल जीतूं। हीरो हॉकी इंडिया लीग

में यूपी रुद्रास टीम द्वारा चुने जाने के बाद भले ही सुनील को ज्यादा मौके नहीं मिले, लेकिन उन्होंने अनुभव को कीमती बताया। उन्होंने कहा, मैंने बहुत कुछ सीखा, खासकर ड्रेसिंग रूम और ट्रेनिंग के दौरान। आगे उस अनुभव का फायदा उठाना चाहता हूं।द्धद्म

इंटर मिलान के खिलाफ हार के बाद भड़के बार्सिलोना कोच हैंसी फ्लिक, रेफरी के फैसलों पर उठाए सवाल

एजेंसी

मिलान। सैन सिरो में इंटर मिलान से 4-3 की हार के बाद बार्सिलोना के चैंपियंस लीग फाइनल में पहुंचने का सपना टूट गया। बार्सिलोना के मैनेजर हैंसी फ्लिक ने मैच के दौरान रेफरी के कई फैसलों पर नाराज़गी जाहिर की। बार्सिलोना ने दो गोल से पिछड़ने के बाद जोरदार वापसी की और 87वें मिनट में राफिन्हा के गोल से 3-2 की बढ़त हासिल कर ली थी। लेकिन इंजुरी टाइम में इंटर के फ्रांसेस्को एचेर्बी ने गोल कर मैच को एक्स्ट्रा टाइम में पहुंचा दिया। फिर घरेलू टीम के सब्स्टीट्यूट डेविडे फ्रत्तेसी ने निर्णायक गोल कर इंटर को 7-6 के कुल स्कोर के साथ फाइनल में पहुंचा दिया।

रेफरी मार्किनियाक के फैसलों पर उठे सवाल

हैंसी फ्लिक ने पोलैंड के रेफरी सिज़मोन मार्किनियाक के फैसलों की आलोचना करते हुए कहा, हर 50-50 फैसला इंटर के पक्ष में गया।

उन्होंने इंटर को दिए गए पेनल्टी पर आपत्ति जताई, जो पाओ कुबारसी के लुटारो मार्टिनेज पर टैकल के लिए वीएआर समीक्षा के बाद दी गई थी। वहीं, बार्सिलोना को मिले एक

पेनल्टी को वीएआर ने यह कहते हुए बाहर का फाउल करार दिया कि मिखितारियन का यामल पर फाउल बॉक्स के बाहर हुआ था।

बार्सिलोना के खिलाड़ियों और स्टाफ ने एक संभावित हैंडबॉल और डुमफ्रिज द्वारा गेरार्ड मार्टिन पर फाउल को लेकर भी आपत्ति जताई, जो इंटर के बराबरी वाले गोल के पहले हुआ।

रेफरी से कहा जो कहना था, लेकिन यहां नहीं बताऊंगा - फ्लिक

मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में फ्लिक ने कहा, ÷मैं रेफरी के बारे में ज्यादा नहीं बोलना चाहता, लेकिन हर फैसला उनके पक्ष में गया। मैं अपनी टीम से निराश नहीं हूं, उन्होंने सब कुछ झोंक दिया। उन्होंने आगे कहा, मैंने रेफरी को जो कहना था, कह दिया है, लेकिन मैं उसे यहां नहीं दोहराऊंगा।

अब लक्ष्य है ला लीगा, रियल से होगा बड़ा मुकाबला

बार्सिलोना अब कोपा डेल रे जीतने के बाद ट्रेबल की उम्मीद खो चुका है। टीम अब ला लीगा पर फोकस करेगी, जहां वह टॉप पर है और रविवार को रियल मैड्रिड के खिलाफ 'एल क्लासिको' खेलेगी। बार्सिलोना चार अंकों की बढ़त के साथ आगे है और पिछले तीन क्लासिको मुकाबले जीत चुका है। फ्लिक ने कहा, हम इससे सीख लेंगे। हम आगे बढ़ना चाहते हैं, और हमारे पास अब ज्यादा समय नहीं है, लेकिन अगला मैच जल्द ही है। हर खिलाड़ी को खुद पर गर्व होना चाहिए।

यूईएफए चैंपियंस लीग फाइनल में इंटर मिलान की धमाकेदार एंट्री, बार्सिलोना को 4-3 से हराया

एजेंसी

मिलान। इंटर मिलान ने यूईएफए चैंपियंस लीग 2024-25 के सेमीफाइनल में बार्सिलोना को एक्स्ट्रा टाइम तक चले रोमांचक मुकाबले में 4-3 से हराकर फाइनल में जगह बना ली। दो लेग्स के कुल स्कोर में इंटर ने 7-6 से जीत दर्ज की। मिलान की बरसात में खेले गए इस मुकाबले में इटली के मिडफील्डर डेविडे फ्राटेसी ने 99वें मिनट में विजयी गोल दागा। उनका यह सातवां गोल सीज़न का सबसे अहम साबित हुआ और सं सिरो स्टेडियम जश्न में डूब गया। सिमोन इनज़ागी की टीम अब म्यूनिख में इस महीने के अंत में होने वाले फाइनल में आर्सेनल या पेरिस सेंट-जर्मेन में से किसी एक से भिड़ेगी। इंटर के लिए यह मुकाबला

सीज़न का टर्निंग पॉइंट बन गया है, क्योंकि वह पहले ही इटालियन कप से बाहर हो चुका था और सीरी ए की दौड़ में भी नेपोली से पिछड़ गया है। बार्सिलोना ने पहले हाफ में 2-0 से पिछड़ने के बाद जबरदस्त वापसी की। एरिक गार्सिया और डानी ओल्मो ने गोल कर स्कोर 2-2 कर दिया। फिर 88वें मिनट में राफिन्हा ने गोल कर बार्सिलोना को 3-2 की बढ़त दिला दी। लेकिन, इंजरी टाइम में फ्रांसेस्को एचर्बी ने डेनजेल डमफ्रिस की क्रॉस पर गोल कर मुकाबले को एक्स्ट्रा टाइम में पहुंचा दिया। इंटर के स्विस गोलकीपर यान सोमर ने कई अहम मौके पर शानदार बचाव किए। उन्होंने एरिक गार्सिया और लमीन यमाल के प्रयासों को नाकाम कर मैच में इंटर की उम्मीदों को ज़िंदा रखा। अब इंटर मिलान दो साल में दूसरी बार चैंपियंस लीग फाइनल में पहुंचा है और एक बार फिर यूरोप का ताज पहनने की दहलीज़ पर खड़ा है।

बिहार में आईपीएल की तर्ज पर होगा बिहार प्रीमियर लीग

एजेंसी

पटना। बिहार अपने खेलों के स्तर को लगातार बढ़ा में लगा है। इसके तहत अब बिहार क्रिकेट एसोसिएशन (बीसीए) ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की तर्ज पर बिहार प्रीमियर लीग (बीपीएल) के आयोजन की घोषणा की है। यह टी-20 फॉर्मेट का भव्य टूर्नामेंट 1 जून से 25 जून 2025 तक पटना के ऊर्जा ग्राउंड में खेला जाएगा,जिसमें छह टीमें भाग लेंगी। इसके लिए बीसीए ने फ्रेंचाइजी पार्टनर बनने के इच्छुक व्यक्तियों और कंपनियों से रुचि पत्र (ईओआई) मांगे हैं। आवेदन भेजने की अंतिम तिथि 7 मई निर्धारित की गई है। शाम 5 बजे तक इच्छुक आवेदक अपना प्रस्ताव ईमेल के माध्यम से info.bpl@bihar-cricketassociation.com पर भेज सकते हैं। इस टूर्नामेंट में टीमों की न्यूनतम बोली राशि 5 करोड़ रुपये प्रति वर्ष तय की गई है। जो इसे बिहार की अब तक की सबसे बड़ी क्रिकेट लीग बनाता है। प्रत्येक फ्रेंचाइजी को 50 लाख रुपये की ब्याज मुक्त सुरक्षा राशि भी जमा करनी होगी, जो टूर्नामेंट के समापन के बाद वापस की जाएगी।

बीपीएल में सभी छह टीमें बिहार के प्रमुख शहरों के नाम पर होंगी। इन नामों को बीपीएल की गवर्निंग काउंसिल अंतिम मंजूरी देगी। टूर्नामेंट का सीधा प्रसारण जिओ सिनेमा पर किया जाएगा।

शुरुआत में ऐसा लग रहा था जैसे हम टेस्ट मैच खेल रहे हों : शुभमन गिल

एजेंसी

मुंबई। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल 2025) के रोमांचक मुकाबले में गुजरात टाइटंस ने डकवर्थ लुईस नियम के आधार पर मुंबई इंडियंस को 3 विकेट से हरा दिया। मैच के बाद कप्तान शुभमन गिल ने बताया कि जब टीम लक्ष्य का पीछा करने उतरी, तो हालात टेस्ट मैच जैसे महसूस हो रहे थे। हवा तेज़ चल रही थी और बारिश की वजह से बल्लेबाज़ी करना बेहद कठिन हो गया था।

पावरप्ले में संभलकर खेली क्रिकेटः गिल ने कहा, पावरप्ले के दौरान हमारा गेम प्लान बिल्कुल अलग था। चार से पांच ओवर तक ऐसा लग रहा था जैसे हम टेस्ट मैच खेल रहे हों। हमें सामान्य क्रिकेट खेलनी पड़ी। पावरप्ले के बाद सोचा कि अब अपने गेम पर लौटते हैं, लेकिन बारिश बार-बार बाधा डाल रही थी। गुजरात ने पावरप्ले में सिर्फ

29 रन बनाए, लेकिन इसके बाद गिल और जोस बटलर ने 72 रन की अहम साझेदारी कर पारी को संभाला। फिर गिल और शर्फेन रदरफोर्ड के बीच तेज़ साझेदारी भी हुई, लेकिन अचानक टीम ने 15 गेंदों में 13 रन पर 4 विकेट गंवा दिए, जिससे लय टूट गई और गुजरात डकवर्थ-लुईस स्कोर से भी पीछे हो गई।

ड्रेसिंग रूम में छाए थे निराशा के बादल

गिल ने कहा, उस वक्त ड्रेसिंग रूम में काफी निराशा थी, क्योंकि एक समय हम गेम में काफी आगे थे। फिर जैसे ही वो 4 ओवर का खराब सत्र आया, 13 रन पर 4 विकेट चले गए, तो ऐसा लगा जैसे कोई टेस्ट मैच का सत्र हमारे खिलाफ चला गया हो। वो समय काफी फ्रस्ट्रेटिंग था, लेकिन यूनिवर्स ने हमें एक और मौका दिया और फिर सब ठीक हो गया।

राशिद खान की वापसी से गिल खुश

गिल ने राशिद खान की तारीफ करते हुए कहा, सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ 3 ओवर में 50 रन देने के बाद उन्होंने शानदार वापसी की। चोट से उबरकर वो जैसे नेट्स में मेहनत कर रहे थे और जिस तरह उन्होंने गेंदबाज़ी की, वो हमारे लिए बहुत अच्छा संकेत है।

मिशेल ओवेन को चोटिल ग्लेन मैक्सवेल की जगह पंजाब किंग्स की टीम में मिली जगह

एजेंसी

धर्मशाला। चोटिल ग्लेन मैक्सवेल की जगह ऑस्ट्रेलिया के ऑलराउंडर मिशेल ओवेन को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के शेष सत्र के लिए पंजाब किंग्स की टीम में शामिल किया गया है। पंजाब किंग्स के मुख्य कोच रिकी पोंटिंग ने 23 वर्षीय ओवेन का टीम में स्वागत करते हुए कहा, ÷मुझे लगता है कि हम सभी इस सत्र के अंतिम चरण के लिए मिशेल ओवेन को अपनी टीम में शामिल करके बहुत खुश हैं। वह एक ऐसा खिलाड़ी है जिसे मैंने पिछले 12 महीनों में बहुत करीब से देखा है। वह ऐसा खिलाड़ी है जो अलग-अलग क्रम पर बल्लेबाजी कर सकता है और साथ ही कुछ बहुत ही उपयोगी मध्यम गति की गेंदबाजी भी कर सकता है। मैं उसे टीम का हिस्सा बनाकर वास्तव में उत्साहित हूं।

गुजरात के खिलाफ आखिरी गेंद तक मिली हार के बाद हार्दिक पांड्या बोले- नो बॉल ने हमें हराया

एजेंसी

मुंबई। मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में बारिश से प्रभावित मुकाबले में मुंबई इंडियंस को गुजरात टाइटंस के खिलाफ आखिरी गेंद पर तीन विकेट से हार का सामना करना पड़ा। यह मुकाबला उतार-चढ़ाव से भरा रहा, लेकिन अंत में कप्तान हार्दिक पांड्या की 'नो बॉल' चिंता की सबसे बड़ी वजह बनी।मैच के बाद हार्दिक ने कहा, ÷कैच छूटने से ज्यादा नुकसान नो बॉल्स ने पहुंचाया। मेरे द्वारा डाले गए दो नो बॉल और आखिरी ओवर में दीपक चाहर की नो बॉल को मैं क्राइम मानता हूं। ये चीजें अक्सर टीम को भारी पड़ती हैं और हमारे साथ भी वही हुआ।

हार्दिक ने 8वें ओवर में दो नो बॉल डालीं, जो 18 रन खर्च करने वाले ओवर में शामिल रहीं। वहीं, आखिरी ओवर में 14 रन बचाने की कोशिश कर रहे दीपक चाहर ने भी अहम मौके पर नो बॉल फेंकी। हार्दिक ने साफ कहा कि कैच ड्रॉप ज्यादा बड़ा कारण नहीं था। हम कैच को लेकर बहुत क्लीनिकल थे। शायद अगर नो बॉल नहीं होती तो जीत हमारी होती। लेकिन मैं खिलाड़ियों से खुश हूं कि उन्होंने 120ञ्ज दिया और आखिरी तक मुकाबले में बने रहे। हार्दिक बोले, यह 150 रन का विकेट नहीं था। पिच पर 175 रन बनने चाहिए थे। हम बल्लेबाज़ी में 20-30 रन पीछे रह गए। लेकिन गेंदबाज़ों ने शानदार वापसी करवाई, खासकर गीली गेंद और बार-बार बारिश से बाधित होते मैच में।हार्दिक ने यह भी बताया कि दूसरी पारी के दौरान गेंद लगातार गीली हो रही थी जिससे

गेंदबाज़ों को दिक्कत हुई। पहली पारी में मैदान सूखा था, लेकिन दूसरी पारी में गेंद गीली होती गई। ये परिस्थितियां हमारे पक्ष में नहीं रहीं, लेकिन खेल चलता रहता है।

खेलो इण्डिया यूथ गेम्स 2025: मध्य प्रदेश के खिलाड़ियों ने मलखंभ बालक वर्ग में जीता स्वर्ण पदक

एजेंसी

भोपाल। बिहार राज्य की राजधानी पटना में आयोजित खेलो इण्डिया यूथ गेम्स 2025 में मध्य प्रदेश के खिलाड़ियों ने अपना शानदार प्रदर्शन करते हुए मलखंभ बालक वर्ग में स्वर्ण पदक अर्जित किया। वहीं, युग प्रताप सिंह ने 10 मीटर शूटिंग में कांस्य पदक मध्य प्रदेश की झोली में डाला। इस प्रकार मध्य प्रदेश ने अब तक प्रतियोगिता में दो पदक हासिल किए हैं।खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2025 का आयोजन 04 से 15 मई तक बिहार में पटना, राजगीर, भागलपुर, नई दिल्ली, गया में हो रहा है, जिसमें मध्य प्रदेश का 176 खिलाड़ी और 53 सपोर्ट स्टॉफ सहित कुल 229 सदस्यीय दल 18 खेलों में प्रतिभागिता कर रहा है। यूथ गेम्स में हुई मलखंभ की प्रतिगिता में मध्य प्रदेश के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक अपने नाम किया। मध्य प्रदेश ने 123.60 अंकों के साथ यह स्वर्ण पदक जीता, जबकि महाराष्ट्र 122.50 के साथ द्वितीय और छत्तीसगढ़ 122.05 के साथ तृतीय स्थान पर रहा। मध्य प्रदेश की टीम में छह खिलाड़ी-देवेन्द्र पाटीदार, यतिन कोरी, युवराज राव, नीरज काछावा, जयंत राठौर और दक्ष कहार शामिल रहे। वहीं, व्यक्तिगत बालक वर्ग 10 मी. पिस्टल शूटिंग में मध्य प्रदेश के युगप्रताप सिंह राठौर ने कांस्य पदक अपने नाम किया। इस प्रतियोगिता में राजस्थान के मयंक चौधरी ने स्वर्ण और चंडीगढ़ के धैर्य

पराशर ने रजत पदक आर्जित किया। मध्य प्रदेश खेल मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने पदक विजेता खिलाड़ियों को बधाई दी है। उन्होंने राज्य खेल मलखंभ के खिलाडियों के इस प्रदर्शन की सराहना की है।

अन्य परिणाम - खेले गए गतका में बालिका फारी सोत्ती टीम प्रतियोगिता में मध्य प्रदेश की टीम ने चंडीगढ़ की टीम को कवाटर फाइनल मुकाबले में हराकर सेमी फाइनल में अपनी जगह पक्की की। वहीं, ट्रैप बालक वर्ग में तीन राउंड के मुकाबले खेले गए, जिसमे मध्य प्रदेश के खिलाडी सैयद अली- तीसरी पोजीशन, दीर्घ चौहान-सातवी पोजीशन, मनित्वा सिंह रावत-ग्यारवी पोजीशन, नवजीत बिश्नोई-तेहरवी पोजीशन और रुस्तम पुखाम्बम-चौदहवीं पोजीशन पर रहे। इस प्रतियोगिता में चौथे और पांचवे राउंड के मुकाबले बुधवार को खेले जाएंगे। इसी तरह ट्रैप बालिका वर्ग में गतका में तीन राउंड के मुकाबले खेले गए, जिसमें मध्य प्रदेश के खिलाड़ी पूनम रघुवंशी- चौथी पोजीशन, हिना रश्मि बैरवा-आठवीं पोजीशन और अनन्य मौर्या-ग्यारवी पोजीशन पर रहीं। इस प्रतियोगिता में भी चौथे और पांचवें राउंड के मुकाबले बुधवार को होंगे। खेल और युवा कल्याण संचालक राकेश गुप्ता ने भी पदक विजेता खिलाड़ियों को बधाई दी है और आशा व्यक्त की है कि मध्य प्रदेश इस प्रतियोगिता में बेहतर प्रदर्शन करेगा।

इंजीनियरिंग में बेस्ट आप्शंस

स्टूडेंट्स के बीच इंजीनियरिंग हमेशा से हॉट सब्जेक्ट रहा है, क्योंकि बैचलर ऑफ इंजीनियरिंग के बाद करियर के कई ऑप्शंस खुल जाते हैं। कोर्स कंप्लीट करने के बाद इंडियन इंजीनियरिंग सर्विस, पीएसयू, प्राइवेट सेक्टर में शानदार जॉब हासिल कर सकते हैं। अगर आप इंजीनियरिंग में एडमिशन लेने जा रहे हैं, तो जानें यहां आपके लिए क्या बेस्ट ऑप्शंस हैं..

एग्रीकल्चर इंजीनियरिंग

एग्रीकल्चर इंजीनियरिंग में एडमिशन के लिए 12वीं में साइंस सब्जेक्ट यानी फिजिक्स, केमिस्ट्री, मैथमेटिक्स/ बायोलॉजी जैसे सब्जेक्ट होने चाहिए। अधिकतर एग्रीकल्चर इंस्टीट्यूट और यूनिवर्सिटी एग्रीकल्चर इंजीनियर के बीई/बीटेक प्रोग्राम्स में एडमिशन के लिए एंट्रेंस टेस्ट का आयोजन करती है। इस कोर्स की अवधि चार वर्ष की होती है। इसमें डिप्लोमा कोर्स भी किया जा सकता है। कुछ संस्थानों में एडमिशन बारहवीं के अंक के आधार पर भी होता है। आज इस फील्ड में अवसर भी कम नहीं है। स्किल्ड प्रोफेशनल्स प्रोडक्शन, सेल्स, मैनेजमेंट, रिसर्च आदि फील्ड में जॉब की तलाश कर सकते हैं।

एयरोनॉटिकल इंजीनियरिंग

12वीं साइंस (मैथ्स) के स्टूडेंट्स बीई/बीटेक एयरोनॉटिकल इंजीनियरिंग कोर्स में एडमिशन ले सकते हैं या एयरोनॉटिक्स में डिप्लोमा भी कर सकते हैं। विभिन्न कॉलेजों और आईआईटीज में एयरोनॉटिक्स में डिग्री और पोस्ट ग्रेजुएट डिग्री कोर्स उपलब्ध है। कई पॉलिटेक्निक्स द्वारा एविएशन में डिप्लोमा कोर्स कराए जाते हैं। देश में कुछ संस्थान एविएशन में पोस्ट ग्रेजुएट (एमटेक) और डॉक्टोरल प्रोग्राम (पीएचडी) भी कराते हैं। एयरोनॉटिकल इंजीनियरिंग का बीई/ बीटेक कोर्स चार साल का होता है, जबकि डिप्लोमा कोर्स की अवधि दो-तीन साल होती है। एयरोनॉटिकल इंजीनियर गवर्नमेंट और प्राइवेट एयरलाइंस में जॉब की तलाश कर सकते हैं। इसके अलावा, नेशनल एयरोनॉटिकल लैब, एयरोनॉटिकल डेवलपमेंट ऑर्गनाइजेशन, इसरो आदि में भी जॉब पा सकते हैं।

ऑटोमोबाइल इंजीनियरिंग

इन दिनों ऑटोमोबाइल इंजीनियर्स की डिमांड काफी बढ़ गई है। आप आईआईटी (गुवाहाटी) से बीटेक इन डिजाइनिंग (चार वर्षीय) का कोर्स कर सकते हैं। नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डिजाइन (एनआईडी) अहमदाबाद, इंडस्ट्रियल डिजाइनिंग में चार वर्षीय प्रोग्राम ऑफर करती है। इन सभी कोर्स में 12वीं (पीसीएम) के बाद जेईई मेन्स और एडवांस क्वालिफाई करके एडमिशन लिया जा सकता है। आईआईटी, दिल्ली से इंडस्ट्रियल डिजाइनिंग में मास्टर डिग्री (दो वर्षीय) हासिल कर सकते हैं। आईआईटी, कानपुर भी इंडस्ट्रियल डिजाइनिंग में दो वर्षीय मास्टर डिग्री कोर्स कराती है। इसके अलावा, इंडस्ट्रियल डिजाइन सेंटर, आईआईटी-मुंबई से इंडस्ट्रियल डिजाइनिंग में मास्टर डिग्री (दो वर्षीय) प्राप्त कर सकते हैं।

जेनेटिक इंजीनियरिंग

इस कोर्स में एंट्री के लिए 12वीं बायोलॉजी, केमिस्ट्री और मैथ्स से पास होना जरूरी है। इस समय अधिकतर यूनिवर्सिटी और इंस्टीट्यूट में जेनेटिक इंजीनियरिंग के लिए अलग से कोर्स ऑफर नहीं किया जाता है, लेकिन इसकी पढ़ाई बायोटेक्नोजी, माइक्रोबायोलॉजी और बायोकेमिस्ट्री में सहायक विषय के रूप में होती है। बायोटेक्नोलॉजी के अडंर ग्रेजुएट और पोस्टग्रेजुएट में जेनेटिक इंजीनियरिंग में स्पेशलाइजेशन कर सकते हैं। गेजुएट कोर्स, बीई/बीटेक में एंट्री प्रवेश परीक्षा के आधार पर होती है। जेनेटिक इंजीनियर के लिए भारत के साथ-साथ विदेश में भी जॉब के अवसर तेजी से बढ़ रहे हैं। मेडिकल और फार्मास्युटिकल कंपनी, एग्रीकल्चर सेक्टर, प्राइवेट और गवर्नमेंट रिसर्च और डेवलपमेंट सेंटर में जॉब हासिल कर सकते हैं। टीचिंग को भी करियर ऑप्शन के रूप में आजमाया जा सकता है।

इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग

इलेक्ट्रिकल इंजीनियर बनने के लिए स्टूडेंट को जेईई या फिर स्टेट लेवल पर आयोजित होने वाले इंजीनियरिंग एग्जाम को क्वालिफाई करना जरूरी है। 12वीं साइंस के स्टूडेंट्स इस कोर्स में एडमिशन ले सकते हैं। इसके लिए फिजिक्स, केमिस्ट्री और मैथ होना चाहिए। मौजूदा समय में इलेक्ट्रिकल इंजीनियर्स की मांग में जबरदस्त इजाफा हुआ है। इंडस्ट्रीज मैन्युफैक्चरिंग, टेलीविजन, कंप्यूटर, माइक्रोवेब्स से संबंधित इंडस्ट्रीज में इसकी खूब मांग है। इसके अलावा, एटमी प्लांट्स, हाइड्रोइलेक्ट्रिक पावर प्लांट्स, थर्मल पावर आदि के डिजाइन और डेवलपमेंट इलेक्ट्रिक इंजीनियर की अहम भूमिका होती है।

फायर इंजीनियरिंग

फायर इंजीनियरिंग कोर्स में एडमिशन के लिए साइंस सब्जेक्ट्स से बारहवीं पास होना जरूरी है। इसके अलावा, इन कोर्सेज में प्रवेश के लिए कई संस्थान नेशनल लेवर पर एंट्रेंस एग्जाम और साक्षात्कार आदि भी आयोजित करते हैं। फायर इंजीनियरिंग से रिलेटेड सर्टिफिकेट और डिप्लोमा कोर्स भी कर सकते हैं। कोर्स के दौरान आग बुझाने के विभिन्न तरीकों की जानकारी दी जाती है। इन कोर्सेज में फिजिकल फिटनेस के मार्क्स भी जोड़े जाते हैं। दिल्ली कॉलेज ऑफ फायर ऐंड सेफ्टी इंजीनियरिंग के डायरेक्टर जेड एस लाकड़ा के मुताबिक, फायर इंजीनियरिंग से जुड़े प्रोफेशनल्स के लिए गवर्नमेंट और पब्लिक सेक्टर में काफी संभावनाएं हैं। इस फील्ड में जुड़े प्रोफेशनल्स रेलवे, एयरफोर्ट ऑथॉरिटी ऑफ इंडिया, डिफेंस फोर्स, इलेक्ट्रिसिटी बोर्ड, ओएनजीसी, माइंस, रिफाइनरिज, पेट्रोकेमिकल्स कॉम्प्लेक्स आदि में जॉब की तलाश कर सकते हैं।

कंप्यूटर साइंस

कंप्यूटर साइंस में करियर बनाने के लिए मैथ्स और साइंस (फिजिक्स, केमेस्ट्री) में अच्छी पकड़ होनी चाहिए। इस ब्रांच में बीई या बीटेक करने के बाद पोस्टग्रेजुएशन यानी एमई/एमटेक किया जा सकता है। कंप्यूटर इंजीनियर्स के लिए देश-विदेश दोनों जगहों पर अच्छी संभावनाएं हैं। ये सॉफ्टवेयर्स को डिजाइन, डेवलप और मेंटेन करते हैं। इस फील्ड से जुड़े लोगों को सॉफ्टवेयर कंपनीज और आईटी कंपनियों में जॉब मिलती है। कंप्यूटर इंजीनियर अपनी टीम के साथ मिलकर मैथ और साइंस का प्रयोग करके कंप्यूटर को डिजाइन और डेवलप करते हैं। आमतौर पर कंप्यूटर के पुजरें के साथ काम करने वाले प्रोफेशनल्स को हार्डवेयर इंजीनियर कहा जाता है और जो कंप्यूटर के प्रोग्राम्स के साथ काम करते हैं, उन्हें सॉफ्टवेयर इंजीनियर कहा जाता है।

पेट्रोलियम इंजीनियरिंग

इन दिनों पेट्रोलियम इंजीनियर्स की काफी डिमांड है। अन्य इंजीनियरिंग ब्रांच की ही तरह पेट्रोलियम इंजीनियरिंग में एडमिशन के लिए स्टूडेंट्स का 12वीं साइंस (फिजिक्स, केमिस्ट्री, मैथमेटिक्स) से पास होना जरूरी है। इस कोर्स में एडमिशन के लिए जेईई पास करना जरूरी है। कोर्स कंप्लीट करने के बाद इंडियन ऑयल, ऑयल इंडिया लिमिटेड, एचपीसीएल, ओएनजीसी, बीपी आदि में जॉब की तलाश की जा सकती है।

माइनिंग इंजीनियरिंग

माइनिंग इंजीनियरिंग कोर्स में एडमिशन के लिए मैथ, फिजिक्स और केमिस्ट्री से 12वीं पास होना जरूरी है। माइनिंग इंजीनियरिंग में एडमिशन के लिए जेईई जैसे एंट्रेंस एग्जाम को पास करना जरूरी है। कोर्स कंप्लीट करने के बाद स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड, कोल इंडिया लिमिटेड, आईपीसीएल, नेवली लिग्नाइट कॉरपोरेशन, यूरेनियम कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया, आदि में जॉब की संभावनाएं तलाश सकते हैं। इसके अलावा, रिसर्च और टीचिंग में भी काफी स्कोप है।

हॉबी भी बन सकती है कमाई का साधन

यदि आपकी भी कोई हॉबी है, तो वह आपको अच्छा रिटर्न भी दे सकती है। जरूरत है कि आप अपनी हॉबी को अपना पैशन बना लें, तभी तो वह आपको लाभ देगी। पैशन को निवेश में बदलने की शुरूआत करने पर उससे संबंधित कुछ बातों को जानना जरूरी है, तभी तो आप उसकी सही कीमत पा सकती हैं और अपनी कड़ी मेहनत से जुटाई संग्रहणीय वस्तुओं को भी सुरक्षित रख सकती हैं।

कलैक्शन के लिए जुनून

कलैक्शन की ललक किसी में बचपन या बुढ़ापे से ले कर कभी भी पैदा हो सकती है। कला, पेंटिंग, स्कल्पचर, स्टांप, सिक्के और नोट सरीखी वस्तुओं का कलैक्शन लंबे समय में आपको अच्छी रिटर्न दे सकता है।

शुरूआत के लिए

यदि आप कुछ संग्रह करना शुरू करने वाली हैं, तो बेहतर है कि आप आम कलैक्शन के साथ शुरूआत करें। उदाहरण के लिए यदि आप स्टांप इकट्ठी करने वाली हैं, तो जितनी ज्यादा संभव हो, उतनी स्टांप इकट्ठी करें और जब कुछ समय के बाद आपके पास स्टांप का अच्छा-खासा कलैक्शन हो जाए, तो आप किसी खास देश की खास स्टांप पर भी फोकस कर सकती हैं। इससे मिलने वाली खुशी एक संकलनकर्ता का प्रोत्साहन होती है, न कि उसके संकलन की मार्कीट वैल्यू उसके लिए मायने रखती है।

अभिभावकों की भूमिका

अगर किसी बच्चे में कलैक्शन की हॉबी है तो अभिभावक और शिक्षकों को उसे प्रोत्साहित करना चाहिए। अभिभावकों में अपने बच्चे के टैलेंट को पहचानने की क्षमता होनी चाहिए। प्रत्येक माता-पिता का दायित्व है कि वे अपने बच्चे की कलैक्शन की आदत को पैशन बनाने में उसे प्रोत्साहन दें। वे अपने बच्चे का परिचय ऐसी विभिन्न सोसायटियों से करा सकते हैं, जहां पर पुराने और बड़े संकलनकर्ता दूसरों को प्रोत्साहित करने के लिए मीटिंग और सैमीनार आयोजित करते हैं। ये सोसायटियां किसी संकलनकर्ता के संकलन की जानकारी को लोगों से सांझा करने और उनके संकलन को विस्तृत बनाने के लिए जानकारियां देने में मददगार होती हैं।

विशिष्ट कलैक्टरों की जमात में शामिल होने के लिए संकलनकर्ता को अपने संकलन के विषय की गहन जानकारी होनी चाहिए। उसके लिए अपने विषय के अन्य संकलनकर्ताओं और उनके संकलन के स्तर के बारे में जानना भी बेहद जरूरी है, सो इसके लिए आप प्रदर्शनियों में जाएं तथा नेट पर सर्च करती रहें।

उपलब्धता भी रखती है मायने

आप जिस चीज का संकलन करने जा रहे हैं, उसकी उपलब्धता का स्तर जानना बेहद महत्वपूर्ण है। यह भी समझें कि विशिष्ट संकलनकर्ताओं के पास संजोई गई चीजें आसानी से नहीं मिलतीं।

डीलर की पहचान जरूरी

स्टांप, स्कल्पचर और सिक्के बेचने वाले डीलरों से कोई चीज खरीदने से पहले आप अच्छी तरह जांच-पड़ताल कर लें कि वास्तव में वह वस्तु अपने दाम के अनुरूप है या नहीं। एंटीक वस्तुएं खरीदते समय प्रत्येक आइटम का गहनता से परीक्षण करना होगा। इसकी भी जांच कर लें कि वह चीज अच्छी स्थिति में हो और किसी अधिकृत संस्था द्वारा प्रमाणित हो। एंटीक वस्तुएं खरीदते समय इस बात का भी ध्यान रखें कि कहीं आप धोखाधड़ी का शिकार तो नहीं हो रहे हैं, क्योंकि बहुत सी नई चीजों को पुराना रूप देकर एंटीक बता दिया जाता है।

संग्रहणीय वस्तुओं की सुरक्षा

एक संकलनकर्ता को अपनी संग्रहणीय वस्तुओं की गुणवत्ता के साथ किसी हाल में समझौता नहीं करना चाहिए। उन्हें अपने संग्रहण की स्थिति की समय-समय पर जांच करनी चाहिए। ऐसी चीजों को इकट्ठा करने से बचना चाहिए, जो सही स्थिति में न हों, हालांकि पुराने इस्तेमाल हो चुके स्टांप इसके अपवाद हो सकते हैं। संकलनकर्ता आम तौर पर अपनी कलैक्शन को लेकर बेहद पोजैसिव होता है। अपनी कलैक्शन को लोगों के हाथ में देकर दिखाने की अपेक्षा दूर से दिखाना बेहतर तरीका है। सिक्कों के संग्रहणकर्ताओं को अपने सिक्के साफ पानी से धोने चाहिएं। ऐसे रसायनों से बचना चाहिए जिनसे सिक्कों की वास्तविक चमक कम हो जाती हो।

संकलनकर्ताओं को अपने संकलनको दुर्लभ, अति दुर्लभ जैसी श्रेणियों में वर्गीकृत कर उनका कैटालॉग बनवा कर उनके विषय में लोगों को जानकारी देनी चाहिए।

संकलन का बाजार

संकलनकर्ताओं को देखना चाहिए कि उनके संकलन के लिए आसान खरीद और बिक्री का बाजार हो। संकलित वस्तुओं को किसी मान्यता प्राप्त अथॉरिटी से प्रमाणपत्र मिला होना चाहिए। संग्राहक के पास अपने संकलन को बेहतर स्थिति में सुरक्षित रखने के लिए इंफ्रास्ट्रक्चर भी होना चाहिए।

पैशन को दें दिशा

अपने पैशन को यूं ही मत जाने दें। आपका यह पैशन आपको किसी बड़े निवेश की ओर ले जा सकता है। अगर आपको सिक्के इकट्ठे करने का शौक है तो आप सिक्कों का एक बड़ा कलैक्शन कर इन्हें बेच कर अच्छी-खासी कमाई कर सकते हैं अर्थात आपकी हॉबी भी पूरी होगी और पैसा कमाने की चाहत भी। पेंटिंग, स्कल्पचर, स्टांप तथा दुनिया के तमाम देशों की करंसी इकट्ठा करने की आपकी हॉबी आपको धनवान बना सकती है।

आफिस और आपका व्यवहार

ऑफिस में कभी काम को कल पर टाल कर, तो कभी काम ज्यादा होने पर छुट्टी ले लेना जैसी आदतें पुरुषों में ही नहीं, बल्कि महिला कर्मचारियों में भी पाई जाती हैं। उन्हें तो शायद यह महसूस भी नहीं होता कि उनकी यह आदत धीरे-धीरे उनकी ही परफार्मैंस पर भारी पड़ते हुए उन्हें बॉस की नजरों में गैर-जिम्मेदार ठहराती जा रही है।

महिलाएं अक्सर दूसरों के सामने यह राग अलापती हैं कि वे तो मजे की नौकरी कर रही हैं। ऐसी बातें जब बॉस के कानों में पहुंचती हैं, तो वह निल-परफार्मैंस के साथ सहज ही आपकी तुलना कर लेता है। यही कारण है कि जब प्रमोशन की बात आती है तो कई बार आपके जूनियर बाजी मार जाते हैं। ऐसी कई गलतियां हैं, जिनकी आदी हो चुकीं महिला कर्मचारी इन्हें अपनी आदत बना लेती हैं। यदि आप में भी कोई ऐसा अवगुण है तो उसे समय रहते ही सुधार लेना आवश्यक है।

अपनी गलती दूसरों के सिर न मढ़ें

अपनी गलती को छिपाने वाले तथा बॉस की नजरों में अच्छी इमेज साबित करने वाले लोग हर जगह होते हैं। ऐसे लोग अपनी गलती दूसरे के सिर मढ़ कर बच निकलना चाहते हैं, परंतु अपनी इस आदत के कारण दूसरों की परेशानी की वजह बन जाते हैं। यदि आप में भी यह आदत है तो इसे सुधार लेना ही बेहतर है। हो सकता है कि आरंभ में अपनी गलती मानते हुए आपको शर्मिंदगी महसूस हो, लेकिन यकीन मानें कि उसे छिपाने में आपको कहीं ज्यादा परेशानी झेलनी पड़ती है। अपने किसी कुलीग के सिर गलती मढने् की कोशिश हर बार कामयाब नहीं हो सकती और गलती साबित हो जाने पर वह स्थिति अधिक कष्टदायक हो सकती है।

रोज की बहानेबाजी तौबा-तौबा

कई बार आप सुबह उठती हैं और काम पर जाने का मन नहीं हो रहा या बच्चों ने घूमने की फरमाइश कर दी तो तुरंत फोन कर बॉस से पेट दर्द, सिरदर्द या किसी और बीमारी का बहाना बना कर आप लीव ले लेती हैं। छुट्टी लेना तो आपका अधिकार है और उस समय आप अभिनय में कलाकारों को भी मात दे देती हैं। कुछ दिन की छुट्टी चाहिए तो मैडीकल सर्टीफिकेट देकर लंबी छुट्टी ले ली परंतु ऐसी बहानेबाजी आपके दूसरे कुलीग्स का वर्क प्रैशर बढ़ा देती है। कभी यह सोचा है कि आपकी इस आदत के चलते आप अपने सहयोगियों का ही नहीं, बल्कि अपने बॉस का भी विश्वास खोने लगती हैं, क्योंकि वह आपको जिम्मेदारी का काम या ओहदा देने से कतराने लगते हैं।

व्यवहार हो संतुलित

किसी ने आपके काम पर उंगली उठाई या फिर आपको क्रिटीसाइज किया तो आप अपने गुस्से पर काबू नहीं रख पातीं और गुस्से में लाल-पीली होकर सामने वाले पर बरस उठती हैं या फिर आप सामने वाले की कही गलत बातों को भी चुपचाप सुन स्वयं में ही सिमटे हुए वहां से उठ कर चल देती हैं। प्रोफैशनल नजरिए से देखा जाए तो दोनों तरह के व्यवहार सही नहीं हैं, क्योंकि तुरंत रिएक्ट करने से आप सबकी नजरों में एग्रैसिव साबित होते हैं तो चुपचाप हर किसी की नाराजगी झेलने से आप सॉफ्ट टार्गेट बन जाते हैं। इसलिए बेहतर है कि व्यवहार को संतुलित रखें क्योंकि दोनों ही स्थितियों में आप अपना सही पक्ष नहीं रख सकतीं। इसलिए बेहतर है कि भीतर का आक्रोश थम जाने पर ही सामने वाले से बात करें। इससे आप जहां सही ढंग से अपना पक्ष रख सकेंगी, वहीं आपकी एनर्जी बेकार की बातों में वेस्ट नहीं होगी और काम पर भी उसका नैगेटिव असर नहीं पड़ेगा।

पर्सनल काम करें अवॉयड

ऑफिस के फोन से पर्सनल कॉल करना, ई-मेल पर चैट करना, प्रिंट पर पर्सनल डॉक्यूमैंट्स के प्रिंट लेना या फिर घरेलू कामों को निपटाना जैसे काम एक दिन बॉस के नोटिस में आ ही जाते हैं। ये सब आपकी कार्यक्षमता पर सवालिया निशान भी लगाते हैं। इसलिए बेहतर है कि इस प्रकार के पर्सनल कामों को अवॉयड किया जाए।

शालीन पहनावा

जब बात ऑफिस में प्रोफैशनल बिहेवियर की चल रही हो तो सही ड्रैसिंग भी उसी में आती है। यदि ऑफिस में कोई ड्रैस कोड नहीं है तो आपकी जिम्मेदारी और भी बढ़ जाती है, इसलिए ऑफिस में हमेशा ग्रेसफुल पोशाक ही पहनें, क्योंकि इसी से आपके सहयोगी आपके बारे में अपनी राय कायम करते हैं।

मेट गाला की रात से पहले ही

प्रियंका चोपड़ा

ने खींचा सबका ध्यान, स्किनफिट ड्रेस में निक की बीवी ने फ्लॉन्ट किया किलर फिगर

फैशन शो मेट गाला की बात जब भी होती है तो देसी गर्ल प्रियंका चोपड़ा जोनस का नाम सबसे पहले जुबान पर आता है। इस बार 5 मई से मेट गाला 2025 का आगाज होगा। ऐसे में फैशन के सबसे बड़े इवेंट के लिए मेट्रोपॉलिटन म्यूजियम ऑफ आर्ट अपना रेड कार्पेट बिछाएगा।फैशन शो मेट गाला की बात जब भी होती है तो देसी गर्ल प्रियंका चोपड़ा जोनस का नाम सबसे पहले जुबान पर आता है। इस बार 5 मई से मेट गाला 2025 का आगाज होगा। ऐसे में फैशन के सबसे बड़े इवेंट के लिए मेट्रोपॉलिटन म्यूजियम ऑफ आर्ट अपना रेड कार्पेट बिछाएगा।

तभी तो इस साल मेट गाला की रात से पहले ही उन्होंने अपने अंदाज से सबका दिल जीत लिया है। दरअसल, प्रियंका ने प्री-मेट इवेंट में शिरकत की थी। इस दौरान की तस्वीरें इस समय इंटरनेट पर छाई हैं। लुक की बात करें तो प्रियंका ब्लैक फिटिंग ड्रेस में कहर ढा रही थी।

प्रियंका ने अपने लुक को गोल्डन हूप ईयररिंग्स और अंगूठियों के एक स्टाइलिश सेट के साथ कंप्लीट किया जो उनके अंदाज़ में एक बोल्ड टच जोड़ रहा था।उन्होंने ब्लैक स्ट्रैपी हील्स पहनीं जो पूरे आउटफिट को एक मिनिमलिस्टिक लुक दे रही थी।

उनका ब्यूटी लुक भी उतना ही परफेक्ट था। मेकअप फ्रेश लेकिन प्रभावशाली था न्यूड टोन आईशैडो, हल्का स्मज्ड आईलाइनर और घनी पलकें उनके लुक को निखार रही थीं। उनकी भौहें खूबसूरती से गालों पर बल्श के साथ हल्का कॉन्टूर और ग्लो था। एक सॉफ्ट पिंक लिपस्टिक ने पूरे लुक को परफेक्ट बना दिया। इवेंट के लिए प्रियंका ने ओपन हेयर स्टाइल चुना। फैंस प्रियंका की इन तस्वीरों को काफी पसंद कर रहे हैं।

गैंगस्टा वाइब में शाहरुख खान का धमाकेदार डेब्यू, प्रेग्नेंट कियारा ने फ्लॉन्ट किया 'बेबी बंप', छा गए दिलजीत दोसांझ

मेट गाला 2025 का आयोजन हो चुका है. 'फैशन का ऑस्कर' कहे जाने वाला मेट गाला इस बार बॉलीवुड के लिए भी काफी खास रहा. जहां बॉलीवुड के बादशाह शाहरुख खान ने धमाकेदार अंदाज में डेब्यू किया. तो वहीं दूसरी ओर प्रेग्नेंट कियारा आडवाणी ने भी 'बेबी बंप' फ्लॉन्ट किया है. हालांकि, सबसे हटकर अंदाज में दिखाई दिए पंजाबी सिंगर दिलजीत दोसांझ, जिन्होंने एकदम महाराजा वाले लुक में लाइमलाइट चुरा ली. शुरुआत शाहरुख खान से कर रहते हैं, साथ ही सभी स्टार्स की ड्रेस डिटेलिंग पर भी बात करेंगे.दरअसल न्यूयॉर्क के मेट्रोपॉलिटन म्यूजियम ऑफ आर्ट में मई के पहले हफ्ते में हर साल मेट गाला का आयोजन होता है. इस साल इसका आयोजन 5 मई को हुआ था. जो भारत के समय अनुसार मंगलवार यानी 6 मई को सुबह साढ़े 3 बजे से देखा जा सका.

शाहरुख खान का धमाकेदार डेब्यू

बॉलीवुड के किंग शाहरुख खान का मेट गाला 2025 में धमाकेदार डेब्यू हुआ. जहां वो एकदम गैंगस्टा वाइब में दिखाई दिए. डिजाइनर सब्यासाची के आउटफिट में शाहरुख खान काफी जच रहे थे. किंग खान की तस्वीरों पर खुद आलिया भट्ट ने भी 'लीजेंड' लिखते हुए कमेंट किया है. इन तस्वीरों में शाहरुख खान एकदम बैडी लुक में छा गए.

ब्लैक आउटफिट और गले मेंच नाम का पैंडेंट पहना हुआ है. जिसे लोग देखकर बोले- किंग वाली ही बात है सच में. प्लीटेन साटन कमरबंद, क्रेप टी साइन सिल्क शर्ट और सुपरफाइन ट्राउजर कैरी किया है. साथ ही उन्होंने हाथों में कई सारी रिंग्स पहनी हैं, जो काफी कूल लुक दे रही हैं.

प्रेग्नेंट कियारा ने पहली बार दिखाया बेबी बंप

बॉलीवुड एक्ट्रेस कियारा आडवाणी मां बनने वाली हैं. हाल ही में उन्होंने प्रेग्नेंसी अनाउंस की थी. इसी बीच मेट गाला 2025 में पहली बार बेबी बंप फ्लॉन्ट करते हुए नजर आईं. उनकी ड्रेस ने हर किसी का ध्यान खींच लिया. उन्होंने अपने मेट गाला डेब्यू में टेलर्ड फॉर यू' थीम पर बेस्ड कॉस्ट्यूम पहना था. ब्लैक ऑफ शोल्डर गाउन को गोल्डन ब्रालेट के साथ पेयर किया था. हालांकि, ब्रालेट के साथ एक छोटा सा हार्ट भी था, जो चेन से कनेक्टेड था. यह उनके बेबी के लिए स्पेशल साइन था. लोग तारीफ कर रहे हैं. वो पति सिद्धार्थ के साथ इस खास मौके के लिए यहां पहुंची हैं.

जब पवनदीप राजन ने स्वीकारा मनोज मुंतशिर का चैलेंज, मंच पर सबके सामने जो किया, हर कोई रह गया था दंग

अपनी आवाज से लाखों दिलों पर राज करने वाले पवनदीप राजन अस्पताल में भर्ती हैं. 5 मई को उनकी कार का एक्सीडेंट हो गया, जिसके बाद से नोएडा में उनका इलाज चल रहा है. उन्होंने पिछले कुछ सालों में लोगों के दिलों में बेहद ही खास जगह बनाई है. वो सिंगिंग रिएलिटी शो 'इंडियन आइडल 12' के जरिए लोगों की नजरों में आए थे. उन्होंने इस शो का खिताब तो अपने नाम किया ही था, साथ ही कई ऐसे कारनामे भी कर दिखाए थे, जिसे देखकर हर कोई दंग रह गया था.'इंडियन आइडल 12' में एक दफा मनोज मुंतशिर के सामने पवनदीप ने उनका ही लिखा गाना 'तेरी मिट्टी' गाया था. पवन की आवाज सुनकर मनोज ने उनकी काफी तारीफ की थी, साथ ही उन्होंने पवन को एक चैलेंज भी दिया था और कहा था कि अगर वो इस चैलेंज को पूरा कर लेते हैं तो वो उन्हें टी-सीरीज के मालिक भूषण कुमार से मिलवाएंगे. चैलेंज एक संगीत कंपोज करने का था.

मनोज मुंतशिर ने क्या कहा था ?

मनोज मुंतशिर ने कहा था, मैं आपको टेस्ट करना चाहता हूं. और ये टेस्ट सिर्फ एक टेस्ट नहीं है. मैं इंडियन आइडल के स्टेज से नेशनल टेलीविजन पर एक वादा करता हूं कि अगर आप इस टेस्ट में पास हुए, तो मैं टी-सीरीज के मालिक भूषण कुमार जी के पास ले जाकर, उनके सामने आपको बिठाऊंगा और एक धुन जो आप अभी बनाने वाले, वो आप डायरेक्टली उनको सुनाएंगे.

चैलेंज में मनोज के साथ उनके को-कंटेस्टेंट आशीष कुलकर्णी भी थे. चैलेंज को मुश्किल बनाते हुए मनोज मुंतशिर ने दोनों को ज्यादा समय नहीं दिया था. उन्होंने तुरंत ही लिरिक्स दे दिए थे और कहा था कि आपके पास ज्यादा समय नहीं है, कुछ ही पल में आपको कंपोजिशन तैयार करना है. इस चैलेंज को स्वीकार करते हुए पवनदीप और आशीष ने कंपोजिशन तैयार भी कर दिया था.

तारीफ में अनु मलिक ने क्या कहा था ?

उस गाने के लिरिक्स कुछ इस तरह थे, ज्यादा कुछ सोचा नहीं कह दिया था तो कह दिया. हमने तुमको जिंदगी कह दिया तो कह दिया. पवनदीप और आशीष ने मिलकर ऐसा कंपोजिशन तैयार किया था और अपनी आवाज से ऐसा गाना गया था कि हर कोई हैरान रह गया था कि दोनों ने इतने कम समय में कैसे कंपोज कर दिया. धुन सुनने के बाद मनोज ने मजाकिया अंदाज में कहा था, पवन-आशीष मेरे पास 10-12 मुखड़े और हैं, प्लीज कंपोज कर दो यार.

शो के जज अनु मलिक ने भी दोनों की तारीफ की थी और कहा था, मैंने अच्छे की उम्मीद की थी, लेकिन मैं ईमादारी से कहना चाहता हूं कि मैंने इतने अच्छे की उम्मीद नहीं की थी. उन्होंने ये भी कहा था, इंडियन आइडल के मंच पर सिंगर्स तो पैदा होते ही हैं, अब संगीतकार भी पैदा हो गया है.

शाहिद कपूर से शादी के बाद

मीरा राजपूत

ने डिलीट किया था फेसबुक अकाउंट, बताया किस बात का था डर

शाहिद कपूर की वाइफ मीरा का बैकग्राउंड फिल्मी नहीं है। हालांकि अब वह बॉलीवुड वाइफ बन चुकी हैं। एक पॉडकास्ट के दौरान मीरा ने बताया कि शादी की शुरुआत में उन्हें किस तरह के चैलेंजेज का सामना करना पड़ा था। मीरा को अचानक लाइमलाइट मिलने लगा। फेसबुक

फ्रेंड रिक्वेस्ट्स से भर गया तो वह डर गई थीं। उन्होंने अपना फेसबुक ही डिलीट कर दिया था।

फ्रेंड रिक्वेस्ट देख डर गई मीरा

मीरा राजपूत मोमेंट्स ऑफ साइलेंस पॉडकास्ट में थीं। उन्होंने बताया कि शादी के वक्त वह महज 20 साल की थीं। अचानक इतनी लाइमलाइट मिलने लगी। मीरा ने बताया कि शादी के बाद उन्होंने सबसे पहले क्या किया। वह बताती हैं, मेरे पास अचानक से 3000 फ्रेंड रिक्वेस्ट गईं। उस वक्त 3000 ऐसा लग रहा था कि पूरी दुनिया है। मैं डर गई कि कोई मेरा अकाउंट न हैक कर ले और मेरी तब की फोटोज देख ले जब मैं 15 साल की थी या किसी पार्टी में थी और मेरे कपड़ों से मुझे जज करे।

दोस्तों की आती थी याद

मीरा कपूर ने यह भी बताया कि वह दिल्ली की लड़की से बॉलीवुड एक्टर की वाइफ बन गईं। उनके लिए अडजस्ट करना आसान नहीं था। उन्हें शहर बदलना था और एक पब्लिक फिगर की बीवी वाली जिंदगी जीनी थी। मीरा ने बताया कि लोगों को भले ही उनकी जिंदगी परीकथा जैसी लगती हो लेकिन वह अकेली हो गई थीं। उन्हें अपने दोस्तों को देखकर लगता था कि काश वह भी वो सब कर पातीं जो उनके दोस्त कर रहे हैं।